डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

₹78,760 10 ग्राम

₹95,260 01 किलो

सेंसेक्स 79,476.63 +694.39

डॉलर 84.114 -0.056

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

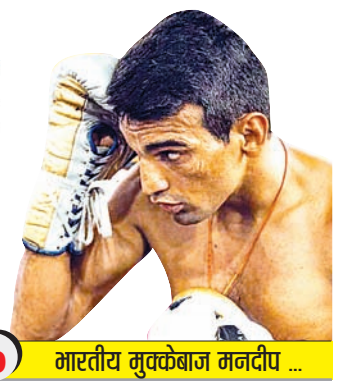

कार्तिक शुक्ल पक्ष 05, संवत 2081 | डालटनगंज (मेदिनीनगर), बुधवार, 06 नवंबर 2024, वर्ष-31, अंक-23, पृष्ठ-12 | ₹3.00 | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

पेज-10 भारतीय मुक्केबाज मनदीप ...

परवान चढ़ा चुनाव

आईएनडीआईए और एनडीए आमने-सामने

झारखंड में चुनाव परवान चढ़ चुका है। आईएनडीआईए और एनडीए के स्टार प्रचारक तूफानी दौरे पर हैं। मंगलवार को इंडी गठबंधन ने भी 'एक वोट सात गारंटी' के नाम से अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया। इंडी गठबंधन ने झारखंड की जनता को स्थानीयता नीति से लेकर रोजगार, राशन तक का वादा किया है, मंईयां सम्मान योजना तो है ही। वहीं, एनडीए ने अपना संकल्प पत्र पहले ही जारी कर दिया है। एनडीए के नेता राज्य के विकास के लिए भाजपा की डबल इंजन सरकार को सत्ता में लाने के लिए मतदाताओं को प्रेरित कर रहे हैं। राज्य में मतदान की तिथि भी नजदीक ही है। पहले चरण का मतदान 13 नवंबर और दूसरे चरण का 20 नवंबर को होगा।

झारखंड की जनता को 7 गारंटी

इंडी गठबंधन ने संयुक्त रूप से जारी किया घोषणा पत्र

- 1932 के खतियान पर आधारित स्थानीयता नीति लाई जाएगी
- 10 लाख युवाओं को रोजगार का अवसर उपलब्ध कराया जाएगा

आईएनडीआईए की सात गारंटियां

1. 1932 के खतियान पर आधारित स्थानीयता नीति लाने, सरना धर्म कोड को लागू करवाने के साथ-साथ क्षेत्रीय भाषा-संस्कृति के संरक्षण को संकल्पित।
2. दिसंबर 2024 से मंईयां सम्मान योजना के तहत 2,500 रुपये की सम्मान राशि दी जाएगी।
3. एसटी-28 प्रतिशत, एससी-12 प्रतिशत, ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण एवं अल्पसंख्यक के हितों के संरक्षण करने के लिए संकल्पित। साथ ही, पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्रालय के गठन के लिए संकल्पित।
4. राशन वितरण 7 किलो प्रति व्यक्ति किया जाएगा। साथ ही, गैस सिलेंडर राज्य के हर गरीब परिवार को 450 रुपये में दिया जाएगा।
5. झारखंड के 10 लाख युवक-युवतियों को नौकरी और रोजगार का अवसर उपलब्ध कराया जाएगा। 15 लाख रुपये तक पारिवारिक स्वास्थ्य बीमा दिया जाएगा।
6. राज्य के सभी प्रखंडों में डिग्री कॉलेज तथा जिला मुख्यालयों में इंजीनियरिंग, मेडिकल कॉलेज और यूनिवर्सिटी की स्थापना की जाएगी। साथ ही, रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए औद्योगिक प्रोत्साहन नीति लाते हुए राज्य के सभी जिला मुख्यालयो में 500-500 एकड़ का औद्योगिक पार्क बनाया जाएगा।
7. धान के एमएसपी को 2400 रुपये से बढ़ाकर 3200 रुपये करने के साथ-साथ लाह, तसर, करंज, इमली, महुआ, चिरौंजी, साल बीज आदि के समर्थन मूल्य में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि की जाएगी।

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर इंडी गठबंधन (आईएनडीआईए) ने मंगलवार को संयुक्त रूप से अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया। रांची में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस ने मिलकर सात गारंटियों की घोषणा की है। इसे 'एक वोट सात गारंटी' नाम दिया गया है।

यह घोषणा पत्र कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन, राजद के झारखंड प्रभारी जयप्रकाश यादव, माले नेता शुभेंदु सेन की उपस्थिति में जारी किया गया। घोषणा पत्र में 1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति और ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने की बात कही गई है। मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि हमारी सरकार का कार्यकाल अभी एक महीना और होना था, लेकिन जाने कौन सी विकट परिस्थिति आ गई कि चुनाव एक महीना पहले ही करवाए जा रहे हैं। आज चुनाव आयोग के आदेशानुसार दो चरणों में चुनाव हो रहे हैं, जो पहले पांच चरणों में हुआ करते थे। वर्तमान सरकार में हम हर संभव प्रयास कर उन लोगों तक पहुंचे हैं, जहां आवाजें, लोग और उपलब्धियां नहीं पहुंचती हैं। सीएम ने आगे कहा कि सिमडेगा में कल रात को बाहर से आए फोर्स ने ऐके 47 से फायरिंग की, जो गलत है। इस पर चुनाव आयोग संज्ञान ले।

कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे ने कहा कि आज इंडिया गठबंधन ने मिलकर आपके सामने सात गारंटी रखी है, जो जनता के लिए है। हमने अपनी गारंटियों को पहले भी पूरा किया है और आगे भी पूरा करेंगे। कल पीएम मोदी यहां आए थे, उन्होंने अपने भाषण में मेरा जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस की गारंटी का कोई भरोसा नहीं है। लेकिन, जनता जानती है कि कांग्रेस जो **शेष पेज 11 पर**

शंख नहीं बजने देंगे घुसपैठिए : योगी आदित्यनाथ

यूपी के सीएम ने राज्य में 3 जगहों पर सभा को किया संबोधित

- कहा, झारखंड में भू-माफियाओं का उपचार सिर्फ भाजपा
- पहले औरंगजेब ने लूटा, अब झारखंड को आलमगीर लूट रहे

नवीन मेल संवाददाता

रांची। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कोडरमा, बड़कागांव और जमशेदपुर में विशाल जनसभा को संबोधित किया। योगी आदित्यनाथ ने छठ पर्व की शुभकामनाएं देते हुए अपने संबोधन की शुरूआत की। उन्होंने हरियाणा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि, हरियाणा के लोगों ने विकास के लिए तीसरी बार फिर से भाजपा की डबल इंजन सरकार को चुना है। उन्होंने हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि, एक आलमगीर आलम थे औरंगजेब, जिसने देश को लूटने का काम किया था, देश के पवित्र मंदिरों को नष्ट किया था। उन्होंने कहा कि जिस तरह औरंगजेब ने देश को लूटा था, मंदिरों को नष्ट किया था, उसी तरह झारखंड सरकार एक मंत्री थे आलमगीर आलम। उनके घर से नोटों की गड्डियां मिली थीं। ये पैसा झारखंड के गरीबों का था, जिसे लूटकर जमा किया गया था।

सीएम योगी ने बटेंगे तो कटेंगे का नारा भी दोहराया। उन्होंने जनता से कहा कि अपनी ताकत का एहसास करवाइए। जातियों में नहीं बंटना है। जाति के नाम पर कुछ लोग आपको बांटेंगे, कांग्रेस और विपक्ष यही काम करती है। ये लोग बांग्लादेशी घुसपैठियों, रोहिंग्या को बुला रहे हैं। एक दिन ये लोग आपको घर के अंदर घंटी और शंख भी नहीं बजाने देंगे। इसलिए एक रहिए और नेक रहिए। मैं तो कहता हूं कि देश का इतिहास गवाह है कि जब भी बंटे हैं, निर्ममता से कटे हैं। योगी आदित्यनाथ **शेष पेज 11 पर**

झामुमो आदिवासी विरोधी पार्टी, उसने उनका खून चूसा : राजनाथ सिंह

नवीन मेल संवाददाता

रांची। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हटिया और लोहरदगा में विशाल जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने छठ पर्व की शुभकामनाओं के साथ अपने संबोधन की शुरूआत की। रक्षा मंत्री ने झामुमो के प्रस्तावक मंडल मुर्मू के भाजपा में शामिल होने पर कहा कि, अब झामुमो की नैया डूब रही है। झारखंड की जनता ने एनडीए सरकार बनाने का मन बना लिया है। झामुमो-कांग्रेस-आरजेडी दिवाली के दबे हुए पटाखे है। इनकी हालत फुस्स पटाखे जैसी हो गई है। भाजपा एक शक्तिशाली रॉकेट है, जो झारखंड को नई उंचाइयों पर ले जाने का काम करेगी।

उन्होंने कहा कि झारखंड को अलग राज्य बनाने का काम भाजपा ने ही किया था, लेकिन झामुमो-कांग्रेस-आरजेडी सरकार के राज में झारखंड राज्य लगातार डूबता चला गया। राज्य में 13 मुख्यमंत्री रहे, जिनमें से **शेष पेज 11 पर**

सीबीआई की छापेमारी में 60 लाख नकदी एक किलो सोना और कागजात बरामद

नवीन मेल संवाददाता

रांची। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अवैध पत्थर खनन से संबंधित मामले में मंगलवार को झारखंड में छापेमारी की है। इनमें राज्य की राजधानी रांची में तीन स्थानों, गुमला जिले में एक स्थान और साहिबगंज जिले में 13 स्थानों पर छापेमारी हुई है।

सीबीआई से मिली जानकारी के अनुसार, अब तक की तलाशी में 60 लाख रुपये से अधिक नकदी, एक किलो से अधिक सोना, 1.2 किलो चांदी, सोने के आभूषण, मोबाइल, 61 जिंदा कारतूस (9 मिमी), संपत्तियों से संबंधित बिक्री विलेख, निवेश और शेल कंपनियों से संबंधित दस्तावेज, समझौते के कागजात और अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए हैं। जांच से पता चला है कि साहिबगंज जिले में बड़े पैमाने पर अवैध खनन गतिविधियों ने कथित तौर पर सरकार को काफी नुकसान पहुंचाया गया है। साथ ही, खनन कानूनों के उल्लंघन किया गया है। क्षेत्रीय जांच से पता चलता है कि प्रमुख व्यक्ति और संस्थाएं अपनी गतिविधियों को छिपाने और अवैध रूप से प्राप्त संसाधनों, धन को डायवर्ट करने के लिए कई तरीकों का इस्तेमाल करते हुए इस ऑपरेशन में कथित रूप से **शेष पेज 11 पर**

रांची पुलिस की छापेमारी में भारी मात्रा में नकदी बरामद

रांची। रांची पुलिस को शीर्ष स्तर से सूचना मिली कि विधानसभा चुनाव में सिल्ली व रांची विस क्षेत्र के अंतर्गत चुनाव को अवैध संसाधनों के माध्यम से प्रभावित करने के लिए भारी मात्रा में नकदी एवं अन्य संसाधनों को जमा किया गया है। सूचना मिलते ही मंगलवार की सुबह रांची डीसी और एसएसपी के निर्देश पर सिटी एसपी के निर्देशन में छापामारी दल का गठन किया गया, जिसमें सिटी डीएसपी व संबधित थाना एवं सशस्त्र बल की छापामारी टीम ने अलग-अलग क्षेत्रों में छापेमारी की। छापामारी दल के साथ वीडियोग्राफर को लेकर 5 नवंबर को करीब 09:25 बजे रामजी यादव के घर पंचवटी चौक साउथ रेलवे कॉलोनी में रेड किया गया। छापामारी के दौरान रामजी यादव के आवासीय घर के निचले तल्ले एवं दूसरे तल्ले पर बने कमरे से 67 लाख 62 हजार छह सौ बीस रुपये (67,62,620) नकद और जेवरात व बैंक से संबंधित दस्तावेज मिले। फिलहाल पुलिस मामले की और भी गहनता से जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री हेमंत ने भाजपा पर बोला हमला कहा-झारखंड में गिद्ध की तरह मंडरा रहे दर्जनों मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़\हेरहंज\टंडवा। राज्य के मुख्यमंत्री सह झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने मंगलवार को लातेहार जिला के महुआडांड़ खेल स्टेडियम मैदान, हेरहंज राजकीय मध्य विद्यालय मेराल के खेल मैदान व चतरा जिला के टंडवा के पशु मेला मैदान में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों की पक्ष में चुनावी माहौल बनाया। सिमरिया से मनोज चंद्रा, मनिका से रामचंद्र सिंह व लातेहार से मंत्री बैद्यनाथ राम के पक्ष में मुख्यमंत्री ने जनसभा की। मुख्यमंत्री ने तीनों जनसभा में भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने अपने सरकार की 5 सालों की उपलब्धियां को गिनाते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों का ऋण माफी से लेकर घर के बिजली बिल माफी, महिलाओं, बेटियों के सम्मान के लिए कार्य कर रही है। एक तरफ राज्य सरकार झारखंड के गरीब-गुरबा व आदिवासी, दलितों के लिए लड़ाई लड़ रही है, तो वहीं दूसरी ओर विपक्ष की भाजपा तरह-तरह के **शेष पेज 11 पर**

इंडिया

वक्फ बोर्ड विरोध और समर्थन की राजनीति

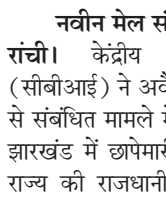

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

वक्फ बोर्ड को असीमित न्यायालय से ऊपर की शक्तियां यदि दी गईं तो क्यों और कैसे संविधान के रक्षक चुप क्यों थे? भाजपा इसमें मुखर है और केंद्र शीतकालीन सत्र में संशोधन विधेयक पास कराना चाहती है।वक्फ मुस्लिम कानून द्वारा मान्यता प्राप्त धार्मिक, धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए चल या अचल संपत्तियों का बोर्ड है जिसका उद्देश्य है कि मुस्लिम द्वारा संपत्ति, चाहे वह चल हो या अचल, मूर्त हो या अमूर्त, ईश्वर को दान करना, इस आधार पर कि हस्तांतरण से जरूरतमंदों को लाभ होगा। एक केंद्रीय वक्फ बोर्ड और कई राज्य बोर्ड हैं।वक्फ अधिनियम को पहली बार 1954 में संसद द्वारा पारित किया गया और 1995 में एक नया वक्फ अधिनियम पारित किया गया, जिसने वक्फ बोर्डों को अधिक अधिकार दिए। 2013 में अधिनियम में और संशोधन किया गया ताकि वक्फ बोर्ड को संपत्ति को 'वक्फ संपत्ति' के रूप में नामित करने के लिए व्यापक अधिकार दिए जा सकें। सरकार वक्फ बोर्ड अधिनियम में 32-40 संशोधनों पर विचार कर रही है। प्रस्तावित संशोधनों के बाद वक्फ बोर्ड को मूल्यांकन के लिए जिला कलेक्टर के कार्यालय में अपनी संपत्तियों को पंजीकृत करना अनिवार्य होगा। संशोधनों का उद्देश्य केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य बोर्डों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करके समावेशिता को बढ़ाना भी है। इसके अतिरिक्त, प्रस्तावित परिवर्तनों में वक्फ संपत्तियों की न्यायिक जांच की अनुमति देना शामिल है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि वे वक्फ संपत्ति के रूप में योग्य हैं या नहीं।रेलवे और रक्षा विभाग के बाद वक्फ बोर्ड को भारत में तीसरा सबसे बड़ा भूमिधारक कहा जाता है। वर्तमान में 8 लाख एकड़ में फैली लगभग 8,72,292 पंजीकृत वक्फ संपत्तियां हैं। इन संपत्तियों से 200 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होता है। लगभग 200 व्यक्ति राज्य वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करते हैं। वक्फ को लेकर विवाद अंग्रेजों के जमाने से चला आ रहा है। वक्फ की संपत्ति पर कब्जे का विवाद लंदन स्थित प्रिवी काउंसिल तक पहुंचा था। अंग्रेजी हुकूमत के दौरान ब्रिटेन में जजों की एक पीठ बैठी और उन्होंने

इसे अवैध करार दिया था लेकिन, ब्रिटिश भारत की सरकार ने इसे नहीं माना और इसे बचाने के लिए 1913 में एक नया एक्ट लाई। 8 दिसंबर 2023 को वक्फ बोर्ड (एक्ट) अधिनियम 1995 को निरस्त करने का प्राइवेट मेंबर बिल राज्यसभा में पेश किया गया था।यह बिल उत्तर प्रदेश से भाजपा सांसद हरनाथ सिंह यादव ने पेश किया था । राज्यसभा में इस बिल को लेकर विवाद भी हुआ था । भाजपा सांसद ने कहा था कि 'वक्फ बोर्ड अधिनियम 1995' समाज में द्वेष और नफरत पैदा करता है। वक्फ एक अरबी शब्द है। जिसका अर्थ होता है खुदा के नाम पर अर्पित वस्तु।वक्फ बोर्ड के अधिकार में चल और अचल संपत्तियां आती हैं। इन संपत्तियों के रखरखाव के लिए राष्ट्रीय से लेकर राज्य स्तर पर वक्फ बोर्ड होता है।वक्फ बोर्ड को जो संपत्ति दान दी जाती है, उससे गरीबों की मदद की जाती है.वक्फ के अधिकारों को लेकर है सबसे ज्यादा विवाद जिसमें दो सक्रिय पक्ष और एक तटस्थ है । सबसे अधिक विवाद वक्फ के अधिकारों को लेकर है। क्योंकि वक्फ एक्ट के सेक्शन 85 में इस बात पर जोर दिया गया है कि बोर्ड के फैसले को कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकती है।वक्फ बोर्ड अपनी विशाल संपत्तियों पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा है। बढ़ती कानूनी लड़ाइयां, धाराओं की हार की जंग, आंतरिक अराजकता और राजनीतिक गर्माहट से घिरा हुआ है। अतिक्रमणकारियों और भ्रष्टाचारियों के कई आरोप लग चुके हैं। कानूनी मामलों, कर्मचारियों की भारी कमी, राजनीतिक नियुक्तियों, बड़े पैमाने पर अतिक्रमण और दुखद ध्वस्तीकरण से आंतरिक रूप से जूझ रहे। भूमि और सार्वजनिक स्थानों को वक्फ बनाकर अधिग्रहित करने का भी आरोप है। प्रस्तावित संशोधनों का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों पर केंद्र के विनियामक प्राधिकरण को बढ़ाकर और पहली बार वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करने की अनुमति देकर कानून में महत्वपूर्ण सुधार नाम बदलकर एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास अधिनियम, 2024 करने का प्रस्ताव है। कई विपक्षी दलों ने केंद्र पर हितधारकों के साथ पर्याप्त परामर्श किए बिना विधेयक पेश करने का आरोप लगाया है, उनका दावा है कि यह मुस्लिम समुदाय के धार्मिक अधिकारों का अतिक्रमण करता है। जबकि गृह मंत्री ने इसे शीतकालीन सत्र में पास कराने की घोषणा की है ।अखिलेश यादव, केसी वेणुगोपाल और असदुद्दीन ओवैसी समेत पूरे विपक्षी दलों ने इस बिल का विरोध किया था और सरकार की नीयत पर सवाल उठाए थे । जेडी यू और टीडीपी ने इसका समर्थन किया। बिल के बारे में बताते हुए संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने तिरुचिरापल्ली के तिरुचेंथुरई गांव की कहानी बताई। हिंदू आबादी वाले 1500 साल पुराने इस गांव को ही वक्फ संपत्ति घोषित कर दिया था। इसकी जानकारी जब ग्रामीणों को हुई तो वे हैरत में पड़ गए। उन्हें समझ में नहीं आया कि उनकी हजारों साल पुरानी पैतृक संपत्ति वक्फ की प्रॉपर्टी कैसे बन गई। वक्फ बोर्ड के पास जमीन से जुड़ा सबूत नहीं था मगर गांव पर उसका मालिकाना हक था।

हेमंत सरकार से विकास व सुरक्षा की उम्मीद नहीं : तोखन साहू

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। केंद्रीय शहरी व आवास राज्य मंत्री तोखन साहू मंगलवार को चंदवा प्रखंड के भूषाड़ व चंदवा में दो स्थानों में सभा कर भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री राज्य की हेमंत सोरेन के साथ महागठबंधन पर जमकर निशाना साधा। राज्य हित में हेमंत सरकार को हटाकर राजग की सरकार बनाने की अपील की। केंद्रीय मंत्री की पहली सभा भूषाड़ में हुई। वहां ग्रामीणों ने पारंपरिक रीति रिवाज के साथ केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्तमान में जो सरकार झारखंड में है, उनसे न तो विकास की उम्मीद की जा सकती है और न ही लोगों की सुरक्षा की उम्मीद की जा सकती है। झारखंड को अलग राज्य का दर्जा देने का काम भाजपा ने किया था। इसलिए इस राज्य को विकास के शिखर पर ले जाने का काम भी भाजपा ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार से जनता को किसी प्रकार की कोई उम्मीद नहीं है। क्योंकि यह सरकार खुद ही एक सबसे बड़ी समस्या है। इसलिए झारखंड की समस्या से निजात दिलाने के लिए झारखंड में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव जीतने के लिए सभी कार्यकर्ता ठीक उसी प्रकार सक्रिय हो जाएं, जिस प्रकार किसान अपने खेतों में अन्न उपजाने के लिए कड़ी मेहनत करता है। 13 नवंबर को भाजपा प्रत्याशी प्रकाश राम के पक्ष में मतदान करने की आह्वान किया। मंडल अध्यक्ष अमित गुप्ता ने कहा कि प्रचंड बहुमत के साथ प्रकाश राम को जिताना है। क्षेत्र में रुके हुए विकास **शेष पेज 11 पर**

छठ महापर्व : नहाय खाय के साथ पर्व की शुरूआत, खरना आज

नवीन मेल संवाददाता

नीलांबर पीतांबरपुर। प्रखंड क्षेत्र में लोक आस्था का महापर्व छठ नहाय खाय के साथ विधिवत रूप से शुरू हो गया है। इस पर्व की शुरूआत मंगलवार को पवित्र स्नान और विशेष प्रसाद के साथ हुई। व्रतियों ने अरवा चावल, चना दाल, कद्दू की सब्जी और आंवले की चटनी का भोग लगाकर प्रसाद ग्रहण किया। बुधवार को खरना के साथ व्रत का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू होगा, जो गुरुवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने तक जारी रहेगा। शुक्रवार, 8 नवंबर की सुबह उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ इस चार दिवसीय पर्व का समापन होगा। पर्व को लेकर घाटों को सजाया गया है और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा गया है।

छठ पूजा का महत्व : छठ व्रत को एक कठिन तपस्या माना जाता है, जिसमें महिलाएं और कुछ पुरुष व्रती शामिल होते हैं। इस पर्व के दौरान घरों में शुद्धता और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाता है। व्रत के समय प्याज और लहसुन का प्रयोग वर्जित होता है। धार्मिक मान्यता है कि छठी मैया की पूजा से संतान से जुड़ी सभी समस्याएं दूर होती हैं और सूर्य देव की कृपा मिलती है। छठ महापर्व की शुरूआत श्रद्धा, आस्था और पवित्रता के साथ हो चुकी है, जो परिवार की सुख-समृद्धि और संतान सुख के लिए विशेष रूप से मनाया जाता है।

छठ व्रतियों की सुविधाओं को लेकर तत्पर है स्वयंसेवी संगठन

हैदरनगर बाजार क्षेत्र का मुख्य छठ घाट दक्षिण सदाबह के तट पर है। कई स्तरों के सहयोग से दोनों बगल पक्का घाट की सफाई और आसपास कच्चे भाग का समतलीकरण कर दिया गया है। अब तक यहां खासकर महिला श्रद्धालुओं के लिये स्नानागार, शौचालय की स्थायी व्यवस्था नहीं है। पानी, पूजन सामग्री, दूध से लेकर आम की लकड़ी तक स्वयंसेवी संगठनों के युवा सदस्यों की तत्परता से मुहैया व्रतियों को कराई जाती है। बताया गया कि इस वर्ष इस नदी में आठ वर्ष के बाद पानी का ठहराव देख गया है। पिछले कई वर्षों से इस नदी व घाट परिसर में मलमूत्रों की साफ सफाई के अलावा नदी के बेड लेबल की सफाई व चूना का छिड़काव करने के बाद सदैव कई पंपसेटों से जल भंडारण कर श्रद्धालुओं की सेवा में सौंपने का काम सन 1986 से सक्रिय विजेता क्लब व जगराता क्लब करती रही है। संगठन शहर के सभी गली मुहल्लों में पथों की सफाई व पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था के अलावा संध्या गंगा आरती, नानाप्रकार के देवों की झांकियां में नदी में स्थपित करते हैं। विडंबना तो यह है कि इस सरोवर को स्वच्छ रखने में किसी भी स्तर पर कोई पहल नहीं की गई है। इस नदी में सालों भर विभिन्न स्थानों से गंदा पानी का प्रवाह होना चिंता का विषय है। इसकी अलग निकासी का रास्ता नहीं बनाया गया। साथ ही इस घाट पर स्वच्छ पेयजल या कोई बोरिंग की व्यवस्था नहीं है। इसके अलावा सटे बभंडी, कुकही स्थित नदी के तट पर ही घाट के अलावा विभिन्न गांवों के समीपवर्ती आहर, पोखर के अलावे उत्तर कोयल मुख्य नहर के किनारे कई स्थानों पर छठ व्रत आयोजन की तैयारी स्थानीय युवा संगठनों ने पूरी की है।

आस्था का महापर्व छठ व्रत शुरू

हैदरनगर प्रखंड क्षेत्र में नहाय खाय के साथ मंगलवार को पहले दिन व्रतधारी महिला पुरुषों ने छठ महापर्व की शुरूआत किया है। विशेष रुप से हिन्दू समुदाय का यह चार दिवसीय व्रत सूर्यदेव की माता छठी मैया को व्रती समर्पित करते हैं। छठ पूजा की शुरूआत कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को नहाय-खाय की परंपरा से होती है, जो लगातार चार दिनों तक चलता है। दूसरे दिन बुधवार को खरना व तीसरे दिन गुरुवार को कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को डूबते सूर्य को व्रतधारी अर्घ्य देने के साथ ही घाटों पर पूजा हवन करेंगे। चौथे दिन सप्तमी तिथि शुक्रवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ पर्व का संपन्न होगा। व्रतियों के अनुसार नहाय खाय के दिन स्नान व कद्दू, भात भोजन करने का विधान है। दूसरे दिन खरना के दिन महिलाएं नये मिट्टी के चूल्हे पर खीर बनाने के बाद उसे भोग के रुप में छठी मैया को अर्पित किया जाता है। इस दिन पूजा के बाद विशेष व्रत की शुरूआत होती है। तीसरे दिन व्रतधारी निर्जला उपवास रखकर डूबते सूर्य को अर्घ्य देते हैं।

छठ व्रतियों ने नहाय खाय के साथ ही छठ गीत गाकर माहौल को भक्तिमय बनाया

हुसैनाबाद पलामू जिले के हुसैनाबाद अनुमंडल के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में मंगलवार को नहाय खाये के साथ छठ महापर्व की शुरूआत हो गई है। महिलाएं सुबह से ही परंपरागत तरीके से स्नान कर भोजन ग्रहण की। इसमें लौकी की सब्जी व अरवा चावल का भात बनाकर खाया। इसे लेकर बाजारों में भी सब्जी दुकानों पर लौकी की बिक्री जोरों पर थी। छठ व्रतियों ने नहाय खाय के साथ ही छठ गीत गाकर माहौल को भक्तिमय बना दिया है। सभी क्षेत्रों में छठ गीतों की आवाज से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया है। बाजारों में भी खरीदारी को लेकर महिलाओं की काफी भीड़ देखी गई। हुसैनाबाद के शहरी क्षेत्रों में छठ पर्व के लिए सभी छठ घाट सज कर तैयार हैं। साफ-सफाई से लेकर रोशनी तक की चकाचक व्यवस्था है। प्रशासन और नागरिक तालमेल के साथ काम करें, तो उसका क्या परिणाम निकलेगा, यह शहर के ग्रामीण घाटों पर दिख रहा है। लोक आस्था व प्रकृति पूजा का महापर्व को लेकर शहर की सभी प्रमुख छठ घाट चकाचक सज-धजकर छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए तैयार है। गुरुवार को अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को पहला अर्घ्य दिया जाएगा। अर्घ्य देने के लिए प्रशासन, आम लोग और सामाजिक संस्थाओं ने मिल-जुलकर साफ- सफाई, रोशनी आदि की व्यवस्था कर दी है। जिन तालाबों में पानी की कमी थी वहां पानी भर दिया गया है। जहां पानी ज्यादा है वहां बैरिकेडिंग व सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। वहीं गईता पोखरा, जमुहारी माई छठ घाट, जपला छठपोखरा छठ घाट हैं, जहां पर लोगों ने अपने स्तर से भी घाटों को सजाया है। प्रशासन द्वारा भी एक दो घाटों पर गोताखोर आदि की व्यवस्था की गई है। नगर पंचायत हुसैनाबाद द्वारा भी सभी घाटों की सफाई की गई हैं।

न्यूज बॉक्स

छठ महापर्व को लेकर घाट का कराया गया सफाई

नावाबाजार पलामू । लोक आस्था का पर्व छठ महापर्व को लेकर तुकबेरा युवा जागृति संघ के द्वारा बिसाहू सिंह छठ घाट की साफ सफाई कराया गया। साथ हीं छठ घाट की रंगा रोगन भी कराया गया। वहीं छठ व्रतियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इधर युवा जागृति संघ के द्वारा छठ महापर्व के अवसर पर 7 नवंबर गुरुवार की रात्रि में भव्य भक्ति जागरण का आयोजन होगा। संघ के द्वारा सुप्रसिद्ध गायक एसकेडी राज, मंटु राजा, निरंजन पलामूआ, विक्की पलामू, सुप्रसिद्ध गायिका निशा गुप्ता को आमंत्रित किया गया है। आयोजन को सफल बनाने को ले छठ पूजा समिति के अध्यक्ष सूरज चंद्रवंशी, कोषाध्यक्ष जज सिंह, सचिव विक्की कुमार, सदस्य विकास लाल यादव, विकास चंद्रवंशी, बिक्रमा यादव, शंभू मेहता, नंदू सिंह ,लखन, सतेंद्र, कमलेश शर्मा समेत पुजा समिति लोग शामिल थे।

भाजपा प्रत्याशी ने महुडंड पंचायत का किया दौरा

हुसैनाबाद। हरिहरगंज विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कमलेश कुमार सिंह ने मंगलवार को हुसैनाबाद के सुदूरवर्ती जंगलों पहाड़ों से घिरे महुडंड पंचायत का दौरा किया। ग्रामीणों ने फूल माला देकर उनका स्वागत किया। कमलेश कुमार सिंह ने कहा कि पिछले चुनाव में उन्होंने जो वादा किया था, उसे पूरा करने का काम किया है। महुडंड रोड का निर्माण कराने के साथ साथ विभिन्न गांवों में विधायक कोटा की राशि से विकास के कार्य किए गए है। महुडंड की जनता की मांग पर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थापित करने का काम किया है। साथ ही विभिन्न गांव में सामुदायिक भवन निर्माण की स्वीकृति दिलाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि इस बार झारखंड में भाजपा की सरकार बनना तय है। सरकार बनने के साथ ही जपला को जिला बनना भी तय है। उन्होंने कहा कि जिला बनने के बाद रोजगार की अपार संभावनाओं के साथ साथ हर क्षेत्र में विकास होगा। उन्होंने कहा कि वह जो वादा करते हैं उसे पूरा करने का काम भी करते हैं। उन्होंने कहा कि महुडंड में स्वास्थ्य सेवा के लिए यहां अस्पताल की स्वीकृति दिला कर स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराने का काम करेंगे।

सनातन के कार्य के लिए जीवन समर्पितः गुरु पांडेय

नीलांबर पीतांबरपुर। राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी के मुख्य संरक्षक अर्जुन पांडेय उर्फ. गुरु पांडेय ने कहा कि सनातन धर्म के कार्य के लिए उनका यह जीवन समर्पित है। वह पूरे युवा वाहिनी टीम के साथ तन मन धन से सनातन का कार्य कर रहे हैं। वह लेस्लीगंज में झारखंड सशस्त्र पुलिस मुख्यालय के बगल में स्थित को ठाकुरबाड़ी प्रांगण में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कई मंदिर समितियों ने बहुत दिन से मंदिर के प्रांगण में आने का आमंत्रण दिया था। इस कड़ी में वह सर्वप्रथम ठाकुरबाड़ी मंदिर में राम दरबार का दर्शन पूजन किये। उन्होंने इस मंदिर परिसर के विकास में मंदिर निर्माण समिति के स्तर से मिले प्रस्ताव पर सहयोग भी देने की बात कही। इससे पूर्व मंदिर समिति और सनातन धर्म सभा केंद्रीय समिति की ओर से अर्जुन पांडेय उर्फ गुरु पांडेय को फूल माला, पगड़ी और तलवार देकर सम्मानित किया। इसके बाद गुरू पांडेय के नेतृत्व में सनातनियों की टीम ने महावीर मंदिर ,थानेश्वर महादेव , काली मंदिर, जगतपुरवा शिव मंदिर में भी पूजा अर्चना की। पांकी के बसडीहा स्थित निमाणाधींन सूर्य मंदिर में गुरु पांडेय ने सहयोग देकर इस मंदिर की भव्यता बढ़ाने का संकल्प दोहराया। पांकी मुख्यालय स्थित श्री राम जानकी मंदिर के निर्माणधीन परिसर और अम्बाबार में मंदिर प्रांगण में वहां के लोगों ने गरू पांडेय का स्वागत किया। तरहसी के बेदानी में भी गुरू पांडेय का लोगों ने स्वागत किया। कार्यक्रम में सनातन धर्म सभा के केंद्रीय अध्यक्ष अजीत तिवारी, उपाध्यक्ष राम प्रकाश तिवारी ,सचिव अवध किशोर राय ,संरक्षक मुनीन्द्र नाथ दुबे, रामनिहोर गिरी, बलकेश पासवान, दिलीप तिवारी, राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी झारखंड प्रदेश के संरक्षक बलराम पांडेय, रामसरेख पांडेय, राजकुमार दुबे, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप दुबे, अनिल दुबे, सचिव आशुतोष पांडेय लक्की, कोषाध्यक्ष राकेश पांडेय, सह कोषाध्यक्ष सुनील पांडेय, कार्यालय प्रभारी चंद्रशेखर पांडेय, राजीव रंजन पांडेय, संजय पांडेय, वीरमणि तिवारी, विक्रांत त्रिपाठी, कृष्ण कन्हैया दुबे, अमित पांडेय, हिमांशु पांडेय, चन्दन तिवारी, दिलीप तिवारी समेत अन्य उपस्थित थे।

एक नजर

सड़क दुर्घटना में चार घायल

छतरपुर। छतरपुर सड़मा कॉलेज मोड़ के निकट एचपी पेट्रोल पंप के सामने फोर लेन सड़क पर रोड क्रॉस करने के दौरान दो मोटरसाइकिल की आपस में टक्कर हो जाने से दो महिला दो पुरुष सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार दोनों बाइक एक दूसरे के विपरीत दिशा से गुजरने के कारण आपस में टक्कर हो गई। दोनों मोटरसाइकिल पर एक एक महिला सवार थी। चारों घायलों को बेहोशी की हालत में ग्रामीणों ने छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल भर्ती कराया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद बेहतर इलाज के लिए मेदिनीनगर एमएमसीएच रेफर कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि दो घायल कुंडली ग्राम के व दो नवाबाजार के रहने वाले हैं। घायलों में बबलू सिंह,उमेश सिंहव दो महिला हैं। ग्रामीणों ने बताया कि अब तक इस क्रॉसिंग पर एक दर्जन लोगों की जाने जा चुकी है।

80 प्लस व दिव्यांग मतदाताओं ने घरों पर बैलेट पेपर से किया मतदान

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। विस चुनाव को लेकर प्रखंड में 80 प्लस व दिव्यांग मतदाताओं के घरों में पहुंचकर बैलेट पेपर से मतदान कराने का काम मंगलवार को पूरा कर लिया गया। जिला मुख्यालय से पहुंची टीम ने स्थानीय पंचायत सचिवों सह सुपरवाइजर व बीएलओ के सहयोग से जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त के निदेर्शानुसार सहायक निवार्ची पदाधिकारी सह बीडीओ व सीओ रणवीर कुमार के मार्गदर्शन में इस दायित्व को निभाया गया। अंतिम दिन मोहम्मदगंज के 5 व कादलकुर्मी के एक मतदाता ने बैलेट पेपर पर मुहर लगाकर मतपेटी में मतदान किया। इससे पहले रविवार व सोमवार को 6 पंचायतों के कुल 18 ऐसे मतदाताओं ने मतदान किया था। बताया गया कि इस प्रखंड के कुल 8 पंचायतों में ऐसे 26 मतदाताओं की पहचान की गई थी। इस मतदान प्रक्रिया को सफल बनाने में सभी संबंधित बीएलओ व प्रतिनियुक्त सुपरवाइजर प्रभारी कृषि व खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी नौशाद आलम, प्रभारी कल्याण पदाधिकारी विवेकानंद पटेल, बीपीआरओ अविनाश कुमार के अलावा पंचायत सचिव छोटू जौहरी, राजकुमार, सुरेश कुमार सिंह और रामदेनी सिंह शामिल थे।

देसी कट्टा के साथ तीन अपराधी गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

छतरपुर। पुलिस ने अवैध देसी कट्टा के साथ तीन युवकों को मंगलवार को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी छतरपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अवध कुमार यादव ने अपने कार्यालय में दी। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर सोमवार की रात 10:30 बजे छतरपुर जपला रोड के उटवा ढोंढा के समीप वाहन चेकिंग लगाया गया था। इस दौरान ब्लू रंग का मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवकों से चेकिंग के दौरान एक देसी कट्टा, तीन जिंदा गोली व दो मोबाइल बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस की चेकिंग देखकर तीनों युवक भागने लगे। तीनों को स्थानीय पुलिस

बल ने दौड़कर पकड़ लिया। चेकिंग के दौरान युवकों के पास हथियार बरामद किया गया। गिरफ्तार तीनों युवक निरंजन सिंह, मुन्ना सिंह, उपेंद्र सिंह ग्राम पिण्डरही थाना छतरपुर के रहने वाले हैं। प्रेस कांफ्रेंस के मौके पर छतरपुर इंस्पेक्टर द्वारिका राम के साथ छापेमारी दल में छतरपुर थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद, एएसआई राहुल कुमार, राजीव कुमार, मिथिलेश कुमार यादव समेत सशस्त्र बल के कई जवान शामिल थे।

ऑपरेशन सतर्क के तहत देशी शराब के साथ एक गिरफ्तार

हुसैनाबाद आरपीएफ जपला पोस्ट के निरीक्षक प्रभारी राजेश कुमार मीना के निर्देश पर चला जा रहे सतर्क ऑपरेशन के तहत 100 पीस टनाका देशी शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरपीएफ इंस्पेक्टर ने बताया कि जपला पोस्ट के उप-निरीक्षक कार्तिक बिंझा के साथ सउनि जितेन्द्र प्रताप यादव, प्रधान आरक्षी सुधीर कुल्लू ने डाउन पैसेंजर से उंटारी रोड स्टेशन पहुंचकर एसीपी व अपराधी गतिविधि की रोकथाम के लिए गश्त व अपराधिक गातिविधि का निगरानी किया। अप प्लेटफार्म नंबर 2 पर पहुंचने पर गाड़ी को चेक करते हुए कोच के शौचालय के पास एक व्यक्ति काला बैग लेकर संदिग्ध अवस्था में खड़ा पाया गया। पुलिस को देखकर वह घबराने लगा और इधर-उधर जाने का प्रयास करने लगा। उसकी घबराहट का कारण पूछा गया, तो उसने बताया कि उसके बैग में शराब है। जिसे वह अवैध रूप से बिक्री करने के लिए बिहार ले जा रहा हैं। उसने अपना नाम विकास कुमार बताया। उसने बताया कि वह ग्राम केशव मार्केट,भुइयां टोला, बारुण, औरंगाबाद (बिहार) का निवासी है। विकास कुमार को जपला रेलवे स्टेशन पर उतारा गया व उसके बैग को चेक करने पर 100 बोतल टनाका ब्रांड देशी शराब, जिसकी कीमत 5500 रुपए बताया गया तत्काल ही हिरासत में लेकर डालटनगंज रेल न्यायालय भेज दिया गया।

जनहित

भीमचूल्हा पर्यटक स्थल पर सौर ऊर्जा से जलापूर्ति सुविधा उपलब्ध

गर्मी में फूल-पौधों व घास के सूखने की समस्या का हुआ समाधान

स्थापित होंगे सौंदर्यीकरण व विकास के और कई आयाम

4 जुलाई को पर्यटन विशेषज्ञ सुशील द्विवेदी ने ऐतिहासिक भीमचूल्हा पर्यटन स्थल का मुआयना किया था। इस दौरान उन्होंने यहां पर्यटन विकास की असीम संभावना को देखते हुए इस स्थल के चारों तरफ सोलर लाइट, हाईमास्ट लाइट,चबूतरा, कोयल किनारे सेफ्टी रेलिंग, नाला पर ढलाई, 4 सीटर चेयर शेड (गजीबोज), सीसीटीवी कैमरा, सुलभ शौचालय, ठंढा पेयजल, गार्ड रुम सहित फुल-पौधों व घास को गर्मी में भी हराभरा रखने के लिए सोलर एनर्जी चालित जलापूर्ति सुविधा उपलब्ध कराने की बात कही थी। इनमें से ही एक जलापूर्ति व्यवस्था को स्थापित करने काम लगभग पूरा कर दिया गया है।

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। गर्मी के मौसम में पानी की कमी से फूल पौधों व घास के सूख जाने की समस्या से जुझ रहे पर्यटक स्थल भीमचूल्हा में सौर ऊर्जा से जलापूर्ति की सुविधा उपलब्ध करा दी गई। प्रहरी सह पुजारी गंगा तिवारी ने इस संबंध में बताया कि सौर ऊर्जा चालित जलापूर्ति व्यस्था के तहत विवाह मंडप भवन पर 1-1 हजार लीटर क्षमता की दो अलग-अलग टंकियां और सोलर प्लेट स्थापित करने के साथ ही नल कनेक्शन दे दिया गया है। हालांकि इससे फुल-पौधों और घास के पटवन के निमित्त पूरे पार्क एरिया में पाइपलाइन बिछाने का काम अभी पूरा नहीं किया जा सका है। मगर इसके भी पूजा की छुट्टियों के बाद पूरा करने की बात कही गई है। वैसे, नल कनेक्शन से ही फिलहाल फुल-पौधों और घास को प्लास्टिक पाइप के माध्यम से सिंचित किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि जिला पर्यटन विभाग की ओर से संबंधित अधिकारी के निर्देशानुसार सौर ऊर्जा चालित जलापूर्ति की सुविधा उपलब्ध कराने का काम किया गया है। बता दें कि करीब 40 लाख की लागत से ऐतिहासिक भीमचूल्हा को पर्यटन के दृष्टिकोण से विकसित किया गया है। इसमें पार्क, वाच टावर, माता कुंती सहित पांच पांडवों की आदमकद प्रतिमाएं, विशालकाय शिलाखंड को गजराज का रूप देने, चूल्हा नुमा तीन शिलाओं पर कड़ाही चढाने, पांडवों, घोड़ों के पदचिन्हों को संरक्षित करने व शिव मंदिर सहित अन्य देव स्थलों के सौंदर्यीकरण का काम किया गया था। मगर इन सब के बावजूद पार्क की हरियाली को बनाए रखने के लिए जलापूर्ति व्यस्था नहीं हो सकी थी। जो अब इस पर्यटक स्थल की स्थापना के चौथे साल में पूरी हो गई है।

9 माह से दलित बहुल रामनगर का सोलर जलापूर्ति ठप

चापानल से भी निकल रहा गंदा पानी

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। दलित बहुल रामनगर में करीब 9 माह से चार पांच साल पहले लगाए गए हर घर नल के साथ ही जलमीनार से जलापूर्ति ठप हो गई है। बताया गया कि तेज आंधी में जलमीनार के सोलर प्लेट के उड़ जाने के बाद उसे फिर से लगाया भी नहीं जा सका है। जबकि हर घर नल-जल योजना सफल साबित नहीं हो सकी। ऐसी स्थिति में इस ग्रामीणों और आंगनबाड़ी केंद्र को सहज रूप में पानी उपलब्ध नहीं हो पा रही है। बताया गया कि इस गांव की आबादी करीब 250 से अधिक की है, जो मात्र दो चापानल पर निर्भर है। इनमें से एक चापानल से लौह अयस्क युक्त पानी निकलता है, जो काफी चलाने के बाद साफ

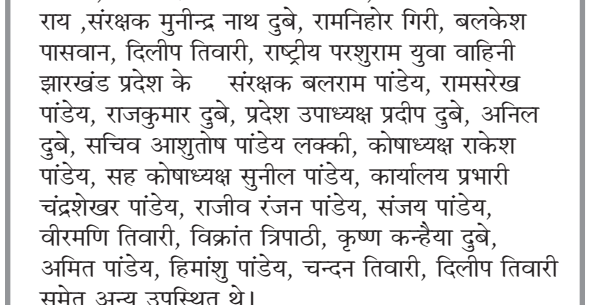

हो पाती है। ग्रामीण बताते हैं कि इसके अंदर लोहा पाइप गिर गई थी। जिसे आग्रह के बाद भी नहीं निकाला गया। उसी पाइप में लग रही जंग पानी के साथ बाहर निकलती है। इस प्रकार सोलर जलमीनार योजना और हर घर नल-जल योजना मात्र दिखावा बन कर रह गई। इसे ठीक करने के प्रति उदासीनता बरती जा रही है।

नहाय खाय के साथ महापर्व की शुरूआत, खरना आज

छठ पूजा की तैयारी: नहाय खाय के साथ शुरू हुआ महापर्व, खरना के लिए सामग्री की खरीदारी जारी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को नहाय खाय के साथ महापर्व छठ पूजा की शुरूआत हो गई। मंगलवार को व्रतियों ने जलाशयों में स्नान कर भगवान भास्कर की आराधना की। छठ के पहले दिन नहाय खाय की परंपरा होती है, जिसमें सुबह स्नान करने के बाद व्रती सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं। यह पर्व नहाय खाय के साथ शुरू होकर उषा अर्घ्य के साथ समाप्त होता है।

छठ पूजा के इन चार दिनों तक व्रत से जुड़े कई नियमों का पालन किया जाता है। व्रतियों ने बताया कि मंगलवार को कद्दू भात के बाद खरना है, और गुरुवार को पहले अर्घ्य का आयोजन होगा, जबकि चौथे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ महापर्व का समापन होगा।

महाप्रसाद का वितरण : नहाय खाय के साथ ही छठ महापर्व का अनुष्ठान शुरू हो गया है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में व्रतियों ने कोयल और अमानत सहित छोटी नदियों व पोखरों में स्नान कर अर्घ्य देते हुए नजर आए। नहाय खाय के बाद, व्रतियों ने सूर्य भगवान का जलाभिषेक किया और इसके बाद अरवा चावल, चने की दाल, और कद्दू की सब्जी का महाप्रसाद तैयार किया। इस महाप्रसाद को पहले सूर्य देवता को अर्पित किया गया, और फिर व्रतियों ने इसे ग्रहण किया। इसके बाद, सभी को महाप्रसाद का वितरण किया गया।

खरना की सामग्री की खरीदारी : छठ व्रतियों ने सोमवार तक सूप, दउरा आदि वस्तुओं की खरीदारी कर ली थी। मंगलवार को खरना के लिए पूजन सामग्री, गुड़, अरवा चावल, और फल इत्यादि की खरीदारी की गई। खीर बनाने के लिए गुड़ की कीमत 50 से लेकर 80 रुपये तक रही। सेव की पेटी 500 से 900 रुपये तक उपलब्ध है, जबकि अनानास की कीमत 100 से 120 रुपये प्रति जोड़ा है। केला की कांदी 350 से लेकर 600 रुपये तक बिकी।

संस्कृति से जुड़ने की मिसाल : पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने की छठ महापर्व

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जैसे-जैसे लोग ऊंचे पदों पर पहुंचते हैं, वे अक्सर अपनी संस्कृति और परंपराओं से दूर हो जाते हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो अपनी जड़ों से जुड़े रहकर समाज में प्रेरणा का स्रोत बनते हैं। इसी तरह की एक मिसाल पेश की है पलामू जिले की पुलिस अधीक्षक (एसपी) रीष्मा रमेशन ने, जिन्होंने पूरे समर्पण के साथ अपने आवास पर छठ महापर्व की शुरूआत की। एसपी रीष्मा रमेशन और उनके पति, एसीबी एसपी अंजनी अंजान ने छठ पूजा का पहला दिन नहाय खाय विधि-विधान से श्रद्धा और विश्वास के साथ किया। उन्होंने सूर्य भगवान की पूजा करते हुए इस महापर्व की शुरूआत की, जो चार दिनों तक चलता है और विशेष श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाता है। रीष्मा रमेशन ने इस अवसर पर छठ पर्व के महत्व और इसकी परंपराओं का सम्मान करते हुए सभी आवश्यक रीति-रिवाजों का पालन किया। यह देखकर समाज को यह संदेश मिलता है कि चाहे व्यक्ति किसी भी उच्च पद पर क्यों न हो, अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़कर, उसे आगे बढ़ाना संभव है। रीष्मा रमेशन ने न केवल अपने कर्म से इसे सिद्ध किया, बल्कि एक मिसाल भी कायम की कि आधुनिकता के साथ परंपरा और संस्कृति का संतुलन कैसे बनाए रखा जा सकता है।

छठ घाटों पर तैयारियां पूरी, पंपू कल घाट पर अस्थाई पहुंच मार्ग बना

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। छठ महापर्व के अवसर पर लगभग सभी घाटों पर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। व्रतियों और श्रद्धालुओं के लिए साफ-सफाई, चेंजिंग रूम, लाइट और अन्य सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है।

इस वर्ष अधिक वर्षा के कारण पंपु कल छठ घाट पर कई स्थानों पर पानी जमा हो गया था, जिससे लोगों को घाट तक पहुंचने में कठिनाई हो सकती थी। इस समस्या का समाधान करते हुए पंपु कल छठ घाट पर अस्थाई पहुंच मार्ग का निर्माण किया गया है। इस मार्ग में बांस और प्लाई का प्रयोग कर रास्ता बनाया गया है, जिससे व्रतियों और श्रद्धालुओं को घाट पर पहुंचने में सुविधा होगी।

छठ महापर्व पर विशेष पार्किंग व्यवस्था, बड़ी-छोटी गाड़ियों के लिए अलग-अलग स्थान निर्धारित

मेदिनीनगर। छठ महापर्व के मद्देनजर जिला प्रशासन ने शहर में आने वाली बड़ी और छोटी गाड़ियों के लिए अलग-अलग स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था की है। गढ़वा से आने वाली गाड़ियाँ चैनपुर थाना अंतर्गत मगरदाहा घाटी के पास पार्क की जाएंगी, जबकि रांची से आने वाली गाड़ियों का पार्किंग स्थल चियाकी रजवाडीह मोड़ के पास निर्धारित किया गया है। पांकी से आने वाली गाड़ियाँ रजवाडीह चियाकी बाईपास के पास और बिहार के औरंगाबाद की ओर से आने वाली गाड़ियाँ पाटन मोड़ के पास रुकेंगी। कोयल नदी छठ घाट पर निजी वाहनों से आने वाले छठ व्रतियों के लिए शिवाजी मैदान और सदीक चौक के पास पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। वहीं, सिंगरा अमानत नदी की ओर जाने वाले छठ व्रतियों के वाहनों के लिए अमानत नदी के बाईं ओर पार्किंग व्यवस्था की गई है।

वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट ने छठ व्रतियों के बीच किया पूजन सामग्री का वितरण

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सामाजिक कार्यों में सक्रिय संस्था, वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट ने छठ महापर्व के अवसर पर व्रतियों के बीच पूजन सामग्री का वितरण किया। इस अभियान की शुरूआत हर साल नहाय खाय के दिन होती है और छठ घाट पर व्रतियों के दउरा में पूजन सामग्री डालकर इसका समापन होता है। इस महाअभियान को जनसहयोग से बड़ी सफलता मिलती है, जिसकी वजह से आयोजन की सराहना भी की जा रही है। वरदान टीम द्वारा उपलब्ध कराई गई पूजन सामग्री से व्रतियों को आधे से अधिक आवश्यक सामग्री प्राप्त हो जाती है, जिससे उन्हें कम खर्च में ही पूजा संपन्न करने का अवसर मिलता है। दूर-दराज के क्षेत्रों जैसे मोहम्मद गंज, सलतुआ, रामगढ़, नगर, रेहला, भूसही, लहसुनिया, चांदो, और केचकी से भी लोग इस आयोजन में शामिल होते हैं।

संस्था की सचिव शर्मिला शुमि ने सभी छठ व्रतियों से इस अभियान को आशीर्वाद देने की अपील की, ताकि आने वाले वर्षों में भी इस आयोजन को और भव्य रूप से आयोजित किया जा सके। इस अवसर पर राखी सोनी, विवेक वर्मा, जूनियर जंक्शन की निदेशिका रूपा सिंह, लक्ष्य श्रेष्ठ, ज्योति भाटिया, नटखट स्कूल के रामाकांत पांडेय, सुनील पांडेय, और सौभाग्य सृजन भी उपस्थित रहे। इन सभी ने वितरण कार्य में अपना पूरा सहयोग दिया।

छठ व्रतियों के बीच ईख वितरण करना सौभाग्य : प्रयाग

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पोखराहा खुर्द के युवा समाजसेवी प्रयाग राज चंद्रवंशी ने छठ व्रतियों के बीच ईख वितरण को अपने लिए सौभाग्य बताया। उन्होंने कहा कि वे पिछले चौदह वर्षों से निःशुल्क ईख का वितरण कर रहे हैं और छठ माता की कृपा से जब तक जीवन है, यह सेवा जारी रखेंगे।

इस अवसर पर पूर्व वार्ड पार्षद नीरा देवी ने बताया कि प्रयाग द्वारा लगातार ईख का निःशुल्क वितरण किया जा रहा है। समाजसेवी राजू तिर्की ने भी कहा कि प्रयाग जी का यह कार्य बहुत पुनीत है।

प्रयाग द्वारा ईख का वितरण मेदिनीनगर नगर निगम के सभी वार्डों में किया जाता है। इस वर्ष लगभग तीन दर्जन वाहनों के माध्यम से निगम के सभी वार्डों में ईख वितरित की गई। मंगलवार को ईख वितरण की शुरूआत पोखराहा खुर्द से की गई। इस मौके पर श्यामदेव मेहता, रिंकू मेहता, अनिल चंद्रवंशी, पवन वर्मा, रंजीत चंद्रवंशी, राधे जायसवाल, यशवंत मेहता, पंचम चंद्रवंशी समेत कई लोग उपस्थित थे।

पलामू में भाजपा ने संकल्प पत्र पर की प्रेस वार्ता, विकास योजनाओं की दी जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। स्थानीय गीता भवन में मंगलवार को पलामू भाजपा की ओर से संकल्प पत्र पर एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 के लिए पार्टी द्वारा प्रस्तावित विकास योजनाओं को साझा किया गया। पलामू सांसद वीडी राम ने बताया कि झारखंड के 25वें स्थापना वर्ष पर पार्टी ने 25 संकल्प लिए हैं और पलामू जिले के लिए चार प्रमुख मुद्दों पर विशेष ध्यान रखा गया है।

सांसद वीडी राम ने बताया कि यदि राज्य में भाजपा सरकार बनती है, तो महिलाओं के लिए 'गोगो दीदी योजना' के तहत हर महिला को 2100 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे। 'लक्ष्मी जोहार योजना' के अंतर्गत सभी परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर तथा साल में दो मुफ्त गैस सिलेंडर दिए जाएंगे। इसके साथ ही, 2,87,500 सरकारी भर्तियों के साथ 5 लाख स्वरोजगार के अवसर उत्पन्न किए जाएंगे। बीएड की फीस को निःशुल्क किया जाएगा, और विस्थापन को रोकने हेतु पुनर्वास आयोग का गठन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, गरीब और पिछड़े तबके की लड़कियों को ₹फूलो-झानो योजना₹ के तहत केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा की सुविधा दी जाएगी। भाजपा ने ओबीसी के लिए 27% आरक्षण और अन्य योजनाओं का भी ऐलान किया है।

पलामू जिले की समस्याओं पर ध्यान देते हुए सांसद वीडी राम ने कहा कि क्षेत्र में पानी और रोजगार की चुनौतियों को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने मंडल डैम के निर्माण कार्य में तेजी लाने की बात कही ताकि पलामू क्षेत्र में पानी की समस्या का समाधान हो सके। जपला में बंद पड़ी सीमेंट फैक्ट्री की जगह नई औद्योगिक इकाई स्थापित कर रोजगार बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। भवनाथपुर में सेल द्वारा संचालित बंद चूना पत्थर खनन भूमि पर नया पावर प्लांट स्थापित करने की योजना है। इसके अलावा, स्वतंत्रता संग्राम के नायकों के सम्मान में भव्य स्मारक और म्यूजियम का निर्माण किया जाएगा। बीजेपी के इस संकल्प पत्र में पलामू क्षेत्र के युवाओं के लिए रोजगार, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और आदिवासी अस्मिता के सम्मान से जुड़े कई अन्य मुद्दों को भी प्राथमिकता दी गई है।

इस प्रेस वार्ता में पलामू जिला अध्यक्ष अमित तिवारी, उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, पलामू सांसद वीडी राम तथा पलामू जिला महामंत्री ज्योति पांडे उपस्थित थे।

हिमंता बिस्वा सरमा के बयान पर जेएमएम का विरोध, सार्वजनिक माफी की मांग

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के युवा नेता अभिषेक सिंह ने असम के मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता हिमंता बिस्वा सरमा के हालिया बयान की कड़ी निंदा की है। अभिषेक सिंह ने इसे झारखंड की महिलाओं और राज्य की अस्मिता का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि कल्पना सोरेन केवल एक नाम नहीं हैं; वे झारखंड की संस्कृति, संघर्ष और गौरव का प्रतीक हैं। उनका जीवन महिला सशक्तिकरण और समानता के विचारों का प्रतिनिधित्व करता है, जिससे वे समाज में प्रेरणास्रोत बन चुकी हैं।

अभिषेक सिंह ने कहा कि कल्पना सोरेन झारखंड के उन आदिवासी मूल्यों का प्रतिनिधित्व करती हैं जो समानता और सम्मान पर आधारित हैं। झारखंड की मातृशक्ति ने हमेशा समाज में महिलाओं के लिए नई राहें बनाई हैं, और कल्पना सोरेन का योगदान महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में मिसाल बना है। उनके कार्यों ने झारखंड की कई महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी है।

हिमंता बिस्वा सरमा के बयान को लेकर अभिषेक सिंह ने कहा कि यह न केवल महिला विरोधी है बल्कि झारखंड की सभी महिलाओं के योगदान का भी अपमान है। ऐसे अपमानजनक और असंवेदनशील बयान राजनीति में स्वीकार्य नहीं हैं। एक मुख्यमंत्री से इस तरह के बयान की अपेक्षा नहीं की जाती, जो महिलाओं को नीचा दिखाता हो। भाजपा के इस रवैये से यह स्पष्ट होता है कि उनकी विचारधारा में महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता का अभाव है। जेएमएम ने हिमंता बिस्वा सरमा से सार्वजनिक माफी की मांग की है। अभिषेक सिंह ने कहा कि यदि माफी नहीं मांगी गई, तो यह भाजपा के महिला विरोधी रवैये को उजागर करेगा।

छठ व्रतियों के लिए सुखी आम की लकड़ी का वितरण

मेदिनीनगर। छठ महापर्व के अवसर पर टीटीई ऑर्गेनाइजेशन एवं ईसीआरएमसी शाखा, डालटनगंज द्वारा छठ व्रतियों के लिए सुखी आम की लकड़ी का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम टीओपी-2 थाना के पास माता कमला देवी चिल्ड्रन शेड में सुबह 8 बजे आयोजित किया गया। टीटीई ऑर्गेनाइजेशन के मंडल उपाध्यक्ष एवं ईसीआरएमसी के संयुक्त महासचिव बी.एम. पांडे ने कहा, रेल सेवा के साथ समाज सेवा आत्म-संतोष का स्रोत है। सुखी आम की लकड़ी का वितरण कर रेलवे परिवार और शहरवासियों को लाभ पहुंचाया गया है। यह कार्य संगठन पिछले कई वर्षों से कर रहा है। शाखा सचिव संजय पासवान ने कहा, ऐसे सामाजिक कार्य समाज में सद्भाव और समरसता को बढ़ावा देते हैं। इस आयोजन में ओंकार सिंह, मनीष मिश्रा, मनीकांत तिवारी, विरेंद्र चौधरी, लाल बाबू रजक सहित कई पदाधिकारी और गणमान्य लोग शामिल हुए, जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया।

मध्यदेशीय वैश्य हलवाई समाज ने चलाया मतदाता जागरूकता अभियान

मेदिनीनगर। मध्यदेशीय वैश्य हलवाई समाज द्वारा पलामू जिले के विभिन्न प्रखंडों में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का नेतृत्व समाज के प्रदेश प्रवक्ता विनय कुमार बिनु कर रहे हैं, जिसमें अलग-अलग टीम बनाकर समाज के सदस्यों को मतदान के प्रति जागरूक किया जा रहा है। विनय कुमार बिनु ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए हर नागरिक को अपने घर और प्रतिष्ठान से बाहर निकलकर मतदान करना चाहिए। उन्होंने ₹पहले मतदान, फिर जलपान₹ के संकल्प के साथ समाज के लोगों से अपील की कि वे स्वयं और अपने आस-पास के लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें। अभियान में समाज के अन्य प्रमुख सदस्य, जैसे सुनील कुमार गुप्ता, सुशील कुमार गुप्ता, शिवकेश्वर कुमार गुप्ता, राजकिशोर प्रसाद, अमर कुमार गुप्ता, संजय प्रसाद, जयप्रकाश प्रसाद, अनिल प्रसाद, संतोष कुमार गुप्ता, और शंकर प्रसाद भी शामिल थे, जिन्होंने अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

पुराना वीडियो वायरल कर मतदाताओं को दिग्भ्रमित करने की कोशिश

चैनपुर। थाना के रामपुर गांव के बादल सिंह और गोलू सिंह पर आरोप है कि उन्होंने अपने ही गांव के सरयू चौधरी के साथ मारपीट कर कांग्रेस प्रत्याशी के एन त्रिपाठी के लिए मतदान करने का एक वीडियो प्रसारित किया है। जैसे ही इस मामले की सूचना पलामू पुलिस को मिली, उन्होंने इसका सत्यापन किया। सत्यापन में यह पाया गया कि यह वीडियो वास्तव में वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव का है, जिसे वर्तमान विधानसभा चुनाव 2024 में मतदाताओं को भ्रमित करने के उद्देश्य से वायरल किया गया है। इस संदर्भ में पलामू पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि इस प्रकार के वीडियो या समाचार को व्हाट्सएप, फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर वायरल न करें। यदि कोई भी व्यक्ति इस तरह के वीडियो या सूचना को वायरल करता है, तो उसके खिलाफ विधिवत कार्रवाई की जाएगी।

85 वर्ष से अधिक उम्र और दिव्यांग मतदाताओं के लिए 'वोट फ्रॉम होम' सुविधा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के पांचों विधानसभा सीटों के लिए 3 नवंबर से 'वोट फ्रॉम होम' सुविधा शुरू कर दी गई है। इसके तहत 85 वर्ष से अधिक उम्र वाले और दिव्यांग मतदाता घर से ही मतदान कर रहे हैं। जिले के कुल 1230 मतदाताओं को उनके घर पर ही मतदान की सुविधा दी जा रही है। 3 और 4 नवंबर को जिले के पांचों विधानसभा क्षेत्रों में कुल 486 मतदाताओं ने अपने घर पर ही मतदान किया। पोलिंग टीम ने पूरे दल-बल के साथ उनके घर पहुंचकर मतदान करवाया। 3 नवंबर को 238 और 4 नवंबर को 248 मतदाताओं ने घर बैठे अपने मताधिकार का प्रयोग किया। बीते रविवार और सोमवार को पांकी विधानसभा में 68, डालटनगंज में 90, विश्रामपुर में 100, छतरपुर में 32 और हुसैनाबाद विधानसभा में 26 बुजुर्ग मतदाताओं ने मतदान किया। वहीं, पांकी विधानसभा में 13, डालटनगंज में 66, विश्रामपुर में 31, छतरपुर में 16 और हुसैनाबाद में 44 दिव्यांग मतदाताओं ने घर बैठे वोट दिया।

जो मतदाता चलने-फिरने में असमर्थ हैं और पोलिंग बूथ तक नहीं जा सकते, उनके लिए यह सुविधा दी गई है। यह अभियान 3 से 11 नवंबर तक चलेगा।

नैक टीम ने किया एलिट बी.एड. कॉलेज का भौतिक सत्यापन

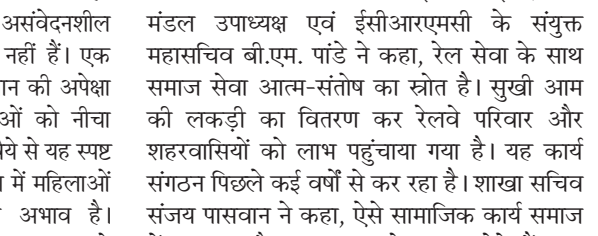

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के चियांकी स्थित एलिट पब्लिक बी.एड. कॉलेज का राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) की टीम ने निरीक्षण किया। टीम में प्रो. पुष्पानंदम करणम (अध्यक्ष), प्रो. बी. आर. कुकरेती (समन्वयक), और उत्तर प्रदेश से डॉ. पवन मांडवकर शामिल थे। सोमवार सुबह पहुंचने पर टीम ने आई.क्यू.ए.सी. समन्वयक के साथ बैठक कर कॉलेज का निर्धारित मानकों के अनुसार भौतिक सत्यापन किया। निरीक्षण के बाद बी.एड. छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी अवलोकन किया गया, जिसमें झारखंड की सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। मंगलवार को टीम ने शेष निरीक्षण कर शिक्षकों, छात्रों, लैब असिस्टेंट और नॉन-टीचिंग स्टाफ से मुलाकात की। मूल्यांकन के आधार पर टीम ने अपनी रिपोर्ट नैक को भेज दी है। कॉलेज के चेयरमैन डॉ. आर. पी. सिन्हा ने नैक मूल्यांकन प्रक्रिया में कुशलता से सहयोग करने के लिए प्राचार्य डॉ. जगदम्बा सिंह और पूरे स्टाफ को बधाई दी।

एक नजर

सड़क हादसे में किसान की मौत

रमना। प्रखंड के मूर्ति टोला 55 वर्षीय निवासी कलिंदर प्रजापति का निधन रांची रिम्स इलाज के दौरान हो गया। बताया जाता है कि 30 अक्टूबर को कलिंदर प्रजापति 6 बजे शाम रमना बाजार से मूर्ति टोला अपने घर की ओर जा रहे थे। इस बीच ग्राम टंडवा निवासी राम बदन साह के पुत्र ने उन्हें मोटरसाइकिल से अनियंत्रित होकर पीछे से धक्का मार दिया। स्थानीय लोगों ने कलिंदर प्रजापति को सरकारी अस्पताल भर्ती में कराया। वहां से उन्हें गढ़वा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। गढ़वा अस्पताल से भी मेदिनीनगर एमएमसीएच रेफर कर दिया। वहां से भी रांची रिम्स रेफर कर दिया गया। रांची से शव आने के बाद मंगलवार को उनका अंतिम संस्कार किया गया।

सेवामुक्त चौकीदार का ईलाज के अभाव में मौत

रमना। रमना पंचायत के रामगढ़ निवासी और मड़वनिया पंचायत के 45वर्षीय चौकीदार नंदेश्वर राम (भिरगु) कि मृत्यु ईलाज के क्रम में वंशीधरनगर अनुमंडलीय अस्पताल में हो गयी। जानकारी के अनुसार नंदेश्वर राम 2008 से ही चौकीदारी कर रहे थे। 2010 में चौकीदार के पद पर बहाल हुए थे। इसके बाद उच्च न्यायालय का हवाला देकर वर्ष 2016 में चौकीदारों को सेवामुक्त कर दिया गया था। इससे मृतक कुछ वर्षो तक जैसे-तैसे जिंदगी कि गाड़ी चलती रही। नौकरी के लिए न्यायालय के चक्कर लगाते-लगाते सारा जमा पूंजी खत्म हो गया। पिछले वर्षो से आर्थिक तंगी और मानसिक तनाव से ग्रसित थे। उनकी मौत की सूचना सुन कर ग्रामीण और पंचायत प्रतिनिधियों में विरंची पासवान रमुना मुखियापती, जसवंत पासवान गम्हरिया मुखिया पति, गोपाल राम सेवानिवृत सैनिक, मुन्ना राम, धर्मेंद्र पासवान, मंतोष पासवान, भोला चौकीदार शोकाकुल परिजनों को मिल कर ढाढसा बंधाया।

नहाय खाय के साथ लोक आस्था का महापर्व छठ शुरू

खरना आज, तैयारी पूरी

खरना के बाद छठ पर्व का 36 घंटे का निर्जला उपवास होगा शुरू

नवीन मेल संवाददाता

केतार। सूर्य उपासना का चार दिवसीय छठ महापर्व मंगलवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। छठ महापर्व के पहले दिन छठ व्रतियों ने नदी में स्नान कर पवित्रता का ख्याल रखते हुए पीतल,कांस और फुल के बर्तन में आम की लकड़ी पर अरवा चावल,चना का दाल, कद्दू की सब्जी बनाकर प्रसाद के रूप में ग्रहण किया। छठ व्रती बुधवार को खरना उपवास रखेंगे। पूरे दिन उपवास रखने के बाद शाम में खीर का प्रसाद बनाकर भगवान आदित्य को अर्पित करेंगे। इसके बाद छठ व्रती प्रसाद ग्रहण कर उपवास तोड़ेंगे। खरना के बाद छठ पर्व का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो जायेगा। पूरे दिन उपवास रखकर गुरुवार की शाम छठ व्रती मुकुंदपुर के नारायण वन, अमराहीदह, बत्तो कला सूर्य मंदिर सहित विभिन्न गांवों के पंडा व सोन नदी किनारे बने छठ घाटों पर पहुंचकर विधि-विधान से पूजन कर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर पूरी रात सपरिवार नारायण वन में रहकर छठ व्रत पूरा करेंगे। शुक्रवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के बाद 36 घंटे का निर्जला उपवास समाप्त होगा। छठ पर्व को लेकर मुकुंदपुर के नारायण वन की रौनक बढ़ गई है। मंदिर विकास समिति के अध्यक्ष योगेंद्र सिंह के निगरानी में 21 एकड़ में फैले नारायण को सजाया जा रहा है। नारायण वन में झारखंड के अलावा पड़ोसी राज्य बिहार, उत्तर प्रदेश,मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल से भारी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। ऐसे में छठ व्रतियों के लिए सूर्य मंदिर परिसर में स्नानगृह, पेयजल, लाईट, चेजींग रूम, शौचालय, मेडिकल कैंप, सुरक्षा, वाहनों के लिए पार्किंग व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम किया गया है। वहीं मेला परिसर को भी सजाया गया है। नारायण वन छठ घाट पर छठ महापर्व सफलता पूर्वक संपन्न कराने के लिए थाना प्रभारी अरूण कुमार रवानी, प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रशांत कुमार प्रतिदिन निरीक्षण कर विधि व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं।

छठ गीतों से भक्तिमय हुआ वातावरण

दीपावली पूजा संपन्न होने के साथ ही छठ व्रतियों के घरों में पारंपरिक छठ गीत गुंजने लगें है। कांच ही बांस के बहगिंया... मारबो रे सुगवा धनुष से... जैसे छठ गीत व्रतियों के साथ अन्य लोगों के जुबान पर है। छठ पूजा को लेकर केतार प्रखंड के सभी गांवों में उत्साह देखा जा रहा है। खासकर मुकुंदपुर, सिंहपुर,ताली, मायर,बेलाबार सहित अन्य गांवों में छठ पूजा करने के लिए दूसरे प्रदेशों से अतिथियों का आगमन होना शुरू हो गया है।

व्रतियों ने की छठ पर्व की शुरूआत

खरौंधी नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय छठ पर्व मंगलवार से शुरू हो गया। बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश में मनाएं जाने वाले इस महापर्व में श्रद्धालु सूर्य देवता और छठी मंइया की पूजा कर व्रत रखते हैं। पहले दिन नहाय-खाय के साथ व्रती शुद्ध होकर विशेष भोजन ग्रहण करते हैं, जिससे व्रत की पवित्रता की शुरूआत होती है। दूसरे दिन खरना पर गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद बनाकर इसे ग्रहण करने के बाद 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत शुरू होता है। इसके बाद संध्या और सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर पर्व का समापन होता है।

पूजन सामग्री और सुप,डउरा से सजा बाजार, श्रद्धालुओं की भारी भीड़

छठ पर्व के आगमन के साथ ही खरौंधी के बाजारों में रौनक देखी जा रही है। बाजार में फल-फूल, नारियल, गन्ना, सिंघाड़ा, हल्दी, अदरक, धूप-दीप और प्रसाद की अन्य सामग्रियों की खरीदारी करने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। व्रत के दौरान इस्तेमाल होने वाले सूप और डउरा का भी विशेष महत्व है। इसलिए दुकानदारों ने इन्हें भी विशेष रूप से सजाकर रखा है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी पूजन सामग्री एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गई है। चार दिनों तक चलने वाले इस पवित्र पर्व के दौरान भक्त सूर्य देवता से स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि की कामना करेंगे। घाटों पर साफ-सफाई और सजावट की विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि व्रतधारियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

भानू ने जनसंपर्क अभियान चलाया

खरौंधी झारखंड विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा विधायक भानू प्रताप शाही ने मंगलवार को गढ़वा जिले के खरौंधी प्रखंड क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान और जन आशीर्वाद यात्रा का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने प्रखंड के विभिन्न गांवों में जाकर लोगों से मुलाकात की। भानू ने सरहिया, कोशलिबार, बैतरी, नावाडीह, और बाजरमरवा जैसे गांवों का दौरा किया। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा किए गए क्षेत्र में पिछले कार्यों और विकास योजनाओं को देखते हुए उन्हें इस बार भी समर्थन दिया जाना चाहिए, ताकि वे प्रखंड के अधूरे कार्यों को पूरा कर सकें। साथ ही क्षेत्र के विकास में योगदान दे सकें।

एसडीपीओ ने किया बंशीधर सूर्य मंदिर का निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। छठ महापर्व को लेकर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सतेंद्र नारायण सिंह ने मंगलवार को विश्व विख्यात बंशीधर सूर्य मंदिर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में एसडीपीओ सतेंद्र नारायण सिंह ने थाना प्रभारी आदित्य नायक को सुरक्षा को लेकर प्रयाप्त मात्रा में महिला और पुरुष जवान लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने बाकि नदी तट पर अवस्थित सूर्य मंदिर के अंदर आने जाने वाले मार्ग का जायजा लिया। इस दौरान किसी छठव्रती को किसी प्रकार परेशानी नहीं हो इसके लिए आवश्यक निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व पर सभी छठ घाट पर महिला और पुरुष पुलिस बल का व्यवस्था रहेगा। इस पर्व में अशांति फैलाने वाले पर भी पुलिस का पैनी नजर रहेगा। उन्होंने कहा कि छठ पर्व को लेकर निर्धारित समय तक बड़े वाहनों का परिचालन बंद रहेगा। निरीक्षण के दौरान पुलिस इंस्पेक्टर रतन कुमार सिंह, थाना प्रभारी आदित्य नायक उपस्थित थे।

अधिकारियों ने किया नारायण वन छठ घाट का निरीक्षण किया

केतार प्रखंड के सुप्रसिद्ध नारायण वन छठ घाट पर चल रही तैयारियों का मंगलवार की शाम एसडीपीओ सतेन्द्र नारायण सिंह, पुलिस इंस्पेक्टर गुलाब सिंह ने निरीक्षण कर विधि-व्यवस्था का जायजा लिया। इस क्रम में एसडीपीओ सतेन्द्र नारायण सिंह, पुलिस इंस्पेक्टर गुलाब सिंह और थाना प्रभारी अरूण कुमार रवानी ने छठ व्रतियों के स्नान के लिए स्नानगृह, चेंजिंग रूम, साफ-सफाई, पेयजल, लाइटिंग व्यवस्था, वाहनों के लिए पार्किंग व्यवस्था और सुरक्षा के मद्देनजर लगे सीसीटीवी कैमरे का जांच किया। उन्होंने मंदिर विकास समिति के सदस्यों के साथ बैठक कर निर्देश दिया। एसडीपीओ ने कहा की छठ पूजा के दिन सुरक्षा व्यवस्था का चाक-चौबंद व्यवस्था रहेगा। उन्होंने मंदिर कमेटी को स्थानीय स्वयंसेवी संगठनों को आई कार्ड उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। मौके पर मंदिर विकास समिति अध्यक्ष योगेंद्र सिंह, अजय वर्मा, राम प्रसाद कमलापुरी, रविकांत चंद्रवंशी,रिशु सिंह, सुनील चौबे, शिव प्रसाद, पप्पू कुमार, सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पोस्टल बैलेट से 16 मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया

11 वरिष्ठ मतदाता व 5 दिव्यांग ने घर पर मतदान किया

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। विधानसभा चुनाव के लिए पोस्टल बैलेट से 81 भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र में मंगलवार को तीसरे दिन 16 मतदाताओं द्वारा बैलेट पेपर से अपना मतदान डाकमत पत्र के माध्यम से अपने घर पर मतदान किया। एक मतदाता रामाधार राउत की मृत्यु हो गई है, जिस कारण उनका मतदान नहीं हो सका। चितविश्राम पंचायत, हुलहुला खुर्द पंचायत, बिलासपुर पंचायत, नरही पंचायत, नगर पंचायत श्री बंशीधर नगर के मतदाताओं द्वारा 85 वर्ष से ऊपर के वरिष्ठ मतदाता और दिव्यांग ने पोस्टल बैलट के माध्यम से अपना वोट डाला। इस बार विधानसभा चुनाव में 85 वर्ष से ऊपर के वरिष्ठ तथा 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग मतदाताओं के लिए घर पर ही पोस्टल बैलेट से वोट डालने की सुविधा दिया गया है। पोस्टल बैलेट से तीसरे दिन वरिष्ठ मतदाता बैठना देवी, देवपति देवी, फुलकुंवर देवी, नेपुरी देवी, भूल साह, हितन शाह, जसमतिया देवी, कालूजन बेबी, विंध्याचल देवी, सोमरी देवी, बेचू राम तथा दिव्यांग मतदाताओं में राधेश्याम पांडेय,रघु चौधरी, मनोज उरांव, बबीता कुमारी,अनिल गोस्वामी ने अपना वोट डाला। 16 मतदाताओं में 11 वरिष्ठ मतदाता तथा 5 दिव्यांग मतदाता ने अपने घर पर बैलेट पेपर से मतदान किया। डाकमत पत्र के माध्यम से मतदान कराने के लिए तीन टीम लगी थी। मौके पर प्रथम मतदान अधिकारी, द्वितीय मतदान अधिकारी, माइक्रो आब्जर्वर तथा पुलिस प्रशासन शामिल थे।

झामुमो कार्यकर्ताओं ने चलाया डोर टू डोर कैंपेन

डंडई प्रखंड क्षेत्र में मंगलवार को झामुमो कार्यकर्ताओं ने डोर टू डोर कैंपेन चलाया। प्रखंड क्षेत्र के सोनेहारा, तसरार, अपराठ सहित अन्य गांवों में दूसरे दल को छोड़कर कई लोग झामुमो में शामिल हुए। पार्टी में शामिल हुए सभी लोगों को पार्टी का पट्टा पहनाकर उन्हें झाममो में शामिल कराया। चुनावी कैंपेन में नकछेदी राम, सनी कुमार, मनीष ठाकुर ,चंद्रशेखर प्रसाद, दीनानाथ पांडे, सकलदीप पासवान, उर्मिला देवी ,सुमन देवी, नंदू यादव, आफताब आलम,मनीरुउद्दीन अंसारी, अनिल प्रसाद, महेंद्र गुप्ता सहित अन्य शामिल थे।

कार्रवाई

अवैध रूप से देसी बंदूक और कारतूस छिपाकर रखने की गुप्त सूचना पर

पुलिस ने हथियार के साथ एक युवक को किया गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। थाना क्षेत्र अरसली दक्षिणी के लेवानगर टोला में पुलिस ने सोमवार की रात छापेमारी कर रूपनारायण भुइयां के घर से अवैध देसी बंदूक और कारतूस बरामद करते हुए रूपनारायण भुइयां को गिरफ्तार कर लिया। यह जानकारी पुलिस निरीक्षक गुलाब सिंह ने मंगलवार को थाना परिसर में पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि थाना क्षेत्र के अरसली दक्षिणी के लेवानगर टोला में गांव के लोगों के बीच अपना वर्चस्व बनाए रखने के उद्देश्य से टोला के एक घर में अवैध रूप से देसी बंदूक और कारतूस छुपा कर रखे जाने की गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर थाना प्रभारी रजनी रंजन के नेतृत्व में एक टीम गठित कर लेवानगर टोला के उस घर में सर्च अभियान के दौरान पुलिस को एक 12 बोर का सिंगल बैरल देसी बंदूक, बारह बोर का 3 जिंदा कारतूस व 3 खाली खोखा को बरामद कर अभियुक्त रूपनारायण भुइयां पिता स्व. बुधु भुइयां को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में गढ़वा जेल भेज दिया गया। मौके पर एसआई प्रदीप कुमार, दिनेश कुमार सिंह, हवलदार सुभाष पूर्ति, पुटूल कुमार, संजय कुमार तिवारी मौजूद थे।

विदेशी शराब के साथ तीन गिरफ्तार

श्री बंशीधर नगर नगर उंटारी पुलिस को बड़े पैमाने पर अवैध तरीके से बिहार जा रहे शराब जब्त करने में बड़ी सफलता हासिल किया है। एसडीपीओ सतेंद्र नारायण सिंह के नेतृत्व में स्थानीय पुलिस ने सीमावर्ती बिलासपुर चेक पोस्ट पर चेकिंग अभियान के दौरान स्कॉर्पियो में लदे बड़े पैमाने पर शराब जब्त किया है। साथ ही संलिप्त तीन लोगों को गिरफ्तार कर गढ़वा जेल भेज दिया। स्थानीय थाना में जानकारी देते हुए एसडीपीओ सतेंद्र नारायण सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश की ओर से अवैध शराब लाए जाने की सूचना पर बिलासपुर में चेकिंग अभियान लगाया गया। उन्होंने बताया कि चेकिंग अभियान के दौरान स्कॉर्पियो पर सवार दो लोग भागने का प्रयास किए, लेकिन पुलिस जवानों ने उन लोगों को पकड़ लिया। अवैध रूप से शराब के साथ पकड़े गए लोगों ने बताया कि एक संगठित गिरोह है, जिसके द्वारा शराब लाने के लिए किसी वाहन को मोडिफाई कर सीट के नीचे कंटेनर बना कर शराब बिहार ले जाते हैं। जब्त शराब में आफ्टर डार्क ब्लू का 180 एमएल का 450 पीस तथा ऑफिसर च्वाइस का 180 एमएल का 610 पीस शामिल है। गिरफ्तार आरोपी बिहार के छपरा जिला के सोनपुर निवासी पवन कुमार, रजनीश कुमार ठाकुर, कुणाल कुमार का नाम शामिल है।छापेमारी अभियान में थाना प्रभारी आदित्य नायक, अवर निरीक्षक संदीप कुमार रवि, अनुज कुमार सिंह, पुलिस जवान नितेश श्रीवास्तव, निकेतन कुमार का नाम शामिल है। प्रेस वार्ता में पुलिस इंस्पेक्टर रतन कुमार सिंह,थाना प्रभारी आदित्य नायक उपस्थित थे।

छठ घाट के लिए 12 मजिस्ट्रेट प्रतिनियुक्त

केतार। अंचलाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रशांत कुमार ने मुकुन्दपुर के नारायण वन छठ घाट के लिए 12 कर्मियों को मजिस्ट्रेट के रूप में प्रतिनियुक्त किया है। इसमें दोपहर 7 नवंबर को 2 बजे से रात्रि 9 बजे तक के लिए पंकज कुमार, दीपक जायसवाल, रामकुमार प्रजापति, धिरेन्द्र विश्वकर्मा, सत्यम पासवान , दिनेश कुमार को प्रतिनियुक्त किया है। रात्रि 9 बजे से सुबह 8 बजे तक के लिए कनीय अभियंता राजीव कुमार, जितेन्द्र रजक, विनय कुमार, पंकज कुमार, सुधांशु यादव, छोटन पासवान को प्रतिनियुक्त किया है। बीडीओ ने सभी प्रतिनियुक्त कर्मियों को थाना प्रभारी से समन्वयक स्थापित कर विधि व्यवस्था संधारित करने का निर्देश दिया है।

न्यूज बॉक्स

छठ महापर्व को लेकर जलाशयों की गई सफाई

मेराल। शुद्धता पवित्रता तथा आस्था का महापर्व छठ की शुरूआत मंगलवार को नहाय खाय के साथ हो शुरू हो गया। त्योहार के मद्देनजर श्रद्धालुओं द्वारा जलाशयों के किनारे साफ-सफाई आने-जाने के लिए रास्ते का व्यवस्था,बिजली की सुविधा को दुरुस्त किया गया। छठ करने वालो को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इस वर्ष चुनाव के कारण छठ महाव्रत का माहौल थोड़ा फीका पड़ गया है। पहले छठ आने से एक सप्ताह पूर्व से ही कर्ण प्रिय छठ गीत बजने तथा बाजारों में चहल-पहल होता था, जो इस वर्ष कम देखा जा रहा है। बावजूद इसके शहर से लेकर गांव तक छठ करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या कम नहीं हुई है, बल्कि प्रत्येक वर्ष बढ़ती ही जा रही है। गांव हो या शहर नदी,आहर, तालाब के किनारे छठ घाट की साफ-सफाई कर ली गई है। चुनावी ड्यूटी के बावजूद प्रशासन द्वारा छठ घाटों का निरीक्षण किया जा रहा है, ताकि किसी को असुविधा नहीं हो।

सामाजिक संगठनों ने घाट को सजाया

डंडई। चार दिनों तक संपन्न होने वाला लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा की शुरूआत नहाए खाए के साथ मंगलवार से प्रखंड क्षेत्र में शुरू हो गई है। डंडई के दानरो नदी स्थित पीपल छठ घाट व बगीचा छठ घाट को सामाजिक संस्थाओं द्वारा सजाया गया है। छठ व्रती पीले परिधान में मंगलवार सुबह स्नान ध्यान कर भगवान भास्कर को नमन किया। साथ ही विधि विधान के साथ अपने-अपने प्रसाद के रूप में अरवा चावल से बना भात, कद्दू की सब्जी आदि को ग्रहण किया। पर्व को लेकर फल की दुकानों में मंगलवार के दिन सुबह से शाम तक खरीदारों की भीड़ लगी रही। इस दौरान छठ व्रतियों द्वारा सेव, केला जैसे फलों की ज्यादा मात्रा में खरीदारी की गई। इससे पहले उनके द्वारा महंगे दरों पर सूप और दउरा की खरीदारी हाट से की गई। डंडई के फ्रेंड्स क्लब व जय हिंद क्लब द्वारा दनारो नदी की तल सफाई से लेकर दोनों छठ घाटों का विशेष सौंदर्यीकरण भी किया गया। साथ ही उन्हें बैठने के लिए टेन्ट व रंग बिरंग के बल्ब के साथ स्नानागार व कई झरनों का भी प्रबंध किया गया है।

चुनाव जीतने पर पलायन को रोकेंगे: अंनत प्रताप देव

केतार। भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र के झामुमो के महागठबंधन प्रत्याशी अनंत प्रताप देव ने मंगलवार को केतार प्रखंड के लोहरगाडा, मेरौनी, हुरका, कोसडिहरा, कधवन, खैरवा सहित अन्य गांवों का दौरा कर लोगों से डोर-टू-डोर जाकर जनसंपर्क किया। पूर्व विधायक व झामुमो प्रत्याशी अनंत प्रताप देव ने कहा कि अपने पिछले पांच साल के कार्यकाल में क्षेत्र में समेकित विकास के साथ आम अवाम को मान-सम्मान देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि इस बार क्षेत्र की जनता मौका देगी तो भवनाथपुर में पावर प्लांट का निर्माण कराकर इस क्षेत्र से पलायन को रोकने का काम करेंगे। इस दौरान एक दर्जन लोग भाजपा छोड़कर झामुमो में शामिल हुए। मौके पर कामेश्वर सिंह, शम्भू सिंह,संजय सिंह,संजय वर्मा, दिव्यम शुक्ला, सतेन्द्र गुप्ता, मनोज यादव, छोटन सिंह सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

दो समुदाय के बीच मारपीट के बाद थाना में प्राथमिकी दर्ज

मेराल। थाना क्षेत्र के तरके गांव में सोमवार की शाम जेएमएम के चुनावी सभा के बाद दो समुदाय के युवकों के बीच तू तू मै मैं के बाद हुई मारपीट की घटना को लेकर मेराल थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। तरके गांव निवासी 27 वर्षीय अक्षय कुमार चौधरी पिता कपिल देव चौधरी ने उक्त घटना को लेकर मेराल थाने में प्राथमिकी के लिए आवेदन दिया है। अक्षय द्वारा दिए गए आवेदन के अनुसार सोमवार के शाम मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर का जनसभा गांव में पीपल पेड़ के नीचे आयोजित की गई थी, जिसमें दोनों समुदाय के लोग शामिल थे। जनसभा के उत्तरार्ध में विशेष समुदाय के कुछ युवकों द्वारा अक्षय कुमार के घर में घुसकर मारपीट किया। उक्त घटना में जिन लोगों के साथ मारपीट की गई उनमें अनुराग गुप्ता, अभिषेक कुमार चौधरी, गोविंद कुमार, अरविंद कुमार, फुलवंती देवी का नाम शामिल हैं। मारपीट के मामले 22 लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। उक्त सभी पर मामला दर्ज किया गया है। उपरोक्त घटना को लेकर सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ था। मेराल के अंचल अधिकारी सह एफएसटी यशवंत नायक ने ओखर गाड़ा जनता की आवाज नामक ग्रुप में वीडियो वायरल कर सामाजिक सौहार्द बिगड़ने का प्रयास करने वाले दिलीप नामक व्यक्ति के खिलाफ मेराल थाना में प्राथमिकी के लिए आवेदन दिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को डीएसपी नीरज कुमार, पुलिस निरीक्षक जितेंद्र कुमार आजाद, प्रभारी थाना प्रभारी दीपक कुमार, एसआई प्रेम प्रकाश पांडेय ने पीड़ित परिवार के लोगों समझा बूझकर मामले को शांत करा दिया है। डीएसपी नीरज कुमार ने लोगों को आश्वस्त किया कि मामले का जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि दूसरे पक्ष के लोगों ने भी आवेदन देने की बात कही है।

नहाय-खाय के साथ छठ पर्व शुरू, भक्तिमय माहौल बना

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। छठ महापर्व मंगलवार को नहाय खाय के साथ शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने गारू के विभिन्न घाटों पर पवित्र स्नान कर भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना कर व्रत का संकल्प लिया। इस अवसर पर घाटों पर भारी भीड़ देखी गई। वहां व्रतियों ने स्वच्छता और भक्ति भाव के साथ पूजा की। छठ महापर्व की शुरूआत के पहले दिन नहाय-खाय के अनुष्ठान के तहत व्रतियों ने कद्दू भात का शुद्ध भोजन ग्रहण किया। पूजा के साथ चार दिनों तक चलने वाले छठ पर्व की रस्मों की शुरूआत हो गई है। बुधवार को खरना होगा। व्रती पूरे दिन उपवास रखने के बाद शाम को गुड़ और चावल से बनी खीर और रोटी का प्रसाद ग्रहण करेंगे। इसके बाद दो दिनों तक निर्जला व्रत रख जाएगा। गुरुवार को व्रती संध्या अर्घ्य में डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे और शुक्रवार को प्रातःकाल उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ महापर्व का समापन करेंगे। इस महापर्व के लिए गारू प्रखंड के घाटों पर विशेष व्यवस्था की गई है। स्थानीय प्रशासन और स्वयंसेवकों द्वारा घाटों की सफाई के साथ सुरक्षा का इंतजाम भी किया गया हैं। छठ पूजा में महिलाएं पारंपरिक परिधान पहनकर कर पूजा करती हैं।

छठ महापर्व की महिमा बहुत अद्भुत

महुआडांड़। महुआडांड़ प्रखंड के रामपुर दीपाटोली ,शास्त्री चौक ,चटकपुर सहित पूरे प्रखंड में छठ महापर्व नहाय खाए के साथ शुरू हो गया है। छठ महापर्व की महिमा बहुत अद्भुत है। चार दिवसीय महापर्व की शुरूआत मंगलवार से शुरू हो चुकी है। शुक्रवार को भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ इस महापर्व का समापन हो जाएगा।

धार्मिक मान्यता है कि छठ पूजा में

विधि-विधान पूर्वक भगवान सूर्य देव और छठी मैया की पूजा आराधना करने से हर तरह की मनोकामना पूरी होती है। सनातन धर्म को मानने वाले माता छठी की आराधना के लिए व्रत करते हैं और उनकी विधि-विधान पूर्वक पूजा आराधना करते हैं, लेकिन छठ पूजा में भगवान सूर्य को अर्घ्य देते समय कुछ मंत्रों का जाप करना चाहिए। ऐसा करने से सभी तरह की मनोकामना पूरी होती है।

समाजसेवी व मुखिया ने पंचायत के छठ घाटों का करायी सफाई

गिद्धौर (चतरा)। लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा के शुभ अवसर पर हर वर्ष की की तरह इस वर्ष भी समाजसेवी बसंत सिंह, मंझगावां पंचायत की मुखिया सरिता देवी के प्रयास से मंझगावां पंचायत के लगभग सभी छठ घाटों पर साफ-सफाई कराया गया। सभी छठ घाटों की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए सहयोग राशि भी दी गई। मौके पर अजय कुमार सिंह,निरंजन दुबे, श्रवण कुमार दांगी,धिरेंद्र दांगी, सुशील कुमार दांगी,रविनंदन दांगी,रिशु उपाध्याय,अंकित राणा,ब्रह्मदेव दांगी,मनोज कुमार दांगी,पप्पू कुमार, प्रकाश दांगी,दिगंबर रविदास सहित अन्य उपस्थित थे।

चार दिवसीय आस्था का महापर्व छठ शुरू

बालूमाथ। चार दिवसीय आस्था का महापर्व छठ मंगलवार को नहाय खाय के साथ शुरू हो गया है। बुधवार को खड़ना और गुरुवार को भगवान भास्कर को पहला अर्घ्य व शुक्रवार को दूसरा अर्घ्य दिया जाएगा। छठ पर्व को लेकर प्रखंड से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में भी श्रद्धालुओं में काफी उत्साह और श्रद्धा देखी जा रही है । पवित्रता का यह पर्व की तैयारी श्रद्धालुओं में देखी जा रही है। बाजार में भी पूजा सामग्री फल आदि सजा दी गई है। इस त्यौहार में आस्था रखने वाले विभिन्न सामाजिक संगठन संस्था के साथ सामाजिक कार्यकर्ता भी भाग ले रहे हैं।

बालूमाथ में हिंद भारती स्वयंसेवी संस्था हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सार्वजनिक छठ तालाब में अच्छी व्यवस्था देने के लिए प्रयास हो रहा है। झरिवा टोला बड़का बालूमाथ के साथ शेरगड़ा आरा, मकईयाताड़, जरी ऐसे कई छठ घाट हैं। वहां श्रद्धालु छठ व्रतियों को दिक्कत नहीं हो जिसके लिए छठ घाट की साफ सफाई लाइट आदि की व्यवस्था की जा रही है। पूजा को लेकर बालूमाथ प्रखंड पुलिस प्रशासन काफी सक्रिय है। मंगलवार को अंचलाधिकारी विजय कुमार व प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमा उरांव, बालूमाथ एसडीपीओ बिनोद रवानी, इंस्पेक्टर परमानंद बीरुआ, ग्राम प्रधान भुनेश्वर साहू आदि ने विभिन्न छठ घाट का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया।

पूजा समिति ने किया दोमुहान नदी की सफाई

मनिका। प्रखंड मुख्यालय अंतर्गत दोमुहान नदी मे छठ पूजा को लेकर पूजा समिति द्वारा छठ घाट की साफ-सफाई जोर शोर से चलाया जा रहा है। छठ व्रतियों की सुविधाओं को ध्यान मे रखकर पंडाल आदि बनाया जा रहा है। रास्ते में वाहनों की जाम से छठ व्रतियों को कोई परेशानी नहीं हो इसके लिए वाहनो की पार्किंग को लेकर विशेष व्यवस्था पूजा समिति द्वारा बनाया जा रहा है। दोमुहान शिव मंदिर से लेकर छठ घाट तक लाइटिंग की भी व्यवस्था की गई है। पूजा समिति द्वारा छठ घाट में लोगों से साफ-सफाई का विशेष ध्यान भी देने की अपील की है। मौके पर पूजा समिति से विकास कुमार गुप्ता, मनोज यादव, ईश्वरी प्रसाद, शिवानंद यादव सहित कई लोग उपस्थित थे।

मुखिया व उप मुखिया के पहल पर छठ घाट की सफाई हुई

बारियातू। प्रखंड के टोंटी पंचायत अंतर्गत, टोंटी, पिपराडीह हेसाला, इटके ग्राम के कटहल स्थित छठ घाट का मुखिया शांति देवी व उप मुखिया जितेंद्र साव के पहल पर छठ घाट का साफ-सफाई जेसीबी की माध्यम से किया गया।

उन्होंने बताया कि आस्था का महापर्व छठ पूजा की व्यापक तैयारी शुरू हो गई है। पर्व को लेकर छठ घाटों में साफ-सफाई की जा रही है। छठ घाट का साफ-सफाई छठ व्रतियों की सुविधा के लिए किया जा रहा है। प्रखंड क्षेत्र में पारंपरिक छठ गीतों से वातावरण भक्तिमय हो गया है। मौके पर मनोज भगत, रंजय राम, अमित भगत, करदेव यादव सहित कई समाज सेवी शामिल थे।

गंगा स्नान के साथ व्रतियों ने शुरू किया अनुष्ठान

चतरा। तालाबों, नदी घाटों में छठ व्रतियों ने गंगा स्नान करने के साथ चार दिवसीय आस्था का महापर्व छठ का शुभारंभ मंगलवार से किया। छठ पूजा को लेकर गिद्धौर प्रखंड क्षेत्र के लोटर डेम छठ घाट, सलगा के बेलवा घाट छठ घाट, गांगपुर तालाब, द्वारी, पेक्सा, बारिसाखी, ढडुआ आदि दर्जनों छठ घाट में महिलाओं व व्रतियों ने गंगा स्नान किया। गंगा स्नान करने के बाद भोजन में भात, चने का दाल, लौकी का सब्जी को प्रसाद के रूप में ग्रहण कर पर्व का शुभारंभ किया। ज्ञात हो कि कार्तिक माह शुक्ला पक्ष के चतुर्थी से लोक आस्था और सूर्योपासना का सबसे बड़ा महापर्व रवि षष्ठी व्रत छठ महापर्व प्रारंभ हो गया है। चार दिवसीय इस महापर्व का शुभारंभ नहाय-खाय से किया गया है। बुधवार प्रथम पहर संध्या में खरना होगा। व्रती दिनभर उपवास रख संध्या बेला में भगवान सूर्य नारायण की विधिवत पूजा-अर्चना कर उन्हें खीर का भोग लगाएंगी और पूजा के बाद इस व्रत का निर्जला उपवास प्रारंभ होगा। इस महापर्व में 36 घंटे का अखंड निर्जला उपवास होता है। गुरुवार को अस्ताचलगामी सूर्य नारायण को अर्घ्य अर्पण किए जाएंगे। शुक्रवार को उदयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के साथ ही इस व्रत का पारण के साथ छठ महापर्व संपन्न हो जायेगा।

छठ पूजा समिति करेगा पूजन सामग्रियों का वितरण

मनिका। प्रखंड मुख्यालय समीप ब्लॉक गेट के पास छठ पूजा समिति द्वारा बुधवार को सुबह 11 बजे छठ व्रतियों के बीच निःशुल्क फल दूध व पूजन सामग्रियों का वितरण किया जायेगा। यह जानकारी समिति के सदस्य निक्की ने दी। उन्होंने बताया की प्रत्येक वर्ष छठ पूजा समिति द्वारा छठ व्रतियों के बीच छठ पूजा समिति द्वारा फल, दूध, पूजन सामग्री का वितरण किया जाता रहा है। पूजन सामग्री वितरण के दौरान पूजा समिति से अजय कुमार गुप्ता, रोहित कुमार, पंकज कुमार, संतोष कुमार, उमाशंकर गुप्ता सहित अन्य मौजूद थे।

91 वर्षीय मतदाता ने होम वोटिंग कर लोकतंत्र निर्माण में निभाई सहभागिता

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। विधानसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत निर्वाचन आयोग द्वारा मानदंड का अनुपालन करते हुए लातेहार विधानसभा क्षेत्र में होम वोटिंग सुविधा के तहत लातेहार निवासी 91 वर्षीय वरिष्ठ मतदाता लक्ष्मी नारायण पाठक ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की मौजूदगी में अपने घर पर ही मताधिकार का प्रयोग किया। इस दौरान मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने वृद्धजन को शॉल और फूल माला से सम्मानित किया। इस दौरान जिला जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा सभी से अपील की कि 13 नवंबर को अपने बूथ पर जाकर मतदान अवश्य करें। होम वोटिंग प्रथम चरण 5 से 6 नवंबर तक व द्वितीय चरण 9 से 10 नवंबर तक किया जाना है। होम वोटिंग कराने के लिए प्रतिनियुक्त मतदान कर्मियों, माइक्रो आब्जर्वर, बीएलओ, सेक्टर ऑफिसर व पुलिस पदाधिकारी द्वारा चिन्हित मतदाताओं के घर पर पहुंचकर होम वोटिंग की प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हुई। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए 85 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के बुजुर्ग और 40 प्रतिशत या इससे अधिक दिव्यांगता वाले मतदाताओं को होम वोटिंग की सुविधा दी गई है। इसके तहत पूरे जिले में मतदान अधिकारियों द्वारा चिन्हित बुर्जुग और दिव्यांगजनों का होम वोटिंग कराया जा रहा है। ज्ञात हो कि पूर्व मे कराये गये सर्वे के आधार पर 85 वर्ष से अधिक आयु वर्ग व 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले दिव्यांग मतदाताओं जो बूथ पर जाकर मतदान करने में सक्षम नहीं थे, उनके लिए होम वोटिंग की व्यवस्था की गई है। इसके तहत बुर्जुग और दिव्यांग वोटरों को घर पर ही डाक मतपत्र उपलब्ध कराया जाता है। यहां वह अपने पसंद के उम्मीदवार को वोट दे सकते हैं। इस दौरान चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए चुनाव अधिकारी की टीम, माइक्रो आब्जर्वर, एक वीडियोग्राफर और पुलिस भी मौजूद होते हैं।

ऐसा कोई सगा नहीं, जिसे हेमंत सरकार ने ठगा नहीं : प्रतुल शाहदेव

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। जिला मुख्यालय के थाना चौक स्थित एक निजी होटल में मंगलवार को भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल नाथ शाहदेव ने भाजपा द्वारा जारी संकल्प पत्र के बारे में पत्रकारों को जानकारी दी। उन्होंने राज्य के हेमंत सरकार पर जमकर हमला बोला। संकल्प पत्र के बारे में कहा कि यदि राज्य में भाजपा की सरकार आती है तो 65 हजार पारा शिक्षकों को स्थायीकरण किया जाएगा। महिलाओं को गोगो दीदी योजना के तहत हर माह के 11 तारीख को 21 सौ रुपए बैंक खाते में पहुंच जाएगा। सहारा में

निवेश करने वालों के लोगों के पैसे का सरकार गारंटी लेगी वापस करा देने का। साथ ही पांच सौ रुपए में गैस सिलेंडर दिया जाएगा। इसमें भी दीपावली और रक्षाबंधन पर एक एक सिलेंडर निःशुल्क दिया जाएगा। 5 लाख स्वरोजगार के अवसर देने के साथ ही 2.87 लाख खाली पदों के निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से भरा जाएगा। घर निर्माण करने के लिए मुफ्त बालू उपलब्ध करायी जाएगी। बांग्लादेशियों को चुन चुन को बाहर निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि यह झामुमो का निश्चय पत्र नहीं भाजपा का संकल्प पत्र है, यानि मोदी की गारंटी। उन्होंने कहा कि झामुमो सरकार आने से पहले 2019 में जो उन्होंने अपना निश्चय पत्र जारी किया था उसमें महिलाओं को चूल्हा भत्ता दो हजार रुपए देने, हर वर्ष पांच लाख युवाओं को रोजगार देने, अनुबंध शब्द राज्य से हटा देने की बात कही थी पर यह सभी उनके निश्चय पत्र झूठा साबित हुआ। राज्य में एक कहावत प्रसिद्ध है ऐसा कोई सगा नहीं जिसे हेमंत सरकार ने ठगा नहीं। मौके पर लातेहार भाजपा के जिलाध्यक्ष पंकज सिंह,कल्याणी पांडेय, प्रवक्ता मुकेश पांडेय, महबात आलम, विष्णु गुप्ता, आशा बैग, आनंद सिंह, सोनू सिंह, सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भाजपा नेतृत्व से नाराज कार्यकर्ताओं ने दिया सामूहिक इस्तीफा

महुआडांड़। महुआडांड़ मंडल के भाजपा कार्यकताओं ने मंडल महामंत्री जमुना प्रसाद के नेतृत्व में दर्जनों पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। कार्यकर्ताओं ने नाराजगी का कारण पार्टी के नव नियुक्त महुआडांड़ मंडल अध्यक्ष संजय जायसवाल के अप्रिय रवैये को बताया। पदाधिकारियों का कहना है कि जायसवाल के व्यवहार ने संगठन में एकता बनाए रखने में मुश्किलें खड़ी कर दी हैं, जिससे कार्यकर्ताओं में असंतोष है। लातेहार भाजपा जिलाध्यक्ष पंकज सिंह को सौंपे गए इस सामूहिक इस्तीफे में उल्लेख किया गया कि संजय जायसवाल का रवैया कार्यकताओं के हितों के अनुकूल नहीं है। इस्तीफा देने वालों में मंडल महामंत्री जमुना प्रसाद के अलावा भाजपा जिला पदाधिकारी भानू प्रसाद, मंडल उपाध्यक्ष शत्रुघ्न प्रसाद, कोषाध्यक्ष अजय प्रसाद, मंत्री संदीप कुमार, भाजयुमो जिला मीडिया प्रभारी आलोक कुमार गुप्ता, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष प्रकाश बड़ाईक, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष शकील खान, मीडिया प्रभारी सतीश कुमार, सदस्य बद्री प्रसाद, राकेश कुमार, ब्रज राज किशोर (बंटी) के नाम शामिल हैं।

पुलिस ने चोरी का ट्रैक्टर के साथ तीन को किया गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

गिद्धौर (चतरा)। थाना क्षेत्र के चिरैयां गांव से सोमवार की रात करीब 2 बजे नारायण सिंह भोक्ता के पुत्र मुखलाल भोक्ता के घर के समीप से ट्रैक्टर की चोरी कर अपराधी भाग रहे थे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी गया ट्रैक्टर को जब्त कर लिया।

के अजय राम के पुत्र दीपक कुमार, बुचीदाडी मुहल्ला के कृष्ण रविदास के पुत्र अजय कुमार, डिभा मुहल्ला छठ तलाब निवासी अशोक प्रसाद के पुत्र आकाश कुमार के नाम शामिल है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से एक देशी कट्टा,एक जिंदा गोली, एक मोटरसाइकिल व चोरी गया ट्रैक्टर को जब्त किया गया।

चोरी में संलिप्त तीन अरोपियों की गिरफ्तारी सदर थाना क्षेत्र के कुल्लू मोड के समीप से कर लिया गया। पुलिस ने बताया पुलिस ने चोरों का पीछा कर देसी कट्टा के साथ गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि ट्रैक्टर चोरी के साथ साथ आर्म्स एक्ट के तहत थाना में प्राथमिक की दर्ज कर ली गई है। गिरफ्तार आरोपियों में सदर थाना क्षेत्र के डिभा मोहल्ला गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। छापेमारी दल में सदर थाना प्रभारी विपिन कुमार,पुलिस निरीक्षक पप्पू कुमार, गिद्धौर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता, सदर थाना के पुलिस अवर निरीक्षक राहुल कुमार सिंह, गिद्धौर के पुलिस अवर निरीक्षक सुनील कुमार सिंह, सशस्त्र बल के साथ टाइगर मोबाइल के जवान शामिल थे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारीने विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर मूलभूत सुविधाओं जायजा लिया

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। विधानसभा आम निर्वाचन 2024 को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने लातेहार विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न बूथों का निरीक्षण कर वास्तु स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान लातेहार प्रखंड अंतर्गत बूथ संख्या-182 राजकीयकृत उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय, उदयपुरा (आई एस आर), बूथ संख्या-180 राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय, पकरार (आई एस आर), बूथ संख्या-168 उत्क्रमित उच्च विद्यालय, मुरुप , बूथ संख्या-172 मध्य विद्यालय, नेवाड़ी (आई एस आर) का निरीक्षण कर बूथों पर पेयजल की व्यवस्था, साफ-सफाई, कर्मियों के रहने की व्यवस्था, कुर्सी-टेबल इत्यादि की व्यवस्था का जायजा लेकर निर्देश दिया गया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने बूथों पर मूलभूत सुविधाओं को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश दिया। केंद्र पर पेयजल, शौचालय आदि की समुचित व्यवस्था की जांच करते हुए केंद्र परिसर की साफ-सफाई कराने का संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया गया। इसके अलावे बूथ निरीक्षण के क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने बीएलओ, सुपरवाइजर को निर्देश करते हुए कहा कि शत प्रतिशत मतदान के लिए मतदाताओं की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। ऐसे में अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण कर मतदाताओं को शत प्रतिशत मतदान के लिए जागरूक करें, ताकि ज्यादा से ज्यादा संख्या में मतदाता अपने मत का उपयोग सुनिश्चित कर सकें।

मतदाता जागरूकता अभियान चलाया

कुन्दा (चतरा)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार चतरा सचिव के निर्देशानुसार कुंदा प्रखंड के भौरूडीह गांव में डोर टू डोर जाकर विधिक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान लोगों को वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली विधिक सेवाएं, सरकार द्वारा चलाई जा रही लाभकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने के लिए लोगों को जागरूक किया गया। लोगो को नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में जानकारी दी गई। जागरूकता अभियान के दौरान पीएलवी संजय चौधरी, अजित कुमार व मुन्ना दास समेत कई अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

अनुलग्नक-47
प्रारूप C-1 से C-8 तथा CA
प्रारूप C-1

(अभ्यर्थी के द्वारा समाचार पत्रों में प्रकाशित करने हेतु)

आपराधिक प्रकरणों के संबंध में घोषणा

(2011 की रिट याचिका (सिविल) नंबर 536 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 25 सितंबर, 2018 के निर्णय के अनुसार (पब्लिक इंटरेस्ट फाउंडेशन ऑर्स बनाम भारत संघ एवं एएनआर)

अभ्यर्थी का नाम और पता : **श्री राम सिंह, आबादगंज, सुदना, डालटनगंज पलामू, झारखंड, पिन - 822101**

राजनीतिक दल का नाम (स्वतंत्र अभ्यर्थी यहां 'निर्दलीय' लिखें) : **निर्दलीय**

निर्वाचन का नाम : **विधानसभा निर्वाचन 2024**

निर्वाचन क्षेत्र का नाम : **76, डालटनगंज**

मैं **श्री राम सिंह** (अभ्यर्थी का नाम) उपर्युक्त निर्वाचन के लिए एक अभ्यर्थी, सार्वजनिक जानकारी के लिए अपने आपराधिक पूर्ववृत के संबंध में निम्नलिखित विवरण घोषित करता हूं।

लंबित आपराधिक प्रकरण

क्र.सं.	न्यायालय का नाम	न्यायालय का नामप्रकरण सं. एवं तारीख	प्रकरण की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धारा (ओं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण
क.	संबद्ध पुलिस थाने के नाम पत्ते के साथ प्रथम इत्तिला रिपोर्ट सं.	थाना- मझिआंव जिला- गढ़वा राज्य - झारखंड	मझिआंव थाना कांड संख्या - 164/14	प्राथमिक संख्या 164/14 दिनांक 17/11/2014
ख.	न्यायालय के नाम के साथ मामला संख्या	प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश गढ़वा एस.टी. नं. 200/2019	एस.टी. नं. 200/2019	एस.टी. नं. 200/2019
ग.	अंतर्वलित संबद्ध अधिनियमों/संहिताओं की धाराएं (धारा की सं. दें, अर्थात् भारतीय दंड संहिताए आदि की धारा...)	U/S 147, 148, 149, 341, 323, 337, 338, 353, 37, 338, 371, 511, 188, ढ्ढ.ऋष्ट. ड्डठ्ठस्र 126, 127 ऋक्क ष्ह्ल.	and Section 9 of Bihar Sound Act.	शून्य
घ.	अपराध का संक्षिप्त विवरण	नाजायज मुजमा बनाकर माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन का सभा नहीं होने देना मना करने पर पुलिस का रायफल छिनने तथा इटे एवं पत्थर चलाकर गम्भीर रूप से घायल करना		
ङ.	क्या आरोप विरचित किए गए हैं (हां या नहीं का उल्लेख करें)	हां	शून्य	शून्य
च.	यदि उपर्युक्त मद (ङ) के सामने उत्तर हां है, तो वह तारीख दें. जिसको आरोप विरचित किए गए थे	06/06/2019	शुन्य	शून्य
छ.	क्या कार्यवाहियों के विरुद्ध कोई अपील /पुनरीक्षण के लिए आवेदन फाईल किया गया है (हां या नहीं का उल्लेख करें)	नहीं	नहीं	नहीं

श्री राम सिंह
निर्दलीय (प्रत्याशी)
76, डालटनगंज विधानसभा क्षेत्र

लोहरदगा में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की सभा

झारखंड के विकास के तीन ठोकर झामुमो, राजद और कांग्रेस : राजनाथ सिंह

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

लोहरदगा में एनडीए की आयोजित सभा मे भारत सरकार के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि झारखंड के विकास के तीन ठोकर - झामुमो, राजद और कांग्रेस है। इन तीनों को झारखंड से छुट्टी कर दो। इस राज्य के विकास को दुनिया की कोई ताकत रोक नहीं सकती है। कहा कि झारखंड का, हिंदुस्तान का भविष्य बनाने वाली कोई राजनीतिक पार्टी है तो वो है भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व वाली एनडीए है। भारतीय जनता पार्टी हिंदुस्तान की ऐसी पार्टी है जो कहती है वो करती है। हम कभी भी विश्वास का संकट भारत की राजनीति में पैदा नहीं होने देना चाहते है। यही कारण है कि आज हिंदुस्तान की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा की है। बीजेपी की एनडीए एक शक्तिशाली रॉकेट की तरह है जो झारखंड का विकास को एक नई ऊंचाइयों पर ले जाने का काम करेगी। हवा का रुख ऐसा है कि झारखंड से झामुमो की सरकार जा रही है और यहां पर भाजपा नेतृत्व की एनडीए सरकार आ रही है।

राजनाथ सिंह ने झामुमो पर जमकर निशाना साधा। कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा आदिवासी विरोधी पार्टी है। आदिवासियों के हितैषी नहीं हो सकती है। झारखंड में आदिवासियों की जनसंख्या 52 प्रतिशत से 28 प्रतिशत हो गई है। कहा कि हम ऐसा कानून बनाएंगे कि जिन लोगों ने अवैध कब्जा किया है उनकी जमीन से छुट्टी करेंगे और जमीन अपने आदिवासी भाइयों को वापस कराएंगे। कहा कि हम यहाँ सत्ता परिवर्तन भी करेंगे और व्यवस्था परिवर्तन भी। भाजपा देश की अकेली पार्टी है जो इंसाफ और इंसानियत की राजनीति करती है। झारखंड के विकास के लिए कम से कम दो बार लगातार हमारे एनडीए की सरकार बना दीजिए। कम से कम 10 साल का समय चाहिए तभी हम जाकर कुछ कर पाएंगे। उन्होंने नीरू शांति भगत को बहुत ही विनम्र और शालीन महिला बताया। कहा कि नीरू शांति भगत को भारी मतों से जीत दिलाएं। राजनाथ सिंह ने कहा कि झारखंड से मेरा बहुत ही करीबी रिश्ता है। विगत कुछ वर्षों से जब राष्ट्रीय राजनीति में भूमिका अदा करने का अवसर मिला है यहां आना थोड़ा पहले की अपेक्षा कम हो गया है। मौके पर आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो, केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय राज्य रक्षामंत्री संजय सेठ, प्रत्याशी नीरू शांति भगत, भाजपा जिलाध्यक्ष मनीर उरांव, ओमप्रकाश सिंह, प्रवीण सिंह, आजसू जिलाध्यक्ष ओम भारती, जितेंद्र सिंह, रामलखन प्रसाद, पशुपतिनाथ पारस समेत अन्य मौजूद थे।

झारखंड में आदिवासियों की जनसंख्या 52 प्रतिशत से घटकर 28 प्रतिशत हो गई है।

झारखंड के विकास के लिए कम से कम दो बार लगातार एनडीए की सरकार बना दीजिए।

हवा का रुख बदल रहा है लोग झामुमो छोड़ रहे हैं

लोहरदगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि हवा का रुख आज बदल रहा है। रुख बदलते देख मंडल मुर्मू जो कलतक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नाम का प्रस्तावक थे वो भाजपा में शामिल हो गए है। राजनाथ सिंह ने कहा कि जिंदगी में हमने जो कुछ भी जनता से कहा सच कहा है। हमने कभी झूठ नहीं बोला है। लेकिन यहाँ बहुत सारी राजनीतिक पार्टियां है जिनके नेता झूठ बोलकर जनता को गुमराह करके उनका वोट हासिल करते हैं और सत्ता पर काबिज होते हैं। कांग्रेस के लोगों ने भारत का सोना जो दुनिया के दूसरे देशों के बैंकों में गिरवी रख दिया था। भाजपा सरकार ने लंदन के बैंक से अभी कुछ ही दिनों पहले 120 टन सोना भारत लाई हैं।

झारखंड से मेरा बहुत ही करीबी रिश्ता है।

राजनाथ सिंह

राजनाथ सिंह ने लोहरदगा की जनता से किए कई वादे

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोहरदगा की जनता से कई वादे किए। उन्होंने कहा कि हमारी एनडीए सरकार बनते ही हम समान नागरिक संहिता लागू करेंगे लेकिन आदिवासी भाइयों पर लागू नहीं करेंगे। उससे आदिवासी भाइयों को बाहर रखा जाएगा। छोटे मुकदमे जो अनुसूचित जाति और जनजाति लोगों के ऊपर वन विभाग द्वारा दर्ज कराए गए हैं उसकी जांच कर जो अनावश्यक मुकदमे दर्ज हुए हैं उसकी समीक्षा करके उनको समाप्त करेंगे। गो गो दीदी योजना के माध्यम से हर महीने की 11 तारीख को महिलाओं के खाते में ?2100 पहुंच जाएगा। जो बीए और एमए कर लिए हैं जिनको नौकरी नहीं मिली है उनको कम से कम 2 वर्ष के लिए प्रति महीना 2000 मुहैया कराया जाएगा। हर लड़की को केजी से लेकर ग्रेजुएशन तक कि शिक्षा मुफ्त में दी जाएगी। मातृ सुरक्षा योजना के तहत प्रत्येक गर्भवती महिला को 6 पोषण कीट और साथ ही साथ हर गर्भवती महिला को 21000 रुपए की सहायता प्रदान की जाएगी। वृद्धा, विकलांगता , विधवा पेंशन की राशि को बढाकर 2500 किया जाएगा।

युद्धविराम लगाकर यूक्रेन से भारत आये थे 22 हजार बच्चे

राजनाथ सिंह ने कहा कि आज भारत की ताकत विश्व में बड़ी हो गई है। रूस और यूक्रेन की लड़ाई चल रही थी। दोनो ओर से बम, गोले और मिसाइल चल रही थी। हमारे भारत के बहुत सारे बच्चे यूक्रेन में पढ़ते थे लगभग 30000 से ऊपर। उनके माता-पिता जो भारत में थे वह कहने लगे हैं मोदी जी चाहे जो कुछ भी हो जाए हमारे बच्चों को वापस ले आओ। हमारे प्रधानमंत्री ने टेलीफोन उठाया रूस के राष्ट्रपति मिस्टर पुतिन से बात की यूक्रेन के राष्ट्रपति मिस्टर जेलेस्की से बात की। युद्धविराम लगा और 22000 हमारे भारत के बच्चे वहां से चलकर अपने देश को लौट आये।

नहाय खाय के साथ चार दिवसीय महापर्व छठ शुरू, खरना आज

पूजन सामग्री खरीदने में जुटे लोग

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

लोक आस्था का महापर्व छठ मंगलवार से नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया है। छठ महापर्व में नहाय खाय का खास महत्व होता है। व्रतियों ने शुद्धता पूर्वक स्नान कर सात्विक भोजन कीं। साथ ही ठेकुआ के लिए गेंहू को धोकर उसे सुखाने में जुट गई हैं। नहाय खाय के दिन विशेष तौर पर लौकी की सब्जी बनती है। इसके पीछे ये मान्यता है कि लौकी काफी पवित्र होता है. और लौकी में पर्याप्त मात्रा में जल होता है। इसमें लगभग 96 फीसदी पानी होता है जो व्रती को होने वाले पानी की कमी को दूर करता है। नहाय खाय के बाद दूसरे दिन बुधवार को खरना के साथ उपवास शुरू होता है। खरना के दिन शाम को व्रती सात्विक आहार जैसे- गुड़ की खीर का सेवन करेंगी। इसके बाद 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू होगा। तीसरे दिन छठव्रती डूबते सूर्य को अर्घ्य देती हैं और फिर चौथे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ इस पर्व का समापन होता है। इधर लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर लोहरदगा शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में तैयारियां तेज हो गई हैं। बाजार में सूप-दौरा और पूजन सामग्री की खरीदारी को लेकर श्रद्धालु उमड़ पड़े हैं। छठ महापर्व को लेकर भक्ति की धारा बहने लगी है। लोग अपने तरीके से छठ पूजा की तैयारियों में जुट गए हैं। छठ मइया और भगवान भराजनाथ सिंह ने कहास्कर की पूजा अर्चना को लेकर छठव्रती जुट गए हैं। शहर से लेकर गांव-गावं में छठ पूजा की तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है। इधर छठ पूजा से संबंधित सामग्री की खरीदारी में श्रद्धालु जुट गए हैं। सूप, दौरा, कलशा, चौका, दीया, चावल-गेहूं सहित अन्य सामान की खरीदारी चल रही है। साथ ही दूध की बुकिंग की जा रही है। छठ पूजा को लेकर हर कोई जैसे खुद को समर्पित कर चुका है। छठ महापर्व को लेकर बाजार में चहल-पहल नजर आ रही है।

बाजार में पूजन सामग्री और छठ महापर्व के मौके पर उपयोग में आने वाले सामान की बिक्री को लेकर कई दुकानें खुल चुकी हैं। कई लोग बिना किसी मुनाफे के छठ के सामानों की बिक्री कर रहे हैं तो कोई मांग की पूर्ति के लिए बाजार में उतर चुका है। छठ पूजा को लेकर भक्ति गीतों का दौर भी चल रहा है। घरों में छठ के गीत गाए जाने लगे हैं। शहर से लेकर गांव तक छठ मइया के गीत बज रहे हैं।

ईख व नारियल की दुकानों पर भी लोगों की भीड़

जिले के विभिन्न बाजारों में छठ पर्व की पूजन सामग्रियों में ईख व नारियल के फलों की दुकानें भी लगायी गई है। हर ओर पूजन सामानों की ही दुकानें लगी है। सड़क किनारे ईख, नारियल, टाभ, कद्दू, सेव, नारंगी सहित अन्य पूजन समानों की दुकानें लगी है। सड़क किनारे लगे फलों व पूजन सामानों की फुटकर दुकानों से जाम बढ़ा है।

जगह-जगह सूप व टोकरी की हो रही है बिक्री

बाजारों में जगह-जगह सूप व टोकरी की भी दुकानें लगी है। वहीं बर्तन दुकानों पर भी पीतल की सूप की खूब बिक्री हो रही है। बांस की छिट्टा व टोकरी की भी खूब डिमांड है। खरीदारों की भीड़ लगी है। छठ पर्व की खरीदारी से बाजार में व्रतियों की भीड़ है। सड़क किनारे लगे दुकानों से सड़क छोटी पड़ गई है।

शहरी और ग्रामीण इलाकों में छठ पूजा के गीतों की मची है धूम

लोहरदगा। कार्तिक मास की षष्ठी तिथि को मनाए जाने वाले छठपूजा में गीतों का बड़ा महत्व रहता है। इस अवसर पर गाए जाने वाले लोकगीत में सामाजिक समरसता और जन कल्याण की भावना बनी रहती है। करा उपकार ऐ सूरजदेव निर्धनिया निरबंसिया पर। इन लोक त्योहारों पर गाए जाने वाले गीतों में समदर्शिता के प्रतीक सूर्यदेव के क्रियाकलाप और अनुनय विनय की बातें होती हैं, जो अपनी रोशनी फैलाने में भेदभाव नहीं रखते, गरीब अमीर सब बराबर हैं। कमी और भूलचूक के लिए क्षमा प्रार्थना भी की जाती है। सोने क नइया ए मलहा नइया तीरे ले आवा जैसे गीतों में सभी जाति के सामंजस्य और सहयोग का बखान करता है। ग्वाले से दूध, मल्लाह से घाट नौका, खटीक से फल, माली से फूलमाला, बांसफोर से सूप दउरी और कहार से बहंगी जल्दी लाने की बातें सामाजिक समरसता को दशार्ती हैं। नदी, पोखरों व जलाशयों के स्वच्छता संरक्षण और साफ-सफाई पर विशेष गीत गाए जाते हैं।

शहर के चौक -चौराहों पर भाजपा के पंचप्रण घोषणा पत्र का वितरण

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

भारतीय जनता पार्टी के द्वारा लोहरदगा नगर के विभिन्न चौक चौराहा में भाजपा के पंचप्रण घोषणा पत्र का वितरण किया गया। जिसमें भाजपा नगर अध्यक्ष सचिन कुमार साहू ने कहा कि भाजपा के पांच बड़े वादों में गोगो दीदी योजना, लक्ष्मी जोहार योजना ,घर साकार योजना ,सुनिश्चित रोजगार योजना और युवा साथी योजना शामिल है। जिस तरह से हेमंत सरकार ने 5 साल ठगने का कार्य किया। जनता समझ चुकी है कि अब की बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बननी तय है। जिस तरह से आए दिन झारखंड में हत्याएं, बलात्कार ,लैंड जिहाद, लव जिहाद, घुसपैठ हेमंत सरकार के शासन में चरम पर है इसलिए अब जनता इस सरकार को उखाड़ फेकेगी और पूर्ण बहुमत से भारतीय जनता पार्टी की सरकार राज्य में स्थापित होगी। नगर चुनाव संचालन समिति के संयोजक रिंकू वर्मा ने कहा कि इस बार एनडीए की सरकार फुल बहुमत से राज्य में स्थापित होगी और कांग्रेस, झामुमो, दूर-दूर तक नजर नहीं आएगी और एक अच्छा नेतृत्व के सरकार भारतीय जनता पार्टी बनाएगी। मौके पर उपस्थित प्रद्युमन पाठक, हसमुख रंजन, अनुभव कसकर, आदित्य साहू, युवराज साहू, आयुष राजपूत, मनोज कुमार, दीपक कुमार आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

मूलवासियों के हितों के लिए एकमात्र विकल्प बनेगी भारतीय जनजागरण गांधीवादी पार्टी

राजपति देवी ने विभिन्न क्षेत्रों में चलाया चुनावी जनसंपर्क अभियान, मांगा समर्थन

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

भारतीय जन जागरण गांधीवादी पार्टी की प्रत्याशी राजपति देवी जिले के विभिन्न क्षेत्रों में चुनावी जनसंपर्क अभियान चलाया। कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, बेरोजगारी, गरीबी, सड़क, बिजली, पानी आदि समस्याओं को जड़ से समाप्त करने के लिए हमारी पार्टी का आना बहुत जरूरी है। आदिवासी मूलवासियों की हितों के लिए एकमात्र विकल्प भारतीय जनजागरण गांधीवादी पार्टी बनेगी।

झारखण्ड राज्य अलग हुए 24 बर्ष बीत चुके हैं परन्तु हमारा झारखण्ड राज्य खनिज सम्पदा से भरपूर होते हुए भी यहाँ की जनता सबसे गरीब हैं। जितने भी राष्ट्रीय पार्टियां है क्षेत्र और क्षेत्रवासियों का विकास करने में नाकाम रही है। इसलिए अबकी बार अपना मताधिकार का प्रयोग हमारी पार्टी के पक्ष में करें। यहाँ के आम गरीब जनता का विकास नहीं कर पाए है। यहाँ का युवा बेरोजगार हैं, शिक्षा का स्तर निचले पायदान पर पड़ा हुआ है। लोग बेरोजगारी, गरीबी और भुखमरी के कारण पलायन होकर अन्य शहरों में जाने के लिए मजबूर हो रहे हैं। आज इन्हीं सब कारणों से लोहरदगा की जनता बदलाव चाहती है। हमारी पार्टी हर गरीब को बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ रोजी, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, व्यक्ति और क्षेत्र का विकास चाहती है। मौके पर विजय प्रजापति, सुजीत साहू, मदन महतो, अमित सिंह, उषा देवी, अन्नपूर्णा देवी, बबिता, रीता, आरती, रेखा, धनेश्वरी, किरण, देवेंद्र साहू, अश्मित दीप, रामस्वरूप तिवारी, कमला देवी, सुजीत गुप्ता, रामु साहू, सनोज प्रजापति, अमित रंजन, जीतन गोस्वामी, कुलदीप जायसवाल, उदय पंडित समेत अन्य मौजूद थे।

288 मतदान पदाधिकारियों को मिला चुनावी प्रशिक्षण

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

विधानसभा आम निर्वाचन, 2024 में निर्वाचन कार्य को त्रुटिरहित बनाने के लिए मंगलवार को कुल 288 मतदान पदाधिकारियों को प्रशिक्षण नदिया हिंदू उच्च विद्यालय लोहरदगा में संपन्न हुआ। आज मास्टर ट्रेनर्स और असिस्टेंट लेवल मास्टर ट्रेनर्स द्वारा मतदान पदाधिकारियों को प्रशिक्षण में बताया गया कि यह प्रशिक्षण निर्वाचन कार्य को बेहतर तरीके से संपन्न कराने के लिए दी जा रही है। आप सभी को मतदान केंद्र में पहुंच कर आवश्यक तैयारी कर लेनी है। सभी मतदान पदाधिकारियों डिस्पैच सेंटर से रवाना होने के बाद मतपेटिका को मतगणना केंद्र में जमा करने तक आपस में समन्वय बनाये रखना है। मतदान दिवस के पूर्व, मतदान दिवस और मतदान के उपरांत कई कार्य होते हैं जिन्हें आपको बिल्कुल शांत चित्त के साथ करना है। किसी भी परिस्थिति में मतदान बाधित नहीं होने देना है। अगर ईवीएम में कोई तकनीकी खराबी आती है तो इसकी सूचना सेक्टर पदाधिकारी, नोडल सेक्टर पदाधिकारी को देनी है। मतदान समय से प्रारंभ कराना है और समय-समय पर इसकी रिपोर्टिंग करनी है। मतदाता को पूरा सहयोग करना है ताकि कोई भी मतदाता ना छूटे। निर्वाचन आयोग के द्वारा प्राप्त गाईडलाइन का पालन करना है। मतदान के उपरांत सभी प्रपत्रों को भरा जाना है। आवश्यक लिफाफा को अच्छी तरह सील करना है। प्रशिक्षक के रूप में आइटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, अपर समाहर्ता जितेंद्र मुंडा, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर, निवार्ची पदाधिकारी 72-लोहरदगा (एसटी) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र अमित कुमार समेत 14 असिस्टेंट लेवल मास्टर ट्रेनर ने प्रशिक्षण दिया।

लोहरदगा में भालू के हमले से युवक घायल हालत गंभीर

लोहरदगा। पेशरार थाना क्षेत्र के पहाड़ी इलाके में इन दिनों भालुओं के झुंड के द्वारा ग्रामीणों पर लगातार हमला जारी हैं। चारी गांव निवासी राजेन्द्र असुर शौच करने के लिए झाड़ियों के पास गया था। तभी भालू के जोड़े ने किया हमला। ग्रामीणों ने घायल युवक को सदर अस्पताल पहुँचाया. वन विभाग की ओर से दस हजार रुपए तत्काल दिया गया है. फिलहाल घायल युवक का इलाज चल रहा है।

छठ पूजा समिति सेरेंगहातु तोड़ार ने छठ घाट का सफाई किया

लोहरदगा। छठ महापर्व को लेकर मंगलवार को छठ पूजा समिति सेरेगहातु तोड़ार द्वारा सेरेगहातु कोयल नदी स्थित छठ घाट का साफ सफाई किया गया। छठ पूजा समिति अध्यक्ष जितेंद्र कुमार साहू ने कहा कि छठ महापर्व को लेकर छठवर्तियों को कोई समस्या ना हो इसके लिए समिति के सभी सदस्य सभी विधि व्यवस्था और साफ सफाई में लगे हुए हैं। मौके पर उपस्थित छठ पूजा समिति सचिव आदित्य कुमार साहू, कोषाध्यक्ष प्रदीप साहू, संरक्षक जागेश्वर साहू, महेश साहू, राजू साहू, दिनेश साहू, विनय प्रजापति, बलकेश्वर साहू,अरुण साहू, आदर्श साहू, मदन साहू ,अंजय साहू , आनंद साहू ,सूरज साहू समेत अन्य सदस्य मौजूद थे।

छठ पूजा पर सज गई पूजन सामग्री की दुकानें

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

पूजा सामग्रियों से पटा दुकान, श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी

बाजारों में सूप 130 से 200 रु. , दउरा 150 से 500 रुपये बिक रहे

छठ बाजार को लेकर स्थानीय दुकान व बाजार सजकर तैयार हो गए है। लोग अपनी दुकानो को दुल्हन की तरह सजा रखे है। सूप दौरा, फल व कपड़ा दुकान में छठ की खरीददारी की जा रही है। स्थानीय छठ बाजार में सूप दौरा समेत अन्य पूजा के उपयोग में आने वाले सामानो के दाम आसमान छू रहे है। सामानो की बढ़ती कीमत के बावजूद छठ की खरीददारी का उत्साह देखते बन रहा है।छठ महापर्व को लेकर शहर के अपर बाजार में में ग्राहकों की सबसे ज्यादा भीड़ देखी गई। वहीं पावरगंज चैक, सोमवार बाजार, गुदरी बाजार, रघुनन्दन लेन, मैना बगीचा, पतराटोली बाजार एवं न्यू रोड़ के अजय उद्यान क्षेत्र गुलजार नजर आया।हर वर्ग के ग्राहकों की पसंद अपने जरूरत एवं मन मुताबिक बाजार से सूप-दौरा समेत अन्य पूजन सामग्रियों की खरीददारी कर रहे हैं।

छठ को लेकर पूरा बाजार गुलजार है। शहर के सोमवार बाजार में भी सूप-दौरा की दुकानें लगी हुई थी। इसके अलावा शहर के मैना बगीचा, ईस्ट गोला रोड व गुदरी बाजार समेत अन्य कई स्थानों में भी सूप-दौरा की दुकान सजी हुई थी। लोहरदगा में इस बार छठ पूजा के सामानों की दाम में उछाल आया है। पूजा के सूप 130 से 200 रुपये पीस बिक रहे हैं। वही बांस पंखा 30 से 50 रुपये पीस, झाड़ू 40 से 80 रुपये, दउरा 150 से 500 रुपये पीस, बांस पंखा 30 से 60 रुपये, शुद्ध घी 550 से 800 रुपये किलो, जटा वाला नारियल 30 से 40 रुपए पीस, गड़ी गोला 250 से 280 रुपए किलो, छोटी इलायची 1500 से 3000 रुपए किलो, बड़ी इलायची 700 से 900 रुपए किलो, छुहाड़ा 250 से 300 रुपए किलो, काजू 700 से 1200 रुपए किलो, किशमिश 200 से 250 रुपए किलो, नया चावल 30 से 35 रुपए किलो, सौंफ 130 से 150 रुपए किलो, वनस्पति घी 155 से 200 रुपए किलो, चना 70 से 90 रुपए किलो, सुपाड़ी 700 से 800 किग्रा, मौली धागा 5 से 10 रुपये, जनेऊ 2 से 5 रुपये, बादाम गिरी 600 किग्रा से 800 किग्रा, आरत 5 रुपये, अखरोट 800 किग्रा, बादाम गोटा 40 रुपये, मौली धागा 10 रुपये, पिला सिन्दूर 50 रुपये, लाल सिन्दूर 50 रुपये, जनेउ सुता 5 रुपये, अगरबती 10 रुपये, कपुर 60 रुपये पैकेट, रोड़ी 5 रुपये, चना 60 से 70 किग्रा, सेंधा नमक 5 से 10 रुपये 100 ग्राम, गुड़ 60 किग्रा, रुई बती 10 रुपये, हवन सामग्री 100 रुपये किग्रा, रिफाइन 150 से 190 रुपये, चीनी 43 किग्रा, लांग 100 रुपये 100 ग्राम, तिल जौ 120 रुपये 100 ग्राम, कटिंग पंचमेवा 30 रुपये, दोना 20 रुपये, पतल 30 रुपये, मटर 50 रुपये किलो, धुवन 80 रुपये, आलता 10 रुपये बिक रहे है। वहीं मिटटी के दीएं 150 से 200 रुपये प्रति सैकड़ा, बड़ा दीया 5 रु0 से 10 रु0 पीस, धुपदानी 10 से 20 रु0 पीस, ढ़कनी 20 रु0 पीस, ढ़कनी जिसमें पांच दीएं लगे हो 35 रुपये प्रति पीस बिक रहे है।

मतदाता जागरूकता को लेकर बाइक रैली निकाली गयी

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

विधानसभा आम निर्वाचन, 2024 के निमित्त स्वीप कोषांग, लोहरदगा की ओर से मतदाता जागरूकता हेतु मंगलवार को समाहरणालय मैदान, लोहरदगा से बाईक रैली का आयोजन किया गया। यह रैली समाहरणालय मैदान से प्रारंभ हुई जो कचहरी चौक, पावरगंज चौक, बड़ा तालाब, अपर बाजार मिशन चौक, बरवाटोली चौक, न्यू रोड, पावरगंज चौक, मैना बगीचा होते हुए वापस समाहरणालय मैदान, लोहरदगा में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस रैली में बड़ी संख्या में मतदातागण शामिल हुए। इसमें स्वीप कोषांग के पदाधिकारी व कर्मीगण शामिल हुए। रैली से पूर्व सभी को मतदाता शपथ दिलाई गई। रैली में निर्धारित रूट में आमजनों से दिनांक 13 नवम्बर को आवश्यक रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की गई। कार्यक्रम में स्वीप कोषांग की वरीय पदाधिकारी सीता पुष्पा, डिस्ट्रिक्ट आइकॉन आशीष कुमार, अमित कुमार समेत अन्य शामिल हुए।

बिजली विभाग ने चलाया छापेमारी अभियान

भंडरा । भंडरा प्रखंड अंतर्गत चट्टी गांव में सोमवार को बिजली विभाग द्वारा दंडाधिकारी मनु कुमारी के नेतृत्व में सघन छापेमारी अभियान चलाया गया। जिसमें तीन लोगों के घरों में बिजली विभाग द्वारा बिल का भुगतान नहीं करने को लेकर बिजली काटने के बावजूद अवैध रूप से बिजली उपयोग करते हुए पकड़ा गया। जिसमें झीको चट्टी निवासी स्वर्गीय रामदयाल साहू के पुत्र अजीत साहू को घर में लगे बिजली मीटर के साइड से बाईपास के माध्यम से अवैध बिजली कनेक्शन लेने पर कार्रवाई हुई है। साथ ही इन्हें 14369 रुपए का जुमार्ना लगाया है। बुधु महतो के पुत्र सुदामा महतो व उदय नाथ ठाकुर के पुत्र छोटे महतो के विरुद्ध एलटी तार में टोका लगाकर अवैध बिजली जलाने को लेकर 4788 रुपए का जुमार्ना लगाया है।साथ भंडरा थाना में भारतीय विद्युत अधिनियम 135/137 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराया गया है। मौके पर सहायक विद्युत अभियंता मोहम्मद जिशान, तकनीकी सहायक विद्युत आपूर्ति प्रशाखा कूडू के कुशल किंडो, सुचिंद्र प्रजापति सहित भंडरा थाना के जवान मौजूद थे।

झारखंड में बनेगी एनडीए की सरकार : नेहा महतो

भंडरा प्रखंड में आजसू ने किया चुनावी पदयात्रा

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

आजसू, भाजपा, जदयू एवं एलजीपी गठबंधन को जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है।इससे इंडी गठबंधन की हालत खराब हो गया है। उपरोक्त बातें सुदेश महतो की पत्नी नेहा महतो ने सोमवार को एनडीए प्रत्याशी नीरू शांति भगत के चुनावी पदयात्रा के दौरान भंडरा के ग्रामीण इलाकों में महिलाओं से कहा। सोमवार को प्रत्याशी नीरू शांति भगत के साथ ग्रामीण इलाकों में पदयात्रा कर जनसंपर्क अभियान चलाया । ग्रामीण मतदाताओं से इस बार क्षेत्र में विकास और बदलाव के लिए नीरू शांति भगत के पक्ष में मतदान करने की अपील किया। जनसंपर्क अभियान के दौरान आजसू नेत्री नेहा महतो ने कहा कि, जनता इंडी गठबंधन के पिछले 5 वर्ष के भ्रष्ट शासन को देखकर तंग आगयी है। दुबारा सरकार आयी तो राज्य को तबाही के कगार पर ले जायेगी। इस सरकार से युवा, महिला ,बेरोजगार, व्यापारी और विद्यार्थी हलकान है। इससे कोई खुश है। और न उम्मीद है। इसलिए इस सरकार को उखाड़ फेंकने की आवश्यकता है। जन विरोधी सरकार अब नहीं चलेगी। जनता ने ठान लिया है ,कि इस बार लोहरदगा से एनडीए प्रत्याशी नीरू शांति भगत को हर हाल में जीता कर विधानसभा भेजना है। राज्य में एनडीए का सरकार बननी निश्चित है। जिससे युवाओं को रोजगार, महिलाओं को सुरक्षा मिल सके। एक हजार की जगह 2100 प्रतिमा महिलाओं को दिया जाएगा। कहा कि, सिर्फ जनता को बेवकूफ बनाने के लिए आखिरी के महीने में एक हजार देने योजना लाई गयी। जो सिर्फ ठगने का काम है । सरकार चाहती तो एक-एक घर को महंगाई से निजात दिला सकती थी ।

गुमला में कल्पना सोरेन का भाजपा पर तीखा प्रहार

झामुमो प्रत्याशी भूषण तिर्की के समर्थन में मांगे वोट

नवीन मेल संवाददाता। गुमला

गांडेय के विधायक और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी, कल्पना मुर्मू सोरेन, ने गुमला के पुगु हवाई मैदान में एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के प्रत्याशी भूषण तिर्की को भारी मतों से जिताने की अपील की। इस दौरान कल्पना सोरेन ने भाजपा पर जमकर हमला बोला और कई मुद्दों पर तीखी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि झारखंड में इस बार समय से पहले चुनाव कराया जा रहा है और झारखंड के चुनाव को महाराष्ट्र के साथ दो चरणों में रखा गया है, जबकि पहले पांच चरणों में चुनाव होता था। कल्पना सोरेन ने भाजपा पर आदिवासियों को बहकाने और झारखंड के संसाधनों का शोषण करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा बाहर से बड़े जहाजों में लोगों को लाकर झारखंड के मासूम आदिवासियों को ठगने का काम कर रही है।

उन्होंने छत्तीसगढ़ में आदिवासियों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार पर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि भाजपा झारखंड के खनिज और प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग सिर्फ व्यापारिक हित में करना चाहती है। उन्होंने कहा कि भाजपा आदिवासी और मूलवासी समुदाय की परवाह नहीं करती और यहां के खनिज संसाधनों को निकालने के लिए उद्योग लगाने का काम कर रही है, जिससे आदिवासियों का अस्तित्व खतरे में है। श्रीमती सोरेन ने भाजपा की कथित योजनाओं को झूठा बताते हुए कहा कि भाजपा ने 2 करोड़ नौकरियों और 15 लाख रुपए हर व्यक्ति के खाते में देने का वादा किया था, जो आज तक पूरा नहीं हुआ। इसके विपरीत, हेमंत सरकार ने मैया सम्मान योजना, सावित्रीबाई फुले योजना, सर्व पेंशन योजना, किसानों का कर्ज माफ और बिजली बिल माफी जैसी जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई हैं। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार ने चार सालों में राज्य के गरीबों और जरूरतमंदों के लिए कई क्रांतिकारी कदम उठाए हैं।

सभा के दौरान, कल्पना सोरेन ने सरना कोड का मुद्दा उठाते हुए भाजपा पर आदिवासियों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा आदिवासी समुदाय को बनवासी कहती है और उन्हें आदिवासी दिवस पर शुभकामना तक नहीं देती।

उन्होंने नारा देते हुए कहा, एक ही नारा, हेमंत दोबारा, और सभा में बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों से झामुमो के प्रत्याशी भूषण तिर्की को समर्थन देने की अपील की।

नहाय खाय के साथ शुरू हुआ लोक आस्था और पवित्रता का महापर्व छठ

नवीन मेल संवाददाता। चैनपुर

चैनपुर अनुमंडल क्षेत्र में मंगलवार को नहाय खाय के साथ लोक आस्था और पवित्रता का महापर्व छठ शुरू हो गया। आदिवासी बहुल चैनपुर में छठ बडे धूमधाम से मनाया जाता है। व्रती आज सुबह नदी, कुंए आदि में स्नान कर भगवान भुवन भास्कर को जलाअर्पित करने के बाद व्रती मिट्टी के चुल्हे पर पारंपरिक तौर पर पुरी शुद्धता के साथ कद्दु चावल बनाए। इसके बाद पुरे विधि विधान से भगवान भास्कर का पूजन अनुष्ठान कर भोग लगाए। इसके बाद ये कद्दु चावल ग्रहण किए। व्रति इसके बाद अब सीधे बुधवार की संध्याकाल

में खीर प्रसाद भोग लगा ग्रहण करेगें। इसके बाद ये निर्जला उपवास कर गुरुवार को अस्ताचलगामी भुवन भास्कर को अर्घ्य अर्पित करेगें। शुक्रवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पण करने के बाद व्रत का पारणा करअन्न जल ग्रहण करेगें।

शास्त्रो के अनुसार कार्तिक मास में सूर्य अपनी नीच राशि में होता है, इसलिए सूर्य देव की विशेष उपासना की जाती है ताकि स्वास्थ्य की समस्याएं परेशान ना करें। षष्ठी तिथि का सम्बन्ध संतान की आयु से होता है, इसलिए सूर्य देव और षष्ठी की पूजा से संतान प्राप्ति और उसकी आयु रक्षा दोनों हो जाती है। इस माह में सूर्य उपासना से वैज्ञानिक रूप से हम अपनी ऊर्जा और स्वास्थ्य का बेहतर स्तर बनाए रख सकते हैं। यह पर्व कुल मिलाकर चार दिनों तक चलता है। इसकी शुरूआत कार्तिक शुक्ल चतुर्थी से होती है और सप्तमी को अरुण वेला में इस व्रत का समापन होता है। कार्तिक शुक्ल चतुर्थी को नहाए-खाए के साथ इस व्रत की शुरूआत होती है। इस दिन से स्वच्छता की स्थिति अच्छी रखी जाती है। पहले दिन लौकी और चावल का आहार ग्रहण किया जाता है। दूसरे दिन को लोहंडा-खरना कहा जाता है।

मेगा फसल प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

गुमला। चैनपुर प्रखंड के कुरुमगढ़ गांव में पायोनियर बीज कंपनी ने मेगा फसल प्रदर्शनी का आयोजन किया। कार्यक्रम में कंपनी के क्षेत्रीय प्रतिनिधि अरविंद कुमार और जिला प्रतिनिधि गोपाल कुमार ने किसानों को पायोनियर 27 पी 37 और अन्य बीजों की फसल में अंतर बताया।

निर्वाचन अति महत्वपूर्ण

आसन्न विधानसभा आम निर्वाचन, 2024
समाहरणालय, गढ़वा
(जिला निर्वाचन शाखा)
(E-mail ID – dep-eo-gar@gov.in / electiongarhwa1950@gmail.com)

आदेश

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा निर्गत प्रेस–नोट संख्या ECI/PN/149/2024 दिनांक 15.10.2024 के अलोक में गढ़वा जिला में मतदान की तिथि दिनांक 13.11.2024 (बुधवार) को तथा मतगणना की तिथि दिनांक 23.11.2024 (शनिवार) निर्धारित है।

पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के पत्रांक 336/चु0को0, दिनांक 03.11.2024 के द्वारा विधानसभा आमनिर्वाचन, 2024 के दृष्टिगत गढ़वा जिला में प्रतिनियुक्त होने वाले CAPF बलों (CAPF TAC HQ एवं CAPF Coy.) के आवासन हेतु गढ़वा जिला अंतर्गत अवस्थित चिन्हित भवन/स्थल का अधिग्रहण हेतु सूची उपलब्ध करायी गई है।विवरण निम्नवत् है:–

Sl.	AC No. & Name	Police Station	Accomodation
1	2	3	4
1	80-Garhwa	Ramkanda	Up. +2 High School, Ramkanda

उक्त के प्ररिप्रेक्ष्य मेंमैं शेख रजमुआर (भा0प्र0से0), जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–उपायुक्त, गढ़वा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 160 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त सारणी में अंकित भवन को (कमरों/भवनों में उपलब्ध सभी उपस्करों सहित) दिनांक 05.11.2024 से दिनांक 25.11.2024 तक की अवधि के लिए निर्वाचन कार्य हेतु अधिग्रहित करता हूँ।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी,
–सह–उपायुक्त, गढ़वा

PR 339877 Election(24-25).D

भाजपा ने बागी नेता मिसिर कुजुर को 6 वर्षों के लिए पार्टी से किया निष्कासित

गुमला। भारतीय जनता पार्टी ने पार्टी के निर्णयों के खिलाफ गतिविधियों और संविधान की धारा 25(9) के उल्लंघन के आरोप में पूर्व जिला महामंत्री मिसिर कुजुर को 6 वर्षों के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है। यह निर्णय प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के निर्देश पर लिया गया। गुमला जिला अध्यक्ष विनय लाल की अनुशंसा पर प्रदेश महामंत्री सह मुख्यालय प्रभारी प्रदीप वर्मा ने सभी प्रभारियों को निलंबन की सूचना प्रेषित की है। जिला अध्यक्ष विनय लाल ने कहा कि भाजपा एक अनुशासित और कार्यकर्ता-आधारित पार्टी है, जहां हर सदस्य का सम्मान किया जाता है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने मिसिर कुजुर को हमेशा मौका दिया, लेकिन उनकी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा ने पार्टी की गरिमा को ठेस पहुंचाई। उन्होंने कहा कि किसी एक व्यक्ति के जाने से पार्टी को कोई हानि नहीं होगी, और भाजपा की विचारधारा राष्ट्र की मूल संस्कृति से जुड़ी हुई है।

जशपुर रोड पर स्कूटी और बाइक की टक्कर में तीन घायल, वृद्ध की हालत गंभीर

गुमला। गुमला के जशपुर रोड स्थित छोटा नागपुर पैथोलॉजी के पास स्कूटी सवार एक युवती ने बाइक सवार 62 वर्षीय मनोज शाह को टक्कर मार दी, जिससे तीन लोग घायल हो गए। मनोज शाह, जो पालकोट रोड के निवासी हैं, अपने 5 वर्षीय पोते प्रभात राज के साथ ब्लड जांच की रिपोर्ट लेने पैथोलॉजी पहुंचे थे, तभी यह हादसा हुआ। टक्कर के कारण मनोज शाह को चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं, जबकि प्रभात के चेहरे पर भी चोटें आई हैं। स्कूटी सवार युवती भी दुर्घटना में गिरकर घायल हो गई, जिससे उसका एक हाथ टूट गया। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया गया।

सड़क हादसे में युवक-युवती गंभीर रूप से घायल

गुमला। चैनपुर वन कार्यालय के पास मंगलवार शाम करीब 4 बजे एक सड़क हादसे में गुमला थाना क्षेत्र के मारापानी गांव के 21 वर्षीय युवक नीरज साय (पिता स्व. सागर साय) और युवती अर्वतिका कुमारी गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है। हादसे में नीरज साय के चेहरे पर गंभीर चोट आई है, जबकि अर्वतिका के पैर में चोट लगी है। अर्वतिका ने बताया कि वे दोनों एक ही गांव के निवासी हैं और घूमने के उद्देश्य से चैनपुर आए थे। इसी दौरान नीरज ने शराब पी ली और नशे की हालत में ही बाइक चलाते हुए गांव लौट रहे थे। कुछ ही दूरी पर बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

व्यक्ति ने फांसी लगाकर किया आत्महत्या का प्रयास, सदर अस्पताल में भर्ती

गुमला। कामडारा थाना क्षेत्र अंतर्गत कुली गांव निवासी 42 वर्षीय व्यक्ति बैजनाथ सिंह ने फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। परिजन तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कामडारा ले गए। जहां इलाज के उपरांत उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। उसे सदर अस्पताल लाया गया जहां उसका इलाज चल रहा है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक पड़ोस के पाकुड़ गांव में डाईर जतरा का आयोजन किया गया था। व्यक्ति वही गया था। वहीं पत्नी धान काटने खेत गई थी शाम को पत्नी जब घर लौटी तो घर में अपने पति को नहीं देखी। वह उसे ढूंढते हुए नए घर पहुंची जहां पति को रस्सी के फंदे में लटकते देखी। पत्नी तुरंत कुर्सी में चढ़कर चाकू से रस्सी के फंदे को काटी और आस पड़ोस और परिजनों को घटना की जानकारी दी। जिसके बाद तत्काल उसे इलाज हेतु काम डारा ले जाया गया। पत्नी ने बताया घर में किसी प्रकार का कोई विवाद नहीं हुआ था। उसने किस कारण इतना बड़ा कदम उठाया इसका पता नहीं चल पा रहा है। घटना के बाद व्यक्ति बेहोशी की हालत में है।

झामुमो के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने अपने ही प्रत्याशी के खिलाफ खोला मोर्चा

बसिया(गुमला)। सिसई विधानसभा क्षेत्र से गठबंधन के उम्मीदवार जिग्गा सुसारन मुंडा के विरुद्ध उनके अपने दल के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने मोर्चा खोल दिया है। श्री होरो के लिए इसे एक असहज स्थिति के तौर पर देखा जा रहा है जबकि गत दो चुनावों में उनके लिए दिन रात एक करनेवाले झामुमो के निकोलस मुंडा ने दलीय अनुशासन की परवाह न करते हुए कई अनुत्तरित सवाल खड़ा कर दिया है। सोशल मीडिया के माध्यम से निवर्तमान विधायक श्री होरो के उपर दलीय निष्ठा और कार्यकताओं की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए उन्होंने पूछा है कि जिला कमेटी की बैठकों सहित जोहार यात्रा व न्याय यात्रा की निरंतर उपेक्षा करनेवाला विधायक यदि कार्यकताओं के साथ सामंजस्य स्थापित नहीं करने का दोषीदार है तो उससे सवाल पूछा ही जाना चाहिए। इतना ही नहीं, हेमंत सोरेन के जेल जाने पर खुशी मनाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने यह आरोप भी चस्पा किया है कि चुनाव जीतने के बाद श्री होरो ने कभी न भाजपा के खिलाफ कोई आवाज नहीं उठाया और न पार्टी के किसी भी कार्यकर्ता को सम्मान देने का काम किया है। पार्टी के कई वरिष्ठ कार्यकताओं व पदाधिकारियों के हवाले से उन्होंने कार्यकताओं व आम जनता को प्रताड़ित किए जाने का उदाहरण देते हुए बताया कि श्री होरो की मानसिकता लोकतांत्रिक न होकर तानाशाही भरा है। तत्संबंधी आरोपों के साथ बतौर झामुमो प्रत्याशी जिग्गा मुंडा को मुकाबले से बाहर करने की इस अपील के बाद यहाँ चुनावी चकल्लस काफी दिलचस्प हो गया है।

दुष्कर्म मामले में युवती ने थाना में दिया आवेदन

गुमला। गुमला शहर के बीचो-बीच एक मोहल्ले निवासी 18 वर्षीय युवती की बहन ने मोहल्ले के ही एक विवाहित युवक पर घर में घुसकर बड़ी बहन के साथ जबरन दुष्कर्म करने को लेकर गुमला थाना में आवेदन दिया है। दिए आवेदन में युवती ने बताया 29 अक्टूबर को दिन के 2:00 बजे जब मैं घर लौटी तो देखी की घर का दरवाजा अंदर से बंद है। घर के बाउंड्री में चढ़कर देखी तो आरोपी मेरी बहन के साथ दुष्कर्म कर रहा था। खटखटाने पर काफी देर के बाद मेरी बड़ी बहन दरवाजा खोली। घर के अंदर गई तो आरोपी युवक छिप गया था।

गुमला में भाजपा का चुनावी संकल्प पत्र जारी

विमला प्रधान ने बताया 25 बिंदुओं पर केंद्रित विकास एजेंडा

नवीन मेल संवाददाता। गुमला

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आज गुमला जिला के चुनावी कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान अपना संकल्प पत्र जारी किया, जिसमें झारखंड की पूर्व मंत्री विमला प्रधान मुख्य रूप से उपस्थित थीं। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए विमला प्रधान ने बताया कि भाजपा ने इस संकल्प पत्र में 25 बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित किया है, जो झारखंड के विकास और जनता की भलाई के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रमुख योजनाओं में गोगो दीदी योजना के तहत हर महिला को 2100 प्रतिमाह और लक्ष्मी जोहार योजना के अंतर्गत प्रत्येक परिवार को 500 में गैस सिलेंडर और साल में दो मुफ्त

सिलेंडर देने का वादा शामिल है। इसके अतिरिक्त, भाजपा ने 2,87,500 सरकारी पदों पर भर्ती, स्नातक युवाओं के लिए 2000 प्रतिमाह भत्ता, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 21 लाख आवासों का निर्माण, बालिकाओं को केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा, गर्भवती महिलाओं के लिए 21,000 की वित्तीय सहायता, और अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ का समाधान जैसे कई अहम वादे किए हैं। साथ ही, हर जिले में नर्सिंग कॉलेज और 10 नए सरकारी मेडिकल कॉलेज खोलने का संकल्प भी शामिल है। विमला प्रधान ने कहा कि झारखंड में वर्तमान यूपीए सरकार की नीतियों से जनता असुरक्षित महसूस कर रही है और राज्य का विकास अवरुद्ध हो गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि 2024 के विधानसभा चुनावों में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आएगी और इन सभी वादों को पूरा करेगी।

इस अवसर पर भाजपा के जिला महामंत्री यशवंत सिंह, संतोष सिंह, छोटेलाल उरांव भगत, गुड्डी नंदा और उज्ज्वल मिश्रा सहित कई नेता मौजूद रहे।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के चुनावी कार्यालय का उद्घाटन

भूषण तिर्की के जीत का लिया गया संकल्प

नवीन मेल संवाददाता। गुमला

मंगलवार को चैनपुर मुख्यालय के सोहन चौक के निकट झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के प्रखंड अध्यक्ष पोलिकार खलखो ने चुनावी कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकताओं को संबोधित करते हुए खलखो ने 2024 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर जोर दिया। उन्होंने कहा, आज इस चुनावी कार्यालय के उद्घाटन के साथ हम गुमला विधानसभा क्षेत्र में झामुमो के प्रत्याशी भूषण तिर्की को भारी मतों से विजयी बनाने का संकल्प लेते हैं। हमें हर गांव में पहुंचकर लोगों को झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यों से अवगत कराते हुए हमारे प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार करना होगा। इस दौरान झामुमो के जिला संयुक्त सचिव शकील खान ने कार्यकताओं में जोश भरते हुए कहा, इस बार हमारे प्रत्याशी भूषण तिर्की को हर हाल में जीत दिलानी है। कल्पना सोरेन की सक्रियता और मैया समान योजना के कारण बीजेपी में खलबली मच गई है। हमारी जीत सुनिश्चित है, और हमें पूरे उत्साह के साथ कार्य करते हुए भूषण तिर्की को भारी मतों से विजयी बनाना है, साथ ही हेमंत सोरेन को फिर से राज्य का मुख्यमंत्री बनाना है।

इस उद्घाटन समारोह में कालिस्ता बरवा, नवीन खालखो सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने चुनावी तैयारियों में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया।

गुमला विस क्षेत्र के 7 मतदान केंद्रों पर दशकों बाद होगा मतदान

गुमला। जिले के गुमला विधानसभा क्षेत्र (68-गुमला रळ) के 7 मतदान केंद्रों पर इस वर्ष दशकों बाद मतदान का आयोजन होने जा रहा है। पूर्व में सुरक्षा कारणों से इन केंद्रों को अन्य स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया जाता था। इस बार प्रशासनिक सतर्कता और सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के साथ इन केंद्रों पर मतदान सुचारु रूप से कराया जाएगा। इन मतदान केंद्रों की सूची में न्यू प्राइमरी स्कूल, दरकना (124), सरकारी उन्नयन मध्य विद्यालय, कोटम, बेहराटोली (125), सरकारी उन्नयन मध्य विद्यालय, रोगादीह (130), उन्नयन मध्य विद्यालय, उरू (131), पंचायत सचिवालय, बारडीह (133), सरकारी उन्नयन उच्च विद्यालय, तबेला (134), और उन्नयन मध्य विद्यालय, कुकुरंजा (135) शामिल हैं।

Format C-2

(For political party to publish in website, newspapers, TV)

Declaration about criminal antecedents of candidates set up by the party

(As per the judgment dated 25" September, 2018 of Hon'ble Supreme Court in WP (Civil) No. 536 of 2011 (Public Interest Foundation & Ors. Vs. Union of India & Anr.)

Name of Political Party : **JHARKHAND MUKTI MORCHA (JMM)**
Name of Election : **JHARKHAND STATE ASSEMBLY ELECTIONS, 2024**
Name of State/UT : **JHARKHAND**

1.	2.	3.	4.		5.		
Sl. No.	Name of Constituency	Name of candidate	(A) Pending criminal Cases		(B) Details about cases of conviction for criminal offences		
			Name of Court, case No. & status of the case(s)	Sections of the Acts concerned & brief description of offence(s)	Name of Court & date(s) of order(s)	Description of offence(s) & punish-ment imposed	Maximum Punishment Imposed.
	81 BHAWANAT-HPUR	ANANT PRATAP DEO	A.C.J.M. NAGAR UNTARI DHURKI P.S. CASE NO. 37/2024	Sec. 188, 143, 171, I.P.C. VOILATJON OF ORDER OF PUBLIC SEF VANT & VOILATION OF MORAL RULE OF CODE OF CONDUCT	N.A.	N.A.	N.A.
				DISTURBAN CEIN VOTING RIGHT L VOILATION OF MORAL RULE OF CODE OF CONDUCT Sec. 171 (C) 188 T.P.C.L 134 R.P. Act	N. A.	N.A.	N.A.

सुदृढ़ प्रजातंत्र हेतु वृहत्तर सहभागिता

कार्यालय : नोडल पदाधिकारी, पोस्टल बैलेट/EDC, कोषांग गढ़वा

आम सूचना

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 28A में निहित प्रावधानुसार तथा भारत निर्वाचन आयोग के पत्रांक–52/2023/SDR/VOL-4 दिनांक–31.10.2023 से प्राप्त के आलोक में विधानसभा आम निर्वाचन 2024 के क्रम में दिनांक–03.11.2024 से सुविधा केन्द्रों (Facilitation Centre) पर पोस्टल बैलेट के माध्यम से निर्वाचन कार्य में प्रतिनियुक्त कर्मी, माईक्रो ऑब्जर्वर, सेक्टर दण्डाधिकारी, विडियोग्राफर, वेब फास्टिंग कर्मी, सभी प्रकार के पुलिस पदाधिकारी, आवश्यक सेवा में लगे अनुपस्थित मतदाता, वाहन चालक आदि के लिए मतदान प्रक्रिया प्रारम्भ है, जिसकी विवरणी निम्नानुसार है :–

क्र0 सं0	निर्वाचन क्षेत्र का नाम	सुविधा केन्द्र (Facilitation Centre) हेतु चिन्हित स्थल	मतदान की तिथि एवं समय	कर्मियों की कोटि
1	2	3	4	5
1	80–गढ़वा वि0स0 क्षेत्र	गोविन्द+2 उच्च विद्यालय, गढ़वा कमरा सं0–17 एवं 18 (भू–तल)	03.11.2024 से 11.11.2024 तक 10:00 AM To 05:00 PM	मतदान दल के कर्मी, माईक्रो ऑब्जर्वर, सेक्टर दण्डाधिकारी, विडियोग्राफर, वेब कास्टिंग कर्मी
2	81–भवनाथपुर वि0स0 क्षेत्र	गोविन्द+2 उच्च विद्यालय, गढ़वा कमरा सं0–12 एवं 19 (भू–तल)		
3	75–पांकी, 76–डालटनगंज, 77–विश्रामपुर, 78–छतरपुर एवं 79–हुसैनाबाद वि0स0 क्षेत्र	गोविन्द+2 उच्च विद्यालय, गढ़वा कमरा सं0–39 (भूतल)		
4	अन्य सभी निर्वाचन क्षेत्र	गोविन्द+2 उच्च विद्यालय, गढ़वा कमरा सं0–26 (प्रथम तल)		
5	80–गढ़वा वि0स0 क्षेत्र	पुलिस केन्द्र गढ़वा स्थित बैडमिंटन कोर्ट		सभी प्रकार के पुलिस पदाधिकारी
6	81–भवनाथपुर वि0स0 क्षेत्र	पुलिस केन्द्र गढ़वा स्थित बैडमिंटन कोर्ट		
7	अन्य सभी निर्वाचन क्षेत्र	पुलिस केन्द्र गढ़वा स्थित बैडमिंटन कोर्ट		
8	सभी निर्वाचन क्षेत्र	भूतल पर कमरा संख्या–117, नया समाहरणालय भवन, गढ़वा		सभी कर्मियों के लिए
9	सभी निर्वाचन क्षेत्र	पुराना समाहरणालय भवन, गढ़वा स्थित Child Help Line कार्यालय		सभी कर्मियों के लिए
10	80–गढ़वा वि0स0 क्षेत्र	डिस्पैच सेंटर नामधारी कॉलेज, गढ़वा कमरा संख्या–5 (प्रथम तल)	12.11.2024 को 10:00 AM To 05:00 PM	सभी कर्मियों के लिए
11	81–भवनाथपुर वि0स0 क्षेत्र एवं अन्य सभी निर्वाचन क्षेत्र	डिस्पैच सेंटर नामधारी कॉलेज, गढ़वा कमरा संख्या–6 (प्रथम तल)		सभी कर्मियों के लिए

क्र0 सं0	निर्वाचन क्षेत्र का नाम	डाक मतदान केन्द्र (PVC) हेतु चिन्हित स्थल	मतदान की तिथि एवं समय	कर्मियों की कोटि
1	सभी निर्वाचन क्षेत्र	भूतल पर कमरा संख्या–112, नया समाहरणालय भवन, गढ़वा	08.11.2024 से 10.11.2024 तक 10:00 AM To 05:00 PM	सभी प्रकार के आवश्यक सेवा में संलग्न कर्मियों के लिए

सभी कर्मियों से अनुरोध है कि पोस्टल बैलेट के माध्यम से निर्धारित समयावधि के अंदर शत–प्रतिशत मतदान करना सुनिश्चित करेंगे। "वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम"

नोडल पदाधिकारी,
पोस्टल बैलेट/EDC कोषांग, गढ़वा

PR 339892 Election (24-25)_D

700 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

गुमला में मतदाता जागरूकता को लेकर स्वीप वाल्कथन रैली का हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। गुमला

जिले में मतदाता जागरूकता और लोकतांत्रिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आज स्वीप (सिस्टमैटिक वोटर्स एजुकेशन एंड इलेक्टोरल पार्टिसिपेशन) कार्यक्रम के अंतर्गत एक भव्य वाल्कथन रैली का आयोजन किया गया। यह रैली शहरी क्षेत्र में संत इग्नेशियस स्कूल से पालकोट रोड तक निकाली गई, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के

लगभग 700 विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

विद्यार्थियों ने नारे लगाते हुए जिले के मतदाताओं को मतदान का महत्व समझाया और उन्हें लोकतंत्र में अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। इस जागरूकता रैली में जिला स्वीप प्रभारी एवं वरिष्ठ पदाधिकारी रीना हांसदा, जिला स्वीप नोडल पदाधिकारी आरती कुमारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, और जिला स्वर प्रभारी रमेश कुमार समेत कई अधिकारी, शिक्षक, एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

झामुमो के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने अपने ही प्रत्याशी के खिलाफ खोला मोर्चा

नवीन मेल संवाददाता। बसिया(गुमला)

सिसई विधानसभा क्षेत्र से गठबंधन के उम्मीदवार जिग्गा सुसारन मुंडा के विरुद्ध उनके अपने दल के वरिष्ठ कार्यकताओं ने मोर्चा खोल दिया है। श्री होरो के लिए इसे एक असहज स्थिति के तौर पर देखा जा रहा है जबकि गत दो चुनावों में उनके लिए दिन रात एक करनेवाले झामुमो के निकोलस मुंडा ने दलीय अनुशासन की परवाह न करते हुए कई अनुत्तरित सवाल खड़ा कर दिया है। सोशल मीडिया के माध्यम से निवर्तमान विधायक श्री होरो के उपर दलीय निष्ठा और कार्यकताओं की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए उन्होंने पूछा है कि जिला कमेटी की बैठकों सहित जोहार यात्रा व न्याय यात्रा की निरंतर उपेक्षा करनेवाला विधायक यदि कार्यकताओं के साथ सामंजस्य स्थापित नहीं करने का दोषीदार है तो उससे सवाल पूछा ही जाना चाहिए। इतना ही नहीं, हेमंत सोरेन के जेल जाने पर खुशी मनाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने यह आरोप भी चस्पा किया है कि चुनाव जीतने के बाद श्री होरो ने कभी न भाजपा के खिलाफ कोई आवाज नहीं उठाया और न पार्टी के किसी भी कार्यकर्ता को सम्मान देने का काम किया है। पार्टी के कई वरिष्ठ कार्यकताओं व पदाधिकारियों के हवाले से उन्होंने कार्यकताओं व आम जनता को प्रताड़ित किए जाने का उदाहरण देते हुए बताया कि श्री होरो की मानसिकता लोकतांत्रिक न होकर तानाशाही भरा है। तत्संबंधी आरोपों के साथ बतौर झामुमो प्रत्याशी जिग्गा मुंडा को मुकाबले से बाहर करने की इस अपील के बाद यहाँ चुनावी चकल्लस काफी दिलचस्प हो गया है।

संपादकीय

राजनीति से इतर जनजातीय समुदाय का बड़ा योगदान

भारतीय राजनीति का एक चलन है कि जिसके जहां वोट ज्यादा हों वहां उसकी बड़ाई करना पर यह ध्रुव सत्य है कि भारत को सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से समृद्ध करने में जनजातीय समुदाय की बहुत बड़ी भूमिका है जिसमें झारखंड भी शामिल है। भारत के बड़े भूभाग में वन एवं जंगल हैं। प्रकृति के इस एक अनोखे उपहार से जनजातीय समुदाय गहरे से जुड़ा है। इन वनों एवं जंगलों की देखभाल मुख्य रूप से जनजातीयए समाज द्वारा की जाती रही है। जनजातीय समाज की विकास यात्रा अपनी भूख मिटाने,चिकित्सा से लेकर अपने को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से केवल वनों के इर्द गिर्द चलती रहती है।

प्राचीन काल से ये प्रकृति पूजक वनों की रक्षा भी करते रहे हैं, जिसके माध्यम से उनकी सामाजिक, आर्थिक एंव पारिस्थितिकीय आवश्यकताओं की पूर्ति होती रहती है। अपनी आजीविका के लिए वनों में उत्पन्न होने वाली विभिन्न प्रकार की वस्तुओं का उपयोग करते रहे हैं।

इसीलिए इन्हें धरतीपुत्र भी कहा जाता है। प्राचीन काल से ये प्रकृति पूजक वनों की रक्षा भी करते रहे हैं, जिसके माध्यम से उनकी सामाजिक, आर्थिक एंव पारिस्थितिकीय आवश्यकताओं की पूर्ति होती रहती है। अपनी आजीविका के लिए वनों में उत्पन्न होने वाली विभिन्न प्रकार की वस्तुओं का उपयोग करते रहे हैं। इसलिए इनकी श्रद्धा पेड़ पौधों के प्रति स्वाभाविक रूप से होती है। भारतीय वन क्षेत्रों में पाए जाने वाले प्रमुख वनस्पतियों, पेड़ों एवं उत्पादित वस्तुओं में शामिल रहे हैं बबूल, बेर, चन्दन, धोक, धामन, धावडा, गुदी, हल्दू, इमली, जामुन, कजरी, खेजडी, खेडा, कुमटा, महुआ, नीम, पीपल, सागवान, आम, मुमटा, सालर, बानोटीया, गुलर, बांस, अरीठा, आंवला, गोंद, खेर, केलडी, कडैया, आवर, सेलाई वृक्षों से करा, कत्था, लाख, मौम, धोली व काली मुसली, शहद, आदि। इनमें से कई वनस्पतियों की तो औषधीय उपयोगिता है। कुछ जड़ी बूटियों जैसे आंवला का बीज, हेतडी, आमेदा, आक, करंज, ब्राह्मी, बोहडा, रोंजडा, भोग पत्तियां, धतुरा बीज, हड, भुजा, कनकी बीज, मेंण, अमरा, कोली, कादां, पडूला, गीगचा, इत्यादि का उपयोग रोगों के निवारण के लिए किया जाता रहा है। आमेदा के बीजों को पीसकर खाने से दस्त बंद हो जाते हैं। अरण्डी के तेल से मालिश एंव पत्तों को गर्म करके कमर में बांधने से दर्द कम हो जाता है। बुखार को ठीक करने के लिए कड़ा वृक्ष के बीजों को पीस कर पीते हैं। जोडों में दर्द ठीक करने के लिए ग्वार व सैजने के गोंद का उपयोग करते हैं। फोडे फुन्सियों एवं चर्म रोग को ठीक करने के लिए नीम के पत्तों को उबालकर पीते हैं। इसके अलावा तुलसी, लौंग, सोठ, पीपल, काली मिर्च का उपयोग बुखार एवं जुकाम ठीक करने के लिए किया जाता है। जनजाति समाज आज भी भारतीय संस्कृति का वाहक माना जाता है क्योंकि यह समाज सनातन हिंदू संस्कृति का पूरे अनुशासन के साथ पालन करता पाया जाता है। जनजाति समाज आज भी आधुनिक चमक दमक से अपने आप को बचाए हुए है। स्वतंत्रता के बाद और पहले भी इन भोले भाले लोगों को विदेशियों से लेकर नेताओं तक ने भीड़ की तरह इस्तेमाल किया। अनेक तो धर्मांतरित होकर मूल धर्म से ही नहीं संस्कारों से विमुख हो गए हैं क्योंकि इन्हें संरक्षित करने के बजाय अपनी विचारधारा और धर्मों में शामिल कर वोट बैंक खड़ा किया गया।

डूबते सूर्य की आराधना का अद्भुत त्योहार है छठ

सुनील बादल

भारत के अनेक राज्यों के ग्रामांचलों में अनेक पर्व त्योहार ऐसे हैं जो आज के राजनीतिक विद्वेष और भेदभाव भरे माहौल में भी एक सुखद संदेश देते हैं। छठ पूजा वैसे तो भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों विशेष तौर पर बिहार, झारखंड, और पूर्वी उत्तर प्रदेश का प्रमुख लोकपर्व है पर आज दिल्ली और मुंबई की राजनीति तक को प्रभावित करने लगा है। इस पर्व की विशेषता है कि इसमें किसी पुरोहित या पंडित की आवश्यकता भी नहीं होती। सनातन पूजन पद्धति के अनुरूप व्रती स्वयं ही छठी मईया और भगवान सूर्य से सीधे संवाद स्थापित करते हैं। यह धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता, सामूहिक सहयोग और आत्मानुशासन का अनुपम उदाहरण भी पेश करता है। इस पर्व में विभिन्न धर्मों और जातियों के बीच की दूरियां भी मिट जाती हैं और हर व्यक्ति इसमें बराबर की भूमिका निभाता है। आइए इस आलेख में विस्तार से जानते हैं।छठ पूजा एकमात्र ऐसा पर्व है जहां ना तो मंत्रोच्चार की परंपरा है और ना ही किसी पंडित की आवश्यकता पड़ती है। व्रती महिलाएं और पुरुष दोनों हो सकते हैं। और वे सीधे सूर्य देवता और छठी मैया से प्रार्थना करते हैं। इस अनूठे लोकपर्व का उद्देश्य केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं है बल्कि यह जाति, धर्म और सामाजिक भेदभाव के सारे बंधनों को समाप्त कर एकजुटता का संदेश भी देता है। यह त्योहार समाज के हर वर्ग को जोड़ता है। चाहे वह हिंदू हों या मुस्लिम, ऊँची जाति के हों या नीची जाति के। घाट पर किसी से कोई भेदभाव नहीं होता और न स पूजन सामग्री की खरीद बिक्री में। इस पर्व के माध्यम से लोग ना सिर्फ एक-दूसरे के प्रति सम्मान दिखाते हैं बल्कि, अपने कर्मों में शुद्धता और समर्पण का भाव भी प्रकट करते हैं। समाज में जिन्हें कभी अछूत माना गया वही लोग छठ पूजा के सबसे आवश्यक पूजन सामग्री जैसे सूप और दउरा बनाते हैं। व्रती इन्हीं के हाथों से बने बांस के सूप और डलिया को प्रसाद अर्पण और सूर्य को अर्घ्य देने के लिए उपयोग में लाते हैं। मुस्लिम समाज की भागीदारी बिहार में आम है।

छठ पर्व में प्रसाद पकाने के लिए मिट्टी के चूल्हे का विशेष महत्व है। ये चूल्हे प्रायः कुम्हार जाति और मुस्लिम समुदाय की महिलाएं ही बनाती हैं। समाज में कुम्हारों को पिछड़ी जातियों में गिना जाता रहा है लेकिन छठ महापर्व के दौरान उनकी कला और श्रम को विशेष सम्मान दिया जाता है। आश्चर्यजनक रूप से, मुस्लिम महिलाएं भी हर साल मिट्टी के चूल्हे बनाकर व्रतियों को बेचती हैं और व्रती इन्हें सहर्ष स्वीकार करते हैं। इस पर्व में यह नहीं देखा जाता है कि चूल्हा किस धर्म के व्यक्ति ने बनाया है। बल्कि, उसकी पवित्रता और सादगी को महत्व दिया जाता है। यह पहल सामाजिक सद्भावना और धार्मिक समन्वय का जीवंत उदाहरण पेश करती है।छठ पूजा का एक महत्वपूर्ण पहलू इसका अनुशासन है। व्रती अपने आहार और जीवनशैली में विशेष संयम बरतते हैं। प्रसाद तैयार करने की पूरी प्रक्रिया में पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जाता है। अनाज को अच्छी तरह से धोना, धूप में सुखाना और पूरी सावधानी से प्रसाद पकाना इस पर्व का अभिन्न हिस्सा है। इस दैरान झूठ और छल-कपट से दूर रहना भी अनिवार्य माना जाता है। क्योंकि, छठी मइया से कुछ भी छिपाना असंभव है। व्रती सूर्य को अर्घ्य देने के बाद भी प्रार्थना में विनम्रता बनाए रखते हैं और किसी गलती के लिए छठी मैया से क्षमा भी मांगते हैं। यह आत्मशुद्धि और आत्मानुशासन का श्रेष्ठ उदाहरण है। छठ पूजा का एक अनूठा पक्ष यह है कि इसमें उगते सूर्य के साथ-साथ डूबते सूर्य को भी अर्घ्य दिया जाता है। डूबते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा इस बात का प्रतीक है कि जीवन के हर पक्ष को समान रूप से सम्मान दिया जाना चाहिए। चूंकि, छठी मैया को प्रकृति की देवी का छठा अंश माना जाता है। इसलिए, यह पूजा प्रकृति और जीवन के प्रति आभार व्यक्त करने का भी एक माध्यम है। अर्घ्य देते समय व्रती जल और दूध से भरे सूप में दीप जलाकर सूर्य देवता का आह्वान करते हैं।

छठ पूजा में प्रसाद ग्रहण करने के बाद व्रती के पैर छूकर आशीर्वाद लेने कीप्रथा है। इसमें कोई भेदभाव नहीं होता कि व्रती किस जाति या धर्म से है। यहां तक कि अगर कोई मुस्लिम भी छठ पूजा करता है तो उसे भी वही सम्मान और स्वीकृति मिलती है। यह परंपरा जाति और धर्म की दीवारों को तोड़कर एक समानता और भाईचारे का संदेश देती है। छठ पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि समाज को एकजुट करने वाला एक महापर्व है। यह पर्व धर्म, जाति और सामाजिक भेदभाव को समाप्त कर मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देता है। बिना किसी पुरोहित के, यह पूजा आत्मानुशासन, पवित्रता और समानता की एक अद्भुत मिसाल पेश करता है। छठ के समय बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और झारखंड के लोग विदेश तक से अपने गांव आकर पूजा करने के लिए दिन गिनते रहते हैं। रास्तों की सफाई, सरोवर या नदी तट की सफाई से लेकर प्रसाद मांगने वाला कोई भी हो सकता है करोड़पति भी मंत्री भी । विनम्रता और स्वच्छता का यह पाठ मूलतः सरोवर की सफाई का वैज्ञानिक त्योहार भी है।

आपकी बात

सामाजिक समरसता के लिए लगातार सक्रिय संघ

उमेश चतुर्वेदी

मौजूदा दौर में शासन की सबसे बेहतरीन व्यवस्था जिस संसदीय लोकतंत्र को माना गया है, उसकी एक कमजोरी है। वोट बैंक की बुनियाद पर ही उसका समूचा दर्शन टिका है, इसलिए समाज को बांटना और उसके जरिए भरपूर समर्थन जुटाना उसकी मजबूरी है। यही वजह है कि कभी वह जानबूझकर, तो कभी अनजाने में समाज को बांटने की कोशिश करती नजर आती है। राजनीति के इन संदर्भों पर जब गौर करते हैं तो उसके ठीक उलट वैचारिकी से आगे बढ़ता हुआ एक संगठन दिखता है। निश्चित तौर पर वह संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है। शतकीय यात्रा की ओर बढ़ रहा संघ हिंदू समाज को एक रखने के ध्येय वाक्य से रंच मात्र भी पीछे नहीं हटा। लेकिन राजनीति को जब भी मौका मिलता है, वह संघ को अपने दायरे में खींचने और उसको सवालों के कठघरे में खड़ा करने की कोशिश करने लगती है। राजनीति को संघ को सवालों के घेरे में लाने का मौका हाल ही में मथुरा में दिए सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले के बयान से मिला है। दत्तात्रेय होसबोले ने हिंदू समाज को एक रखने के संदर्भ में योगी आदित्यनाथ के बयान 'कटोगे तो बंटोगे' का समर्थन किया है। योगी आदित्यनाथ ने पहली बार यह विचार अगस्त महीने में लखनऊ में कल्याण सिंह की याद में आयोजित एक कार्यक्रम में जाहिर किया था। उन दिनों बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का तख्तापलट की घटना ताजा थी। उसके बाद वहां के अल्पसंख्यकों यानी हिंदुओं पर चौतरफा हमले और अत्याचार जारी थे। उसका हवाला देते हुए आदित्यनाथ ने हिंदू समाज को इस नारे के जरिए एक रहने का संदेश दिया था। चूंकि भारतीय राजनीति का एक बड़ा हिस्सा अब भी सेकुलरवाद के चश्मे से ही दुनिया को देखता है, लिहाजा उसके निशाने पर आदित्यनाथ का यह बयान आना ही था। आदित्यनाथ का यह बयान राजनीति की दुनिया के उनके विरोधियों को घोर सांप्रदायिक लगना ही था। और जब इस बयान का दत्तात्रेय होसबोले का भी साथ मिल गया तो सांप्रदायिकता के छद्म विचार के आवरण में राजनीति करने वाली ताकतों को मौका मिलना स्वाभाविक है। संघ को संकुचित अर्थों में हिंदुत्व का समर्थक बताया जाता रहा है। ऐसा करते वक्त सावरकर के उस विचार को भुला दिया जाता है, जो यह बताता है कि भारत वर्ष में जो भी जन्मा है, वह हिंदू है। तीन देशों की सीमाओं में बंट चुके भारत में मौलिक रूप से कोई गैर हिंदू है ही नहीं। पाकिस्तान के पत्रकार वसीम अल्ताफ का ट्वीट दीपावली के दिन एक्स पर चर्चा में रहा। जिसमें उन्होंने लिखा था कि काश उनके भी पूर्वज कुछ और तनकर खड़े रहते तो उन्हें भी होली और दीपावली जैसे उत्साह वाले त्योहार मनाने को मिलते। अपने इस ट्वीट के जरिए एक तरह से वे जाहिर कर रहे थे कि उनके पूर्वज भी हिंदू ही थे। **(ये इनके निजी विचार हैं)**

त्वरित टिप्पणी

यूपी मदरसा एक्ट को 'सुप्रीम' मान्यता

यूपी मदरसा एक्ट वैध है या अवैध? सुप्रीम कोर्ट ने इस पर बड़ा फैसला सुनाते हुए अपनी 'सुप्रीम' मान्यता की मुहर लगा दी है और इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के (22 मार्च 2024) फैसले को पलटते हुए यूपी मदरसा एक्ट की संवैधानिकता को बरकरार रखते हुए मान्यता दी है। अब इस निर्णय से दो बातें पूरी तरह साफ हो गईं हैं, एक- यूपी सरकार की तरफ से संचालित मदरसा बोर्ड सही है। दो- मजहबी शिक्षा के नाम पर इस्लामवादी अपना कुछ भी एजेंडा नहीं चला सकते, जिसकी शिकायतें प्रायः अब तक मदरसा संचालन की आड़ में सामने आती रही हैं। दरअसल, इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने यूपी मदरसा बोर्ड एक्ट को संविधान के मौलिक ढांचे के खिलाफ बताया था। इसके साथ ही 22 मार्च 2024 को इलाहाबाद हाई कोर्ट में जस्टिस विवेक चौधरी और जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार को एक योजना बनाने का भी निर्देश दिया था, ताकि वर्तमान में मदरसों में पढ़ रहे छात्रों को औपचारिक शिक्षा प्रणाली में समायोजित किया जा सके। अपने इस निर्णय में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मदरसा कानून को पूरी तरह से धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन बताते हुए प्रदेश में चल रहे 13 हजार 364 मदरसों में पढ़ाई करने वाले 12 लाख से अधिक छात्रों को राज्य सरकार द्वारा संचालित मान्यता प्राप्त नियमित स्कूलों में प्रवेश दिलाने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पैरवी कर रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराजन ने कहा था कि प्रदेश सरकार यूपी मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम 2004 को समाप्त करने के पक्ष में नहीं है। बल्कि सरकार चाहती है कि बोर्ड अधिनियम से उन प्रावधानों को खत्म कर दिया जाए जो उल्लंघनकारी है। यूपी सरकार इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा मदरसा बोर्ड को लेकर दिए गए आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी। इस दौरान प्रदेश सरकार की ओर पक्ष रख रहे नटराजन ने कहा कि इलाहाबाद हाई कोर्ट को 2004 में बने मदरसा अधिनियम को पूरी तरह से असंवैधानिक घोषित नहीं करना चाहिए था। यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में कहा था कि यूपी मदरसा बोर्ड के जरिए दी जाने वाली कामिल और फाजिल डिग्री न यूनिवर्सिटी की डिग्री के समकक्ष है और न ही बोर्ड की ओर से पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों के समकक्ष है। इस स्थिति में मदरसे के छात्र उन्हीं नौकरियों के लिए योग्य हो सकते हैं, जिनके लिए हाई स्कूल/इंटरमीडिएट योग्यता की जरूरत होती है। पूरे मामले पर सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाते हुए फैसला 22 अक्टूबर सुरक्षित रख लिया था, जिसे आज सुनाया गया है।**(ये इनके निजी विचार हैं)**

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

फेसबुक वॉल से

X से

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें **article.rnmail@gmail.com** कॉल/व्हाट्सएप 82925 53444। **-संपादक**

आज का दोहा

रंग बदलते दिन हुए, अंग बदलती रात।
लोग कई गिरगिट हुए, कई हुए बदजात।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

देश की बात

भारत विरोधी खालिस्तानियों को ट्रूडो सरकार की शह

ललित गर्ग

कनाडा भारत विरोधी गतिविधियों एवं खालिस्तानी अलगाववाद को पोषण एवं पल्लवन देने का बड़ा केन्द्र बनता जा रहा है। खालिस्तानी झंडे लिये प्रदर्शनकारियों ने ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर पर हमला बोला, हिन्दुओं के साथ हिंसक झड़प की, जिन्हें लेकर ट्रूडो सरकार मूक दर्शक बन कर भारत विरोधी तत्वों को शह देती रही है। इसके अलावा कनाडा के प्रमुख शहरों, टोरंटों, वैंकूवर और सरे से मंदिरों पर भी हमले खबरें परेशान करने वाली हैं। सभी जगहों पर हमला खालिस्तान समर्थक अतिवादियों ने किया। इन हमलों ने कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं, वीडियो में मारपीट के दृश्य भी दिखाई दे रहे हैं। जानबूझकर मन्दिर पर किये इन हमलों की घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि कायराना एवं शर्मनाक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन घटनाओं की निन्दा करते हुए ट्रूडो सरकार को चेता कर हिंसा को असहनीय बताया एवं कहा कि ऐसी घटनाएं भारत के संकल्प को कभी कमजोर नहीं कर पायेंगी। निश्चित ही खालिस्तानी पृथकतावादियों को खुली छूट देकर ट्रूडो सरकार दोनों देशों के आपसी संबंधों में कडवाहट घोल रहे हैं। यह विडंबना ही है कि कानून का पालन करने वाले प्रवासी भारतीय सदस्यों की सुरक्षा और संरक्षा दांव पर है। दरअसल, अल्पमत में आई ट्रूडो सरकार राजनीतिक स्वार्थों के लिये निचले स्तर का खेल खेल रही है। वह अगले साल होने वाले आम चुनाव में फिर सरकार बनाने के लिये ऐसे संकीर्ण, विघटनकारी एवं स्वार्थी राजनीतिक हथकंडों को अपनाकर अपने ही पांवों पर कुल्हाड़ी चला रही है। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, भारत-कनाडा संबंधों को बचाने के लिये गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। अब तक के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे भारत-कनाडा संबंधों को सामान्य बनाने के लिये यह अपरिहार्य अनिवार्य शर्त भी है। निश्चित रूप से जस्टिन ट्रूडो सरकार को वहां सक्रिय खालिस्तानी अलगाववादियों को भारत के खिलाफ जहर उगलने के लिये कनाडाई क्षेत्र के दुरुपयोग की अनुमति नहीं देनी चाहिए, क्योंकि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर ट्रूडो सरकार द्वारा उपद्रवियों को संरक्षण देना उसकी राजनयिक और लोकतांत्रिक साख को कमजोर करने वाला कदम ही है। राजनीतिक स्वार्थों के लिये प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो खालिस्तान समर्थकों का सहारा लेकर भारत की एकता और अखंडता को खण्डित करने पर तूले हैं, वे खालिस्तानी अतिवादियों को बेलगाम करके खूद के लिये भी खतरा मोल ले रहे हैं, वे यह समझने को तैयार नहीं कि खालिस्तान समर्थक भारत के साथ-साथ कनाडा के लिए भी खतरा बन सकते हैं। वे पहले से ही ड्रग्स और हथियारों के साथ मानव तस्करी में लिप्त हैं। जस्टिन ट्रूडो को यह समझना होगा कि कनाडा की नागरिकता लिए खालिस्तानी अतिवादी खालिस्तान का कितना ही शोर मचाएं, भारत में उसका कहीं कोई समर्थन नहीं और भारत की एकता पर उसका तनिक भी असर नहीं होने वाला है। गौर करने वाली बात यह है कि ट्रूडो के मुकाबले इस घटना की ज्यादा कड़ी निंदा कनाडा के ओंटारियो सिख ऐंड गुरुद्वारा कौंसिल ने की है। वैसे यह भी ध्यान रखना होगा कि मंदिरों में जिन पर हमला हुआ, वे भी कनाडा के ही नागरिक हैं। जस्टिन ट्रूडो ने जितनी सक्रियता खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर के मामले में दिखाई, उतनी इस मामले में भी दिखाते, तो शायद चीजें बदल सकती थीं, जो उनके लिये ज्यादा राजनीतिक लाभकारी होती। यह एक विडंबना ही है कि कुछ दशक पहले तक खालिस्तान के जिस पागलपन ने भारत को काफी परेशान किया था, पंजाब एवं समूचा देश लम्बे समय तक खालिस्तानी आतंकवाद का शिकार रहा और अब जब भारत से उसका नामो-निशान तक मिट चुका है, तो कनाडा में उसे जोर-शोर से पाला-पोसा जा रहा है।**(ये इनके निजी विचार हैं)**

बोधि वृक्ष

निश्चय कर लें कि आप अब मनोदशाओं में और अधिक ग्रस्त नहीं होंगे, और यदि आपके निश्चय करने पर भी कोई मनोदशा आ घेरे, तो इसके आने के कारण का विश्लेषण करें, और इस विषय में कुछ रचनात्मक कदम उठाएं।

नकारात्मक मनोदशाओं से मुक्ति

ऐसे में, आपको उचित जीवनयापन के नियमों का पालन करने का प्रयत्न करना चाहिए जो आपको एक स्वस्थ क्रियाशील और नैतिक जीवन की ओर ले जाते हैं, और ईश्वर की आरोग्य शक्ति में गहन विश्वास के लिए प्रार्थना करें। अथवा, मान लें कि आपकी मनोदशा यह विश्वास है कि आप एक असफल व्यक्ति हैं, और किसी भी काम में कदापि सफल नहीं हो सकते। समस्या का विश्लेषण करें और जाँच करें कि क्या वास्तव में आपने वे समस्त प्रयास कर लिए हैं जिन्हें आप कर सकते थे। आप अपनी मनोदशाओं पर विजय प्राप्त कर सकते हैं, चाहे वे कितने भी भयानक क्यों न लगती हों। निश्चय कर लें कि आप अब मनोदशाओं में और अधिक ग्रस्त नहीं होंगे; और यदि आपके निश्चय करने पर भी कोई मनोदशा आ घेरे, तो इसके आने के कारण का विश्लेषण करें, और इस विषय में कुछ रचनात्मक कदम उठाएँ। रचनात्मक चिन्तन मनोदशाओं के लिए सबसे अच्छी विषहर औषधि है। मनोदशाएँ आपकी चेतना पर अपनी पकड़ तब बनाती हैं जब आप नकारात्मक अथवा निष्क्रिय मनोस्थिति में होते हैं। जब आपका मन खाली होता है, तो ठीक वही समय है जब वह मनोदशाओं में ग्रस्त हो सकता है, और जब आप मनोदशाओं में होते हैं, तब माया आकर आप पर अपना प्रभाव डाल देती है। इसलिए, रचनात्मक चिन्तन को विकसित करें। जिस समय आप शारीरिक रूप से क्रियाशील न हों उस समय अपने मन में कुछ रचनात्मक कार्य करें। **(क्रमशः)**

श्री श्री परमहंस योगानंद

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. **RNI.** 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : **news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com**
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

'नहाए-खाए' के दिन घाटों पर भीड़, तो कहीं वेदी बनाने में दिखा वीवीआईपी कल्चर

एजेंसी। पटना (आईएएनएस)

'नहाए-खाए' के साथ मंगलवार को छठ पूजा की शुरुआत हो गई है। उत्तर भारत में आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर खास तैयारी देखने को मिल रही है। बिहार की राजधानी पटना और उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी में भी इस पर्व को लेकर काफी रौनक देखने को मिल रही है। 'नहाए-खाए' के साथ 4 दिवसीय छठ पूजा की शुरुआत हो गई है। इस दिन श्रद्धालु अपने घरों की सफाई करने के बाद घाटों पर जाते हैं, वहां पर स्नान करके गंगा मां की पूजा करते हैं। नहाए खाए को लेकर बिहार की राजधानी पटना के कई घाटों पर श्रद्धालुओं की काफी संख्या देखने को मिली। घाट पर स्नान करने आईं एक श्रद्धालु शिल्पी सोनी ने आईएएनएस को बताया कि वह दीदी के यहां छठ पूजा करने आई हैं। आज 'नहाए-खाए' के दिन गंगा स्नान करके प्रसाद बनता है। कद्दू का दाल और अरवा चावल

बनता है। छठ को लेकर आज घाट पर बहुत भीड़ है, कल खरना होगा, परसो और ज्यादा भीड़ होगी, क्योंकि उस दिन पहला अर्घ्य होगा। छठ को लेकर बहुत तैयारी की गई है। प्रशासन द्वारा घाटों की साफ-सफाई की गई है, जो बहुत अच्छी बात है। एक अन्य श्रद्धालु सुप्रिया सोनी ने आईएएनएस को बताया कि वह पहली बार छठ कर रही हैं और बहुत खुशी है। 'नहाए-खाए' के दिन गंगा स्नान करके घर पर प्रसाद बनाते हैं। प्रसाद को खुद ग्रहण करते हैं और लोगों को बांटते हैं। उन्होंने कहा कि छठ को अब बाहर भी मनाया जाता है, लेकिन खासकर बिहारी लोगों के लिए यह गर्व का पल होता है। इसके अलावा, वाराणसी के घाटों और पवित्र जलाशयों में वेदी बनाने का काम हो रहा है। वहीं, कई जगहों पर वीवीआईपी कल्चर देखने के लिए मिल रहा है, जहां पर लोग वेदी बनाते समय यूपी पुलिस, यूपी सरकार आदि चीजों को लिख रहे हैं। छठ पूजा को लेकर वेदी बना रहे एक श्रद्धालु अश्विनी सिंह ने आईएएनएस को बताया कि वेदी बनाकर हम लोग चले जाएंगे। यहां पर नाम लिख देंगे, जिससे की पूजा वाले दिन कोई परेशानी नहीं हो। उन्होंने पूजा में वीवीआईपी कल्चर का विरोध करते हुए कहा कि लोग अपना साधारण नाम भी लिख सकते हैं। एक अन्य श्रद्धालु अनुराग ने बताया कि अपना नाम लिखकर हम लोग अपना स्थान पक्का कर लेते हैं कि हमको यहां पर पूजा करना है। वेदी बनाते समय वीवीआईपी कल्चर पर उन्होंने कहा कि ये वाराणसी में ज्यादा देखने को मिलता है। छठ वाले दिन भीड़ होने की वजह से उनकी भी जगह घिर जाती है। उन्होंने आगे कहा कि वीवीआईपी कल्चर से यहां पर कुछ होता नहीं, बनारस में सभी लोग वीआईपी हैं।

छठ घाट की सफाई के दौरान डूबने से तीन बच्चों की मौत

एजेंसी। भागलपुर (आईएएनएस)

लोकआस्था के महापर्व छठ की मंगलवार को शुरुआत हो चुकी है। इस दौरान भागलपुर में एक दर्दनाक हादसा हो गया जहां छठ घाट की सफाई के दौरान तीन लोगों की गंगा नदी में डूबने से मौत हो गयी। पुलिस के अनुसार, यह घटना बड़ी मोहनपुर दियारा क्षेत्र की है जहां एक ही परिवार के चार बच्चे गंगा तट पर छठ की सफाई और स्नान करने गए थे। इसी क्रम में एक बच्चा नदी की तेज धारा में डूबने लगा। इसी क्रम में अन्य तीन बच्चे उसे बचाने के लिए पानी के तेज बहाव में पहुंच गए। इस घटना में एक बच्चे को तो किसी तरह बचा लिया गया लेकिन तीन बच्चों की मौत हो गयी। सभी मृतक एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मृतकों में मौसम कुमारी, जीतन कुमार और आशुतोष कुमार शामिल हैं। पुलिस ने सभी शवों को गंगा से बरामद कर लिया है। कहलगांव के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) अर्जुन कुमार गुप्ता ने बताया कि हादसे में कुल चार बच्चे डूबे थे। तीन को अस्पताल लाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। बताया गया कि जीतन कुमार अपनी बुआ के घर छठ पर्व मनाने आया था और मंगलवार को अन्य बच्चों के साथ घाट पर सफाई करने के क्रम में यह हादसा हो गया। पुलिस ने सभी शवों को अपने कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ ने बदला इलाहाबाद हाई कोर्ट का फैसला

यूपी मदरसा एक्ट संवैधानिक : सुप्रीम कोर्ट

- उच्च शिक्षा को लेकर यूपी मदरसा एक्ट के प्रावधान को असंवैधानिक करार दिया

व्यूरो। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी मदरसा एक्ट को संवैधानिक करार दिया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने यूपी मदरसा एक्ट को असंवैधानिक घोषित करने वाले इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले को निरस्त कर दिया। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने उच्च शिक्षा को लेकर यूपी मदरसा एक्ट के प्रावधान को यूजीसी एक्ट के प्रतिकूल मानते हुए उस प्रावधान को असंवैधानिक करार दिया है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 22 अक्टूबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। यूपी सरकार का कहना था कि मदरसा एक्ट को पूरी तरह रद्द करने का फैसला ठीक नहीं था। इसके सिर्फ उन प्रावधानों की समीक्षा हो सकती है, जो मूल अधिकारों के खिलाफ जाते हैं। एक्ट में जरूरी बदलाव किए जा सकते हैं, पर इसे पूरी तरह रद्द करना ठीक नहीं था। सुप्रीम कोर्ट ने 5 अप्रैल को इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हाई कोर्ट के इस आदेश से 17 लाख छात्रों के भविष्य पर असर पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि इस मामले पर विचार करते समय हाई कोर्ट ने कानून की गलत व्याख्या की। एक मदरसे के मैनेजर अंजुम कादरी और अन्य की ओर से दायर इस याचिका में इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच के फैसले पर सवाल उठाते हुए इसे मनमाना बताया गया था। याचिका में कहा गया है कि इस फैसले के चलते मदरसों में पढ़ रहे लाखों बच्चों के भविष्य पर सवालिया निशान लग गए हैं। लिहाजा, जब तक सुप्रीम कोर्ट मदरसा एक्ट की संवैधानिक वैधता पर फैसला लेता है, तब तक हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगे। दरअसल, 22 मार्च को इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 को असंवैधानिक और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के खिलाफ बताया था। मुलायम सिंह यादव के मुख्यमंत्री रहते हुए ये कानून पारित किया गया था। हाई कोर्ट ने राज्य में मदरसों और उनमें पढ़ने वाले छात्रों की बड़ी संख्या के मद्देनजर यूपी सरकार से कहा था कि वो मदरसों में पढ़ रहे बच्चों को औपचारिक शिक्षा देने वाले दूसरे स्कूलों में शामिल करें। इसके लिए अगर जरूरत हो तो नए स्कूल खोले जाएं। अक्टूबर 2023 में उत्तर प्रदेश सरकार ने मदरसों की विदेश से हो रही फंडिंग की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था। एसआईटी ने अपनी जांच रिपोर्ट में 8 हजार मदरसों पर कार्रवाई की सिफारिश की थी। रिपोर्ट के मुताबिक सीमावर्ती इलाकों में 80 मदरसों को 100 करोड़ से ज्यादा का विदेशी फंड मिला है।

हर निजी संपत्ति नहीं ले सकती सरकार

नई दिल्ली (व्यूरो)। क्या सरकार को निजी संपत्ति का अधिग्रहण कर उसका दोबारा वितरण करने का अधिकार है। इस सवाल पर सुप्रीम कोर्ट के 9 जजों की बेंच ने 8:1 के बहुमत से कहा कि हर निजी संपत्ति को सामुदायिक संपत्ति कह कर अधिग्रहण नहीं कर सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि संपत्ति की स्थिति, सार्वजनिक हित में उसकी जरूरत और उसकी कमी जैसे सवालों पर विचार जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस कृष्ण अय्यर के पिछले फैसले को बहुमत से खारिज कर दिया, जिसमें सभी निजी स्वामित्व वाले संसाधनों को राज्य द्वारा अधिग्रहित किया जा सकता है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि सभी निजी स्वामित्व वाले संसाधनों को राज्य द्वारा अधिग्रहित नहीं किया जा सकता है। भले ही राज्य उन संसाधनों पर दावा कर सकता है जो सामग्री हैं और समुदाय द्वारा सार्वजनिक भलाई के लिए हैं। चीफ जस्टिस ने फैसला पढ़ते हुए कहा कि पुराना फैसला विशेष आर्थिक और समाजवादी विचारधारा से प्रेरित था। सभी निजी स्वामित्व वाले संसाधनों को राज्य द्वारा अधिग्रहित किया जा सकता है। चीफ जस्टिस ने कहा कि हम मानते हैं कि अनुच्छेद 31सी को केशवानंद भारती मामले में जिस हद तक बरकरार रखा गया था, वह बरकरार है और हम सभी इस पर एकमत हैं। अनुच्छेद 31सी लागू रहेगा। चीफ जस्टिस ने कहा कि प्रॉपर्टी के निरस्तीकरण को प्रभावी बनाना और अधिनियमन नहीं करना विधायी इरादे से मेल नहीं खाता और ऐसा करना मूल प्रावधान को छोटा कर देगा। कोर्ट ने कहा कि 42वें संशोधन की धारा चार का उद्देश्य अनुच्छेद 39बी को निरस्त करना और उसी समय प्रतिस्थापित करना था। सभी निजी संपति समुदाय के भौतिक संसाधन नहीं हो सकते। हालांकि, कुछ संपति भौतिक ससाधन हो सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि 1960 और 70 के दशक में समाजवादी अर्थव्यवस्था की ओर झुकाव था, लेकिन 1990 के दशक से बाजार उन्मुख अर्थव्यवस्था की ओर ध्यान केंद्रित किया गया। भारत की अर्थव्यवस्था की दिशा किसी विशेष प्रकार की अर्थव्यवस्था से दूर है, बल्कि इसका उद्देश्य विकासशील देश की उभरती चुनौतियों का सामना करना है। पिछले 30 सालों में गतिशील आर्थिक नीति अपनाने से भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षकारों से जवाब मांगा

नई दिल्ली (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में ट्रायल कोर्ट से हाई कोर्ट ट्रांसफर की गई 18 याचिकाओं को सुनवाई योग्य मानने के इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले को मुस्लिम पक्ष की ओर से चुनौती देने वाली याचिका पर आज सुनवाई टाल दी। जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस पहलू पर पक्षकारों से जवाब मांगा कि हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिका क्या हाई कोर्ट में ही हो सकती है। इस मामले में हिंदू पक्ष ने पहले ही कैविएट दाखिल कर रखी है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने 1 अगस्त को मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह विवाद मामले में 18 याचिकाओं को सुनवाई योग्य माना था। हाई कोर्ट ने इन 18 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की मांग भी मंजूर कर ली थी। हिंदू पक्ष की ओर से दाखिल इन 18 याचिकाओं में विवादित स्थल को श्रीकृष्ण जन्मभूमि बता कर उसे हिंदुओं को सौंपने की मांग की गई है।

मदरसा बोर्ड पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का मौलाना महमूद मदनी ने किया स्वागत

एजेंसी। नई दिल्ली (आईएएनएस)

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने मंगलवार को मदरसा बोर्ड पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया जाना चाहिए। हमारी अदालतों और खास तौर पर निचली अदालतों से शिकायत है कि उनके फैसले बहुत से मामलों में इंसाफ के खिलाफ आते हैं। उन्होंने कहा कि इसी तरह का एक फैसला हाईकोर्ट ने किया था, जिसमें इनको गैरकानूनी करार दिया गया था और मदरसे को चलाने के निजाम को ही असंवैधानिक कहा गया था। आज सुप्रीम कोर्ट ने कुछ ऑब्जरवेशन के साथ एक अच्छा फैसला किया है। हम इस फैसला का स्वागत करते हैं। सीजेआई ने अपने ऑब्जरवेशन में कहा है कि जियो और जीने दो। ये जुमला बहुत मायने रखता है। आज की तारीख में भारत का मुसलमान खुद को हतोत्साहित महसूस (डेमोरलाइज्ड फील) कर रहा है। इसके तमाम कारण हैं। ऐसे में मैं समझता है कि ये फैसला सभी के लिए इत्मीनान बख्श होगा। मैं यूपी मदरसा बोर्ड एसोसिएशन, टीचर्स एसोसिएशन को उनकी लड़ाई के लिए मुबारकबाद देता हूं। बता दें कि मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश का मदरसा एक्ट संवैधानिक है या असंवैधानिक फैसला सुनाया। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने यूपी मदरसा बोर्ड एक्ट 2004 को संवैधानिक घोषित कर दिया। हालांकि, कुछ प्रावधानों को छोड़ा गया है लेकिन 'यूपी मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004' की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा गया है। डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ में न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे।

महाकुंभ 2025 को दिव्य और भव्य के साथ सुरक्षित बनाने का लक्ष्य

एजेंसी। प्रयागराज

- रेलवे स्टेशनों पर लगेंगे एफआर कैमरे, एआई तकनीक की मदद से करेंगे संदिग्धों की पहचान

महाकुंभ 2025 को दिव्य और भव्य के साथ सुरक्षित महाकुंभ बनाने का लक्ष्य डबल इंजन सरकार ने रखा है। इसके तहत न केवल मेला क्षेत्र बल्कि प्रयागराज के रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। महाकुंभ में लगभग 10 करोड़ लोगों का ट्रेन से आने का अनुमान है। इसे लेकर रेलवे सुरक्षा और व्यवस्था के सारे इंतजाम कर रही है। प्रयागराज रेल मंडल द्वारा महाकुंभ के दौरान रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा के लिए पहली बार सीसीटीवी कैमरों के साथ एफआर कैमरे भी लगाए जा रहे हैं। एफआर कैमरे एआई की मदद से संदिग्ध गतिविधियों और अराजक तत्वों पर नजर रखने में कारगर हैं। एफआर कैमरे एआई तकनीक से काम करते हैं। प्रयागराज रेल मण्डल के पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए महाकुंभ को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए प्रयागराज रेल मंडल सुरक्षा के सारे इंतजामों के साथ एआई बेस्ड एफआर कैमरे भी लगा रहा है। फेस रिकग्निशन या एफआर कैमरे एआई तकनीक की मदद से चेहरे की पहचान करने में सक्षम होते हैं। ये आसानी से संदिग्धों को भीड़ में भी पहचान कर तलाश लेते हैं। जिससे भीड़ में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों या भगदड़ जैसी स्थिति को बनने से पहले काबू किया जा सकता है। एफआर कैमरे किसी भी असामान्य घटना को आसानी से पकड़ सकते हैं, उन पर तत्काल प्रतिक्रिया कर दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। प्रयागराज रेल मंडल के पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि महाकुंभ के दौरान रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा के लिए लगभग 650 सीसीटीवी कैमरों के साथ पहली बार 100 एफआर कैमरे भी लगाए जाएंगे।

हैदराबाद में एक और मंदिर में तोड़फोड़, पुलिस जांच में जुटी

हैदराबाद। हैदराबाद के बाहरी इलाके शमशाबाद में एक मंदिर में मंगलवार को तोड़फोड़ की गई। सुबह जब एयरपोर्ट कॉलोनी स्थित मंदिर के पुजारी दैनिक अनुष्ठान के लिए आए तो उन्हें मूर्तियां खंडित मिलीं। पुजारी और स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस को संदेह है कि शरारती तत्वों ने सोमवार देर रात मंदिर में घुसकर तोड़फोड़ की। सूचना मिलने पर स्थानीय भाजपा नेता भी मंदिर पहुंचे और इस मामले में शामिल लोगों को कड़ी सजा देने की मांग की। पुलिस ने कथित तौर पर एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। बता दें कि तीन हफ्ते पहले सिकंदराबाद के मुथ्यालम्मा मंदिर में तोड़फोड़ की घटना सामने आई थी। 14 अक्टूबर को मार्केट पुलिस स्टेशन के अंतर्गत कुम्मारगुडा स्थित श्री मुथ्यालम्मा मंदिर में एक व्यक्ति ने घुसकर मूर्ति को क्षतिग्रस्त कर दिया था।

आज का राशिफल

मेष : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा।

वृष : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा।

मिथुन : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

कर्क : सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

सिंह : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे।

कन्या : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा।

तुला : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी।

वृश्चिक : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें, क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

धनु : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी।

मकर : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। सफलता मिलेगी।

कुंभ : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। सफलता मिलेगी।

मीन : अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगे। सुख-आनंद कारक समय है।

चावल, मक्का और मूंगफली के भी रिकार्ड उत्पादन का है अनुमान

खरीफ की मुख्य फसलों का होगा 1647 लाख टन रिकार्ड उत्पादन

- चार मुख्य राज्यों के लिए डिजिटल क्रॉप सर्वे आधारित क्षेत्रफल का प्रयोग

नवीन मेल न्यूज नेटवर्क

रांची/नई दिल्ली। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए मुख्य कृषि फसलों (केवल खरीफ) के उत्पादन के प्रथम अग्रिम अनुमान जारी कर दिए गए हैं। ये अनुमान मुख्यतः राज्यों से प्राप्त जानकारी के आधार पर तैयार किए गए हैं। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा मंगलवार को नई दिल्ली में बताया गया कि राज्यों से प्राप्त फसलों के क्षेत्रफल को रिमोट सेंसिंग, साप्ताहिक फसल मौसम निगरानी समूह और अन्य एजेंसियों से प्राप्त जानकारी के साथ सत्यापित किया गया है। इसके अलावा, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने उद्योग और अन्य सरकारी विभागों के प्रतिनिधियों के साथ वर्तमान खरीफ मौसम के लिए उनकी राय और विचार प्राप्त करने के लिए हितधारक परामर्श करने की पहल की है। अनुमानों को अंतिम रूप देते समय इन पर भी विचार किया गया है। पहली बार डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन के तहत राज्य सरकारों के सहयोग से किए जा रहे डिजिटल क्राप सर्वे (डीसीएस) के आंकड़ों का उपयोग क्षेत्रफल के अनुमानों को तैयार करने के लिए किया गया है। यह सर्वे, जो मैनुअल गिरदावरी प्रणाली को प्रतिस्थापित करने के लिए परिकल्पित किया गया है, मजबूत फसल क्षेत्रफल अनुमान प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात और ओडिशा राज्यों जिसमें खरीफ 2024 में शत प्रतिशत जिलों को डीसीएस के अंतर्गत कवर किया गया है। परिणामस्वरूप विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में चावल के अंतर्गत क्षेत्रफल में काफी वृद्धि हुई है। प्रथम अग्रिम अनुमान के अनुसार वर्ष 2024-25 के दौरान कुल खरीफ खाद्यान्न उत्पादन 1647.05 लाख टन अनुमानित है, जो पिछले वर्ष के खरीफ खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में 89.37 लाख टन अधिक एवं औसत खरीफ खाद्यान्न उत्?पादन की तुलना में 124.59 लाख टन अधिक है। चावल, ज्वार और मक्का के अच्छे उत्पादन के कारण खाद्यान्न उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि देखी गई। वर्ष 2024-25 के दौरान खरीफ चावल का उत्पादन 1199.34 लाख टन अनुमानित है, जो पिछले वर्ष के खरीफ चावल उत्पादन से 66.75 लाख टन अधिक एवं औसत खरीफ चावल उत्पादन से 114.83 लाख टन अधिक है। खरीफ मक्का का उत्पादन 245.41 लाख टन एवं खरीफ पोषक यानी मोटे अनाजों का उत्पादन 378.18 लाख टन अनुमानित है। इसके अलावा 2024-25 के दौरान कुल खरीफ दलहनों का उत्पादन 69.54 लाख टन अनुमानित है। वर्ष 2024-25 के दौरान देश में कुल खरीफ तिलहन उत्पादन 257.45 लाख टन अनुमानित है, जो पिछले वर्ष के खरीफ तिलहन उत्पादन की तुलना में 15.83 लाख टन अधिक है। वर्ष 2024-25 के लिए खरीफ मूंगफली का उत्पादन 103.60 लाख टन एवं सोयाबीन का उत्पादन 133.60 लाख टन अनुमानित है। इस दौरान देश में गन्ने का उत्पादन 4399.30 लाख टन अनुमानित है। कपास का उत्पादन 299.26 लाख गांठें (प्रति गांठ 170 किग्रा.) अनुमानित है। पटसन एवं मेस्ता का उत्पादन 84.56 लाख गांठें (प्रति गांठ 180 किग्रा) अनुमानित है। फसलों की उपज के अनुमान मुख्य रूप से पिछली प्रवृत्तियों तथा सामान्य उपज, अन्य जमीनी स्तर के इनपुट और अपेक्षाओं पर आधारित हैं। यह उपज फसल कटाई समय के दौरान फसल कटाई प्रयोगों के जरिए प्राप्त वास्तविक उपज के आधार पर संशोधित की जाएगी, जो अंततः उत्पादन अनुमानों में परिलक्षित होगी।

खरीफ फसलों के उत्पादन का अनुमानित विवरण

खरीफ
- चावल : 1199.34 लाख टन (रिकार्ड)
- मक्का : 245.41 लाख टन (रिकार्ड)
- पोषक/मोटे अनाज : 378.18 लाख टन
- कुल खरीफ खाद्यान्न : 1647.05 लाख टन (रिकार्ड)

दलहन
- तूर : 35.02 लाख टन
- उड़द : 12.09 लाख टन
- मूंग : 13.83 लाख टन
- कुल दलहन : 69.54 लाख टन

तिलहन
- मूंगफली : 103.60 लाख टन
- सोयाबीन : 133.60 लाख टन
- कुल तिलहन : 257.45 लाख टन

अन्य फसलें :
- गन्ना : 4399.30 लाख टन
- कपास : 299.26 लाख गांठें (प्रति गांठ 170 कि.ग्रा.)
- पटसन एवं मेस्ता : 84.56 लाख गांठें (प्रति गांठ 180 कि.ग्रा.)

नए कानून समकालीन समाज की चुनौतियों का समाधान करते हैं : लोकसभा अध्यक्ष

एजेंसी। नई दिल्ली (हि.स.)

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कहा कि तीन नए आपराधिक कानून सदन और स्थायी समिति में विस्तृत विचार-विमर्श और जनभागीदारी के बाद पारित किए गए हैं। तीनों नए आपराधिक कानून समकालीन समाज की चुनौतियों और आशाओं के अनुरूप हैं। इन कानूनों के विषय में जानकारी देने के लिए संसद भवन परिसर में संवैधानिक तथा संसदीय अध्ययन संस्थान (आईसीपीएस) द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 83 दूतावासों के 135 राजनयिकों और पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि टेक्नोलॉजी और अपराधों के स्वरूप में आए बदलावों के अनुरूप इन कानूनों का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत का कानून अंतिम व्यक्ति को न्याय का अधिकार देता है और आम जनता न्यायाधीश को भगवान के रूप में देखती है। न्याय पर जनता का अति विश्वास है, जो 75 वर्षों की यात्रा में और अधिक मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि आज के वैश्विक माहौल में एक-दूसरे के देशों के कानूनी ढांचे और मूल्यों को समझना जरूरी है। इससे राजनयिक दक्षता और राष्ट्रों के बीच आपसी समझ बढ़ती है। बिरला ने कार्यक्रम में भाग ले रहे विभिन्न देशों के राजनयिकों को सुझाव दिया कि वे भारत के लीगल स्ट्रक्चर, संसद की कार्यवाही और भारत के डेमोक्रेटिक सिस्टम की समझ रखें। बिरला ने कहा कि पिछले 75 वर्षों में हमारी विधायी प्रक्रिया में जनता का विश्वास लगातार बढ़ा है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती और शासन की बढ़ती जवाबदेही को दर्शाता है। विधायी कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और समावेशिता के प्रति प्रतिबद्धता से यह विकास हुआ है। विधि निमार्ताओं ने समाज की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए लगातार काम किया है, अधिकारों की रक्षा करने वाले, न्याय को बढ़ावा देने वाले और आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने वाले कानून बनाए हैं।

शरद पवार ने संसदीय राजनीति से संन्यास लेने का दिया संकेत

एजेंसी। मुंबई (हि.स.)

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने मंगलवार को संसदीय राजनीति से संन्यास लेने का इरादा व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि उनके राज्यसभा के कार्यकाल का डेढ़ साल बचा है, इसलिए अब मुझे दोबारा राज्यसभा में जाने के लिए सोचना होगा। पार्टी के भीतर नया नेतृत्व तैयार करना जरूरी है, इसलिए उन्होंने यह पहल खुद से करने का निर्णय लिया है। बारामती विधानसभा में महाविकास आघाड़ी के उम्मीदवार युगेंद्र पवार की चुनावी सभा को संबोधित करते हुए शरद पवार ने कहा कि उन्होंने 1967 से संसदीय राजनीति शुरू की और इसी क्षेत्र से विधायक बने थे। मैं तीस साल बाद अजीत पवार को इस क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपकर केंद्रीय राजनीति में चला गया था। शरद पवार ने कहा कि विधानसभा और लोकसभा दोनों जगह कुल मिलाकर मैंने 14 बार चुनाव लड़ा और आप लोगों ने मुझे घर नहीं बैठाया। मैंने चुनाव न लड़ने का निर्णय पहले ही ले लिया था।

वाराणसी में पत्नी और तीन बच्चों की गोली मारकर हत्या

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के भेलूपुर थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात एक व्यक्ति ने पत्नी और तीन बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपित मौके से फरार हो गया। मंगलवार को मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस टीम पहुंची और मामले की जांच में जुट गयी। पुलिस के मुताबिक भदैनी गांव में रहने वाले राजेन्द्र गुप्ता ने पत्नी नीतू (45), बेटे नवेन्द्र गुप्ता (25), सुबेंद्र गुप्ता (15) और बेटी गौरंगी गुप्ता (16) की गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात के बाद वह फरार हो गया। राजेंद्र के घर में 20 किरायेदार रहते हैं, लेकिन किसी को भी भनक नहीं लगी।

भारत ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए औपचारिक रूप से आशय पत्र भेजा

नई दिल्ली। भारत को खेल महाशक्ति बनाने के दृष्टिकोण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने 1 अक्टूबर को भावी मेजबान आयोग, अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) को औपचारिक रूप से आशय पत्र भेजा है, जिसमें 2036 में ओलंपिक और पैरालिंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत की रुचि व्यक्त की गई है। सूत्रों ने आईएएनएस को यह जानकारी दी। सूत्र ने कहा, भारत में 2036 में ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण ने एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया है।

सूत्र ने कहा, यह महत्वपूर्ण अवसर देश भर में आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति और युवा सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए पर्याप्त लाभ ला सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई अवसरों पर 2036 ओलंपिक और पैरालिंपिक खेलों की मेजबानी में भारत की रुचि व्यक्त की है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर पेरिस ओलंपिक के खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे 2036 में होने वाले इस भव्य आयोजन की तैयारियों के लिए अपने सुझाव देने को कहा था।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था, भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी की तैयारी कर रहा है। इस संबंध में, पिछले ओलंपिक में खेल चुके खिलाड़ियों से मिले सुझाव बहुत महत्वपूर्ण हैं। आप सभी ने कई चीजों को देखा और अनुभव किया होगा। हम इसे दस्तावेज में दर्ज करना चाहते हैं और सरकार के साथ साझा करना चाहते हैं, ताकि 2036 की तैयारी में हम कोई छोटी-मोटी जानकारी न चूकें।

हॉकी इंडिया लीग ने अपनी वेबसाइट का किया शुभारंभ

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) ने मंगलवार को 2024-2025 के एचआईएल वेबसाइट का शुभारंभ और बहुप्रतीक्षित सीजन के कार्यक्रम की घोषणा की। 28 दिसंबर को एचआईएल का पहला मैच राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में दिल्ली एसजी पाइपर्स और गोनासिका के बीच खेला जाएगा। हाल ही में लॉन्च की गई एचआईएल वेबसाइट के जरिये दुनिया भर के प्रशंसकों को लीग की ताजा खबरें, मैच शेड्यूल, पूरी टीम की सूची और विशेष वीडियो प्रदान की जाएंगी। एक आकर्षक और मनोरंजक अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई, यह वेबसाइट एचआईएल से जुड़ी सभी चीजों के लिए अंतिम स्रोत होगी, जो प्रशंसकों, खिलाड़ियों और हॉकी के प्रति उत्साही लोगों को पहले से कहीं ज्यादा खेल के करीब रखेगी।

पाकिस्तान को एडिलेड में छोटी बाउंड्री के साथ रणनीति बदलनी पड़ सकती है: मैथ्यू शॉर्ट

एडिलेड (आईएएनएस)। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट को लगता है कि वनडे सीरीज के पहले मैच में शॉर्ट बॉलिंग करने की पाकिस्तान की रणनीति एडिलेड में दूसरे मैच में काम नहीं आएगी, क्योंकि चौकोर बाउंड्री छोटी हैं। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस राउफ ने लगातार गेंदों पर मार्नस लाबुशेन और ग्लेन मैक्सवेल के विकेट लेकर शॉर्ट बॉलिंग का फायदा उठाया, जिससे मेजबान टीम को 204 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा, लेकिन पैट कमिंस ने शानदार मैच जिताऊ पारी खेलकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली।

मैनचेस्टर यूनाइटेड में जाने से पहले एमोरिम ने कहा- गार्डियोला दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कोच

लिस्बन(हि.स.)। स्पोर्टिंग लिस्बन के कोच रूबेन एमोरिम, जो अगले सप्ताह मैनचेस्टर यूनाइटेड का कार्यभार संभालेंगे, ने सोमवार को मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर पेप गार्डियोला को विश्व का सर्वश्रेष्ठ कोच बताया। पुर्तगाली खिताब धारक मंगलवार को चैंपियंस लीग में मैनचेस्टर सिटी का सामना करेंगे, जो स्पोर्टिंग के प्रभारी एमोरिम के अंतिम मैच से पहले होगा। एमोरिम ने सोमवार को स्पोर्ट टीवी से कहा,मैनचेस्टर सिटी के पास दुनिया की सबसे अच्छी टीम और दुनिया का सबसे अच्छा कोच है। मैनचेस्टर सिटी ने 2022 में प्रतियोगिता के अंतिम 16 में स्पोर्टिंग को कुल मिलाकर 5-0 से हराया और एमोरिम ने कहा कि तब से एक कोच के रूप में सुधार के बावजूद, उनके और गार्डियोला के बीच अभी भी एक अंतर है। एमोरिम ने कहा, मुझे लगता है कि मैं अब एक बेहतर कोच हूं, दुर्भाग्य से मुझे लगता है कि पेप गार्डियोला भी एक बेहतर कोच बन गए हैं, इसलिए अंतर बना हुआ है। पेप गार्डियोला हम में से कई कोचों के साथ-साथ अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणास्रोत थे। सिटी ने लगातार चार सीजन प्रीमियर लीग जीती है, रिकॉर्ड 20 बार के इंग्लिश चैंपियन मैनचेस्टर यूनाइटेड ने आखिरी बार 2013 में इसे जीता था, जब मैनेजरियल महान एलेक्स फर्ग्यूसन शीर्ष पर थे। गार्डियोला ने 2023 में सिटी के साथ चैंपियंस लीग जीती और यूनाइटेड के प्रतिद्वंद्वियों को छह लीग जीत दिलाई। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने स्पोर्टिंग को 11 मिलियन यूरो (12 मिलियन डॉलर) का भुगतान किया ताकि यूरोपीय फुटबॉल में सबसे रोमांचक और उच्च श्रेणी के युवा कोचों में से एक को सुरक्षित किया जा सके।

भारतीय मुक्केबाज मनदीप जांगड़ा ने डब्ल्यूबीएफ का विश्व खिताब जीता

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय पेशेवर मुक्केबाज मनदीप जांगड़ा ने केमैन आइलैंड में ब्रिटेन के कोनोर मैकिन्टोश को हराकर विश्व मुक्केबाजी महासंघ (डब्ल्यूबीएफ) का सुपर फेदरवेट विश्व खिताब जीता। पूर्व ओलंपिक रजत पदक विजेता रॉय जोन्स जूनियर से प्रशिक्षण लेने वाले 31 वर्षीय जांगड़ा ने अपने पेशेवर करियर में अब तक केवल एक हार का सामना किया है। ब्रिटिश मुक्केबाज के खिलाफ मुकाबले में अधिकतर राउंड में उनका पलड़ा भारी रहा। जांगड़ा ने शुरू से ही दमदार मुक्के जमाए और पूरे 10 राउंड में अपना दमखम बरकरार रखा। दूसरी तरफ ब्रिटिश मुक्केबाज को गति बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा। कॉनर ने वापसी की कोशिश की, लेकिन जांगड़ा ने अधिकतर राउंड में बढ़त बनाए रखी। हरियाणा के रहने वाले जांगड़ा ने 2021 में पेशेवर मुक्केबाजी में पदार्पण किया। उन्हें उम्मीद है कि यह खिताब अधिक भारतीय मुक्केबाजों को पेशेवर बनने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह खिताब देश के अन्य मुक्केबाजों के लिए रास्ता खोलेगा और वे पेशेवर मुक्केबाजी में अपना करियर बनाने का फैसला भी करेंगे। हमारे मुक्केबाज अच्छे हैं और उनमें प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। अगर उन्हें अच्छे प्रमोटर और मैनेजर मिलें तो वे विश्व चैंपियन भी बन सकते हैं।'

जांगड़ा ने कहा, यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत में से एक है। मैंने इसे हासिल करने के लिए वर्षों तक कड़ी मेहनत की। यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मैं देश का नाम रोशन कर सका।

जांगड़ा ने करियर में अभी तक

12 मुकाबलों में से 11 जीते हैं। / **7** नॉकआउट जीत शामिल है।

फिर चोटिल हुए ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार

रियाद। चोटिल होने के कारण 12 महीने तक बाहर रहने के बाद हाल में प्रतिस्पर्धी फुटबॉल में वापसी करने वाले ब्राजील के फुटबॉल स्टार नेमार अपने दूसरे मैच में ही फिर से चोटिल हो गए। नेमार एएफसी चैंपियंस लीग एलीट वर्ग के इस मैच में सऊदी अरब के अपने क्लब अल हिलाल की तरफ से 58वें मिनट में मैदान पर उतरे लेकिन खेल समाप्त होने से तीन मिनट पहले उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। ऐसा लग रहा था कि पेनल्टी एरिया में गेंद पर कब्जा करने के लिए पांव फैलाने से उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया।

भारत की डब्लूटीसी फाइनल की राह हुई मुश्किल, ऑस्ट्रेलिया को 4-0 से हराना होगा

दुबई,(आईएएनएस)। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूटीसी) चक्र में अभी 18 टेस्ट बचे हैं और पांच टीम अभी भी फाइनल की दावेदार है और किसी भी टीम का शीर्ष दो स्थान पक्का नहीं है। आइए देखते हैं कि भारत को फाइनल में पहुंचने के लिए क्या करना होगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों में मिली हार का मतलब यह है कि भारत का अगले साल जून में लॉर्ड्स में होने वाले डब्लूटीसी फाइनल में स्थान खतरे में आ गया है। शीर्ष दो में जगह बनाने के लिए भारत को ऑस्ट्रेलिया को 4-0 से हराने की दरकार है।

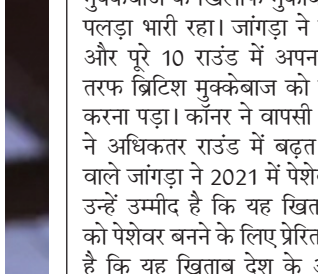

चार जीत और एक ड्रॉ से भारत के अंक प्रतिशत 65.79 हो जाएंगे। वहीं अगर न्यूजीलैंड इंग्लैंड को 3-0 से हरा देता है तो न्यूजीलैंड का अंक प्रतिशत 64.29 होगा।अभी मामला यह है कि अगर दक्षिण अफ्रीका श्रीलंका और पाकिस्तान को 2-0 से हरा देता है तो उसके पास 69.44 फीसदी अंक होंगे। वैसे भी डब्लूटीसी की अंक तालिका में दक्षिण अफ्रीका के पास सबसे ज्यादा अंक होंगे और दूसरे स्थान पर भारत होगा। हालांकि यह सिनारियो उस बात पर निर्भर है कि अन्य टीम कैसे अपने अंक बढ़ाती हैं। अगर ऐसा नहीं होता है तो तब भी भारत कम अंक से फाइनल में पहुंच सकता है। उदाहरण के तौर पर अगर आने वाली सीरीज के ये परिणाम रहते हैं। ऑस्ट्रेलिया से भारत 2-3 से हारे न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच सीरीज 1-1 पर रहे। दक्षिण अफ्रीका घर की दोनों सीरीज में 1-1 से ड्रॉ करे।

हमारा लक्ष्य केएल राहुल पर अधिक दबाव बनाना होगा: बोलैंड

मेलबर्न (आईएएनएस)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलिया ए और भारत ए के बीच होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच में केएल राहुल पर दबाव बनाने की कोशिश में हैं। केएल राहुल और रिजर्व विकेटकीपर ध्रुव जुरेल ने ऑस्ट्रेलियाई टीम का सामना करने से पहले वहां परिस्थितियां का स्वाद चखने के लिए भारत ए मैचों में भाग लेने का फैसला किया है। राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु में पहला टेस्ट खेला था, जिसके बाद शुभमन गिल को श्रृंखला के शेष दो मैचों में उनकी जगह प्लेइंग-11 में शामिल किया गया। कप्तान रोहित शर्मा के निजी कारणों से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के शुरूआती मैचों से बाहर रहने की संभावना है, ऐसे में राहुल के पास ऑस्ट्रेलिया में पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए टीम में शामिल होने का मौका है।

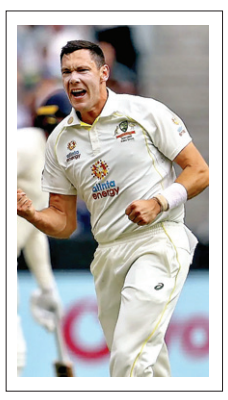

हरमनप्रीत वनडे रैंकिंग में नौवें स्थान पर पहुंची

दुबई। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर मंगलवार को जारी आईसीसी महिला एकदिवसीय रैंकिंग में संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर पहुंच गयी जबकि सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने अपना चौथा स्थान बरकरार रखा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के आखिरी मुकाबले में हरमनप्रीत ने 63 गेंद में नाबाद 59 रन की पारी के साथ भारतीय टीम को मैच और श्रृंखला में जीत दिलायी थी। यह श्रृंखला आईसीसी महिला चैम्पियन का हिस्सा थी जिसे भारत ने 2-1 से जीता था। इसी मैच में 100 रन की शानदार पारी खेलने वाली वामहस्त बल्लेबाज मंधाना 23 रेटिंग अंक हासिल कर कुल 728 रेटिंग अंकों के साथ तालिका में चौथे स्थान पर है। उनके और तीसरे स्थान पर काबिज श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू के बीच सिर्फ पांच रेटिंग अंक का फर्क है। इस तालिका में इंग्लैंड की नैट सिवर ब्रंट 760 रेटिंग अंक के साथ शीर्ष स्थान पर है। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया तीन स्थान के सुधार के साथ 48वें जबकि श्रृंखला के तीसरे मैच में 86 रन की पारी खेलने वाली न्यूजीलैंड की ब्रुक हैलीडे 12 स्थान के सुधार के साथ 24वें स्थान पर पहुंच गयी है।

मलेशिया के साथ दोस्ताना मैच के लिए भारत के 26 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा

नई दिल्ली (आईएएनएस)। भारतीय सीनियर फुटबॉल पुरुष टीम के मुख्य कोच मनोलो मार्क्वेज ने हैदराबाद के जीएमसी बालयोगी गाचीबावली स्टेडियम में 18 नवंबर को मलेशिया के खिलाफ खेले जाने वाले फीफा अंतर्राष्ट्रीय दोस्ताना मैच के लिए मंगलवार को 26 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की।

टीम 11 नवंबर को प्रशिक्षण शिविर के लिए हैदराबाद में एकत्र होगी। पिछले महीने, भारत ने नाम दिन्ह के थिएन ट्रुओंग स्टेडियम में एक अंतर्राष्ट्रीय दोस्ताना मैच में वियतनाम को 1-1 से बराबरी पर रोका था।

संभावित टीम:-

गोलकीपर: अमरिंदर सिंह, गुरप्रीत सिंह संधू, विशाल कैथ।

डिफेंडर: आकाश सांगवान, अनवर अली, आशीष राय, चिंगलेनसाना सिंह कोंशाम, हेमिंगथनमाविया राल्ते, मेहताब सिंह, राहुल भेके, रोशन सिंह नोरेम, संदेश झिंगन।

मिडफील्डर: अनिरुद्ध थापा, ब्रैंडन फर्नांडिस, जेकसन सिंह थौनाओजम, जितिन एमएस, लालेंगमाविया राल्टे, लिस्टन कोलासो, सुरेश सिंह वांगजाम, विबिन मोहनन।

प्राइम टेबल टेनिस लीग के तीसरे सत्र की मेजबानी करेगा इंदौर

इंदौर (हि.स.)। महाराष्ट्र में दो सत्रों की जबरदस्त सफलता के बाद, प्राइम टेबल टेनिस लीग (पीटीटी) का आयोजन मध्य प्रदेश मध्य टेबल टेनिस एसोसिएशन के सहयोग से इंदौर में किया जाएगा। आगामी लीग 13 दिसंबर से 15 दिसंबर तक इंदौर के प्रतिष्ठित अभय प्रशाल क्लब में आयोजित की जाएगी। रविवार को आयोजित हालिया खिलाड़ी नीलामी में आठ टीमों क्लिपर्स, निंजा, सेंसेशन, स्पार्टन्स,

भारत में न्यूजीलैंड की ऐतिहासिक सीरीज जीत कप्तान टॉम लैथम की असली पहचान: क्रेग

नई दिल्ली (आईएएनएस)। टीम इंडिया के घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड की ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीत ने क्रिकेट जगत में हलचल तेज कर दी है। इसको लेकर कोच क्रेग कमिंग का मानना है कि टॉम लैथम की कप्तानी न्यूजीलैंड की भारत में पहली टेस्ट श्रृंखला जीत के पीछे एक मुख्य कारण थी। भारत का इस हार से 2012 में इंग्लैंड से 2-1 से हारने के बाद से लगातार 18 श्रृंखला जीतने का घरेलू क्रम टूट गया। अपनी ऐतिहासिक जीत के साथ, न्यूजीलैंड 1999/2000 में दक्षिण अफ्रीका की 2-0 की जीत के बाद पहली बार घर में भारत को श्रृंखला में हराने वाली पहली टीम बन गई। इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बाद 3 या अधिक टेस्ट मैचों की श्रृंखला में भारत को हराने वाली कुल चौथी टीम बन गई।

व्यापार/लाइफ व साइंस

भारत में बैंक जमा वृद्धि पिछले 30 महीनों में पहली बार क्रेडिट ऑफटेक से ज्यादा

नई दिल्ली (आईएएनएस)। दिसंबर 2023 की तुलना में बैंक जमा 18 अक्टूबर तक 8.6 फीसद बढ़कर 218.1 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में बताया गया है कि सालाना आधार पर पिछले 30 महीनों में पहली बार जमा वृद्धि ने क्रेडिट ऑफ टेक को पीछे छोड़ दिया है। केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस वृद्धि का कारण शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक (एससीबी) की सावधि जमा दरों में बढ़ोतरी रहा है। कुल मिलाकर, पिछले नौ महीनों में जमा राशियों में 17.3 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है, वित्त वर्ष 2025 में जमा राशि प्रमुख बनी हुई है, क्योंकि बैंकों ने अपनी देयता फ्रैंचाइजी को मजबूत करने के प्रयास बढ़ा दिए हैं। बैंक अधिक लागत पर जमा प्रमाणपत्रों के माध्यम से भी धन जुटा रहे हैं। सितंबर 2023 से क्रेडिट डिपॉजिट (सीडी) अनुपात 80 प्रतिशत के आसपास रहा था। 18 अक्टूबर को समाप्त पखवाड़े के लिए सीडी अनुपात में मामूली वृद्धि देखी गई और यह 79.0 प्रतिशत तक पहुंच गया, जबकि दिसंबर 2023 में यह 79.5 प्रतिशत था।

इसके अलावा, दिसंबर 2023 के साथ विकास दर की तुलना करने पर, जमा वृद्धि क्रेडिट ऑफटेक से आगे निकल गई है। दिसंबर 2023 की तुलना में क्रेडिट ऑफटेक 8 प्रतिशत बढ़कर 18 अक्टूबर तक 172.4 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। रिपोर्ट में कहा गया है, इस वृद्धि में सबसे ज्यादा योगदान मॉर्गेज और एमएसएमई का है।

शॉर्ट-टर्म वेटेड एवरेज कॉल रेट इस साल 18 अक्टूबर तक घटकर 6.43 प्रतिशत हो गई है, जबकि 27 अक्टूबर, 2023 तक यह 6.74 प्रतिशत थी, जो सरप्लस लिक्विडिटी का संकेत है। सालाना आधार पर प्रदर्शन के आधार पर, क्रेडिट में 11.7 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो पिछले साल की 19.7 प्रतिशत की दर से कम है। इस बीच, जमा में 11.8 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जबकि पिछले साल यह 13.4 प्रतिशत थी।

पिछले नौ महीनों में जमा राशियों में 17.3 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है

दिसंबर 2023 के साथ विकास दर की तुलना करने पर, जमा वृद्धि क्रेडिट ऑफटेक से आगे निकल गई है

शॉर्ट-टर्म वेटेड एवरेज कॉल रेट इस साल 18 अक्टूबर तक घटकर 6.43 प्रतिशत हो गई है

सेजिलिटी इंडिया का आईपीओ खुला निवेशक 07 नवंबर तक लगा सकेंगे बोली

मुंबई/नई दिल्ली(हि.स.)। बेंगलुरु स्थित स्वास्थ्य सेवा केंद्रित सेवा प्रदाता कंपनी सेजिलिटी इंडिया लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 05 नवंबर को निवेशकों के लिए खुल गया। इस इश्यू के लिए निवेशक 07 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं।

कंपनी के शेयर 12 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर सूचीबद्ध होंगे। सेजिलिटी इंडिया लिमिटेड ने इस आईपीओ के लिए मूल?य का दायरा (प्राइस बैंड) 28-30 रुपये प्रति शेयर तय किया है। निवेशक इसमें न्यूनतम 500 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 500 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। कंपनी की योजना इस आईपीओ के जरिए 2,107 करोड़ रुपये जुटाने की है। स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में प्रौद्योगिकी सर्विस मुहैया कराने वाली कंपनी सेजिलिटी इंडिया लिमिटेड का प्रस्तावित आईपीओ पूरी तरह से प्रवर्तक इकाई सेजिलिटी बीवी द्वारा 70.22 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश पर आधारित है। मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर निर्गम का मूल्य 2,106.60 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। इस आईपीओ के प्रस्ताव में कर्मचारी आरक्षण प्रक्रिया में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों के लिए 2 रुपये की छूट शामिल है।

शुरूआती गिरावट के बाद शेयर बाजार की शानदार रिकवरी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार ने आज शुरूआती गिरावट का सामना करने के बाद दिन के दूसरे सत्र में हुई खरीदारी के सपोर्ट से शानदार रिकवरी की। आज का कारोबार शुरू होने के बाद बिकवाली के दबाव में शेयर बाजार 0.60 प्रतिशत से भी ज्यादा लुढ़क गया था लेकिन दिन के दूसरे सत्र में हुई जोरदार खरीदारी ने शेयर बाजार को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। दिन के कारोबार में सेंसेक्स निचले स्तर से 1,200 अंक से अधिक और निफ्टी 385 अंक से अधिक उछलने में सफल रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.88 प्रतिशत और निफ्टी 0.91 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

सरकारी इंफ्रास्ट्रक्चर पर निर्भरता निवेशकों के लिए प्रमुख जोखिम : ब्रोकरेज

नई दिल्ली (आईएएनएस)। केंद्रित आय, सरकारी ट्रांसमिशन ग्रिड और इंफ्रास्ट्रक्चर पर निर्भरता और कंपनी का विकास परियोजनाओं की बोलियों पर निर्भर करना एक्मे सोलर होल्डिंग्स आईपीओ में बड़े जोखिम हैं। यह जानकारी मंगलवार को ब्रोकरेज फर्म द्वारा दी गई। एक्मे सोलर होल्डिंग्स के आईपीओ का इश्यू साइज 2,900 करोड़ रुपये है। इसमें 2,395 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू और 505 करोड़ रुपये का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) है। बजाज ब्रोकिंग की ओर से जारी नोट में कहा गया कि कंपनी का फोकस बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास,

निर्माण, स्वामित्व, संचालन और रखरखाव पर है।

कंपनी द्वारा इन परियोजनाओं को अपने आंतरिक इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) और संचालन व रखरखाव (ओएंडएम) टीम के माध्यम से पूरा किया जाता है। कंपनी केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा समर्थित ग्राहकों सहित विभिन्न ग्राहकों को बिजली बेचकर आय अर्जित करती है।

शाओमी इंडिया के मुरलीकृष्णन कंपनी में साल के अंत तक ही संभालेंगे अध्यक्ष पद

बेंगलुरू,(आईएएनएस)। शाओमी इंडिया ने मंगलवार को घोषणा की कि वर्तमान अध्यक्ष मुरलीकृष्णन बी. इस साल के अंत तक ही अपने पद पर कार्यरत रहेंगे। कंपनी ने जानकारी दी कि वे एकेडमिक रिसर्च को लेकर अपने पैशन के चलते कंपनी में इस साल के अंत तक ही काम करेंगे। सुधीन माथुर जिन्हें कि इंडस्ट्री में 30 वर्ष से ज्यादा का अनुभव है, सीओओ के रूप में प्रमुख कार्यों को लीड करेंगे। वहीं, सीएफओ के रूप में समीर राव, सीपीओ के रूप में वरुण मदान और सीएमओ के रूप में अनुज शर्मा शाओमी में हाई-क्वालिटी टेक्नोलॉजी एक्सपीरियंस को लेकर कंपनी में काम करेंगे। समूह के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और अंतरराष्ट्रीय व्यापार विभाग के अध्यक्ष एडम जेंग ने कहा, मुरली के नेतृत्व में, शाओमी ने भारत में सफलता हासिल की है, टेक्नोलॉजी को लेकर कंपनी एक प्रमुख प्लेयर बनी हुई है और लाखों लोगों को उत्पादों से जोड़ रही है। जेंग ने कहा, हम उनके योगदान की गहराई से सराहना करते हैं और भारत की विकास यात्रा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता पहले से कहीं अधिक मजबूत है। उन्होंने आगे कहा कि कंपनी के साथ छह से अधिक वर्षों तक काम करने के बाद, मुरली एकेडमिक रिसर्च के प्रति अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं, जो 'मैनेजमेंट में एग्जीक्यूटिव डॉक्टरेट' पर केंद्रित है, जहां उनका लक्ष्य 'टेक्नोलॉजी प्लेटफार्म पर उपभोक्ता व्यवहार' में अपनी विशेषज्ञता को और गहन करना है। कंपनी ने कहा कि मुरली स्वतंत्र रणनीतिक सलाहकार के रूप में शाओमी इंडिया को समर्थन देना जारी रखेंगे। वह 2018 में शाओमी इंडिया में शामिल हुए और 2022 में अध्यक्ष के पद पर पदोन्नत होने से पहले मुख्य परिचालन अधिकारी सहित विभिन्न पदों पर रहे।

अब्राहम मास्लो के 'हीयरारकी ऑफ नीड्स' से चलता है पता, किस नारे का कितना होगा असर

दैहिक व सुरक्षा आवश्यकता से जुड़े चुनावी नारे ही होते हैं प्रभावशाली

मुख्य चुनावी नारों से ज्यादा प्रभावित होता है मन-मस्तिष्क

त्रिभुवन कुमार सिन्हा

रांची। क्या राजनीतिक दलों के चुनावी नारे का असर होता है? कुछ लोगों का मानना है कि वोटिंग जाति और धर्म आधारित होती है, कुछ लोग कहते हैं कि मतदान पसंदीदा राजनीतिक दलों के आधार पर होता है, यानी यह पहले से तय होता है कि कौन व्यक्ति किसे वोट देगा। यहां फिर प्रश्न उठता है कि अगर मतदान जाति-धर्म या पसंदीदा राजनीतिक दलों पर ही आधारित होता है, तो चुनाव लड़ने वाली पार्टियां या चुनावी गठबंधन में एक साथ निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लेने वाले दल चुनावी नारे क्यों देते हैं। झारखंड में निर्वाचन प्रक्रिया मध्य दौर से गुजर रही है, चुनावी प्रचार चरम की ओर अग्रसर है। राज्य में पहले चरण के चुनाव में मतदान 13 नवंबर 2024 को होगा, वहीं, दूसरे चरण में वोटिंग 20 नवंबर 2024 को होगी। एनडीए और आईएनडीआईए दोनों अपनी विजय सुनिश्चत करने के लिए जी-जान लगाए हुए हैं। तो, इस समय हम यह जानने का प्रयास कर सकते हैं कि जो मुख्य चुनावी नारे दिए जाते हैं, क्या वे प्रभावशाली होते हैं। क्या वे नारे मतदाताओं को वोट देने के लिए प्रेरित कर पाते हैं? इसे हम मनोविज्ञान के सिद्धांत 'आवश्यकता का पदानुक्रम' से समझेंगे। लेकिन, पहले हमें धैर्य से आवश्यकता के पदानुक्रम को समझना होगा। इसके बाद ही हम चुनावी नारों के प्रभाव का समझ पाएंगे।

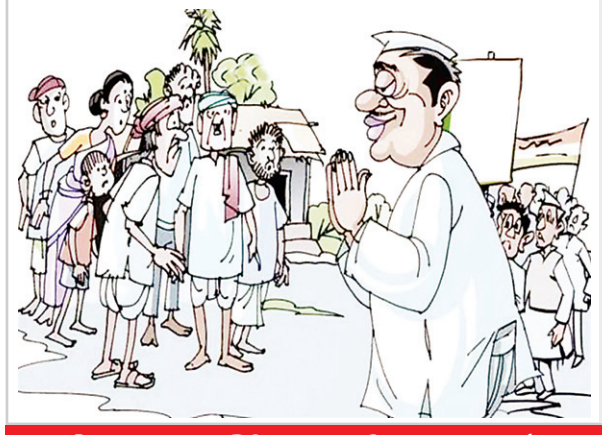

मनुष्य की आवश्यकताओं के सात स्तर

- दैहिक आवश्यकता
- सुरक्षा आवश्यकता
- सामाजिक आवश्यकता
- प्यार और संबद्धता की आवश्यकता
- सम्मान की अवश्यकता
- बौद्धिक आवश्यकता
- पूर्णता या आत्मसिद्धि की आवश्यकता

सबसे पहला चर्चित चुनावी नारा था 'जय जवान जय किसान'

देश में चर्चित चुनावी नारों में सबसे पहला नारा है 'जय जवान जय किसान'। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने 'जय जवान जय किसान' का नारा दिया था। उनकी मौत वर्ष 1966 में ताशकंद में हो गई थी। उनकी मृत्यु के बाद 1967 में हुए आम चुनाव में कांग्रेस ने इसी नारे का प्रयोग किया और इंदिरा गांधी सत्ता पाने में सफल रहीं। 'जय जवान जय किसान' का नारा भी सुरक्षा और दैहिक आवश्यकता से जुड़ा हुआ है, इसलिए इसने जनमानस को प्रभावित किया। याद रहे कि वर्ष 1965 में पाकिस्तान के साथ युद्ध हुआ था। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने वर्ष 1971 के आम चुनाव में 'गरीबी हटाओ' नारा दिया था। यह नारा भी दैहिक आवश्यकता को पूरा करने वाला और व्यक्ति के अस्तित्व से जुड़ा है, इसलिए यह नारा प्रभावकारी साबित हुआ और इंदिरा गांधी आराम से सत्ता में वापस लौट आईं। वर्ष 2014 के आम चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नारा 'अच्छे दिन आने वाले हैं' प्रभावकारी साबित हुआ और भाजपा को पूर्ण बहुमत मिल गया। 'अच्छे दिन' भी दैहिक और सुरक्षा आवश्यकता से जुड़ा नारा है।

आइए, वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव में झारखंड के दो प्रमुख दलों के नारे की बात करते हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के प्रमुख दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का नारा है 'माटी, बेटी, रोटी'। वहीं, भारतीय राष्ट्रीय विकासशील समावेशी गठबंधन (आईएनडीआईए) के प्रमुख दल झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) का नारा है 'जल, जंगल, जमीन'। वैसे, इस विधानसभा चुनाव में झामुमो 'जल, जंगल, जमीन' नारे का कम प्रयोग कर रहा है। इधर, चुनाव जैसे-जैसे परवान चढ़ रहा है, चुनावी नारे में नए-नए मुद्दे भी प्रवेश कर गए हैं - जैसे, बांग्लादेशी घुसपैठ, यूसीसी, एनआरसी, सीएनटी, एसपीटी आदि। हालांकि, हम प्रमुख चुनावी नारे 'माटी, बेटी, रोटी' और 'जल, जंगल, जमीन' पर ही स्वयं को केंद्रित रखेंगे। क्योंकि, मुख्य चुनावी नारे ही समान्यतः मतदाता को प्रभावित कर पाते हैं। वैसे भी, जब मुख्य चुनावी नारे पर विचार कर करेंगे, तो यह स्वयं ही स्पष्ट हो जाएगा कि 'माटी, बेटी, रोटी' और 'जल, जंगल, जमीन' का नारा यूसीसी, एनआरसी, सीएनटी, एसपीटी आदि पर क्यों भारी है। 'बांग्लादेशी घुसपैठ' का नारा थोड़ा अलग है, क्योंकि यह अस्तित्व की लड़ाई से जुड़ा है। आगे जब हम विचार करेंगे, तो स्पष्ट हो जाएगा कि अस्तित्व की लड़ाई क्यों महत्वपूर्ण होती है। प्रभावकारी चुनावी नारे, जो मतदाता को वोट देने के लिए प्रेरित करते हैं, वे मनुष्य के मनोविज्ञान से जुड़े होते हैं। इसे समझने के लिए हमें अब्राहम मास्लो के आवश्यकता का पदानुक्रम (हीयरारकी ऑफ नीड्स) को समझना होगा। उन्होंने वर्ष 1954 में इस सिद्धांत को अपनी 'पुस्तक ए थियोरी ऑफ ह्यूमन मोटिवेशन' में प्रस्तुत किया था। अब्राहम मास्लो के सिद्धांत के अनुसार, मनुष्य की आवश्यकताएं असीमित हैं, लेकिन इन्हें सात स्तरों में रखा जा सकता है। मनुष्य की आवश्यकताएं एक हीयरारकी (पदानुक्रम) में होती हैं, यानी मनुष्य के लिए कुछ आवश्यकताएं बुनियादी होती हैं और इसे पूरा किए बिना उसका अस्तित्व संभव नहीं है। जब ये आवश्यकताएं पूरी हो जाती हैं, तब वह अगले स्तर की अवश्यकताएं पूरी करता है। इसे पूरा करके ही वह आवश्यकता के अगले स्तर पर जाता है। यही है आवश्यकता का पदानुक्रम (हीयरारकी ऑफ नीड्स)। अगर वह पदानुक्रम की निचली आवश्यकताओं को पूरा किए बिना ऊपरी आवश्यकताओं को पूरा करना चाहेगा, तो उसे मानसिक समेत कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

दैहिक और सुरक्षा आवश्यकता है सबसे महत्वपूर्ण

आवश्यकता के पदानुक्रम में निचली दो आवश्यकताएं, दैहिक आवश्यकता और सुरक्षा आवश्यकता, सबसे महत्वपूर्ण होती हैं और ये मानव के अस्तित्व से जुड़ी हुई हैं। ये आवश्यकताएं मनुष्य को सबसे अधिक प्रभावित करती हैं। इसलिए मनुष्य सबसे पहले मनोवैज्ञानिक रूप से इसी की ओर आकर्षित होता है। दैहिक आवश्यकता में भोजन, पानी, नींद, शारीरिक संतुष्टि, जैविक प्रक्रिया को बनाए रखने के लिए या जीवित रहने के लिए अनुकूल परिस्थिति, मल-मूत्र त्याग आदि प्रमुख हैं। सुरक्षा आवश्यकता में शारीरिक सुरक्षा, परिवार की सुरक्षा, स्वास्थ्य की सुरक्षा, जीविका की सुरक्षा, संसाधन की सुरक्षा, संपत्ति की सुरक्षा आदि प्रमुख हैं। अब हम समझते हैं 'माटी, बेटी, रोटी' और 'जल, जंगल, जमीन' के नारे को। 'माटी, बेटी, रोटी' का नारा 'जल, जंगल, जमीन' के नारे से ज्यादा प्रभावकारी है। अब जानने की कोशिश करते हैं कि ऐसा क्यों है और कैसे है।

'माटी, बेटी, रोटी' मनुष्य की प्राथमिक आवश्यकता

'रोटी' मनुष्य की दैहिक आवश्यकता है। 'माटी' और 'बेटी' मनुष्य की सुरक्षा आवश्यकता है। रोटी (भोजन) से ही उसका जीवन है। भूखे रहा, तो वह मर जाएगा। 'माटी' संसाधन है, संपत्ति है, जीविका है। 'बेटी' परिवार है, इज्जत है। वहीं, 'जल' दैहिक आवश्यकता है, तो 'जमीन' सुरक्षा आवश्यकता है। लेकिन, 'जंगल' से भोजन मिलने के बावजूद यह दैहिक या सुरक्षा आवश्यकता नहीं बन पाता है, क्योंकि यह वन्य प्राणियों के कारण भय भी पैदा करता है। वन्य क्षेत्र में रहने वालों के मन में भी यह 'आदिम भय' ही उत्पन्न करता है। इस तरह 'माटी, बेटी, रोटी' में तीनों शब्द प्रारंभिक दो आवश्यकताओं में शामिल हो जाते हैं, जबकि 'जल, जंगल, जमीन' में मात्र दो ही प्रथम दो आवश्यकताओं में सम्मिलित हो पाते हैं। 'जंगल' मानव के अवचेतन (सबकांशस) में भय ही बढ़ाता है। 'माटी, बेटी, रोटी' नारा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के 'मां, माटी, मानुष' नारा की तरह ही है।

हर बार काम नहीं करता एक चुनावी नारा

हां, यह महत्वपूर्ण बात है कि एक चुनावी नारा हर बार काम नहीं करता है। ऐसा क्यों होता है? यह इसलिए होता है कि किसी भी जगह के निवासियों की मानसिक स्थिति वहां के वातावरण या परिवेश पर निर्भर करती है। और, समय के साथ किसी भी जगह का वातावरण बदल जाता है। जो कल था, वह आज नहीं है।

हेमंत के हेलीकॉप्टर को रोककर उनकी जान को खतरे में डालने की साजिश रची गयी : सुप्रियो

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जेएमएम के केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने मंगलवार को पीसी कर कहा कि पीएम की सुरक्षा का हवाला देकर हेमंत सोरेन के हेलीकॉप्टर को रोक दिया गया। जबकि नियम के मुताबिक हेमंत के हेलीकॉप्टर को तय सीमा और परिधि के बाहर से उड़ान भरना था। कहा कि इसके लिए हमने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर शिकायत की है। ये एक गंभीर मामला है। ये एक प्रकार से हेमंत सोरेन को जनता की पहुंच से करने का मामला है। उनकी सुरक्षा से जुड़ा मामला है। कहा, हमारा मानना है कि इस मामले में हेमंत सोरेन की सुरक्षा को खतरा था। इसके पीछे एक साजिश है। ऐसे इलाके में हेलीकॉप्टर को डेढ़ घंटे रोका गया जहां से कम्युनिकेशन का कोई साधन नहीं था। कहा कि ये गंभीर मामला है। सीएम हेमंत सोरेन हमारे स्टार प्रचारक हैं। इनके सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया गया। आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने इसका गंभीरता से संज्ञान नहीं लिया। कहा, हम पहले से कहते आ रहे हैं कि चुनाव आयोग और बीजेपी में घनिष्ठता है।

जेएमएम नेता ने कहा, चुनाव आयोग से हमने पहले ही कहा था, त्योहारों को देखते हुए चुनाव की तिथियों को आगे बढाया जाये। लेकिन हमारी एक भी सुनी गयी। अब इसी चुनाव आयोग ने यूपी में कार्तिक पूर्णिमा को लेकर चुनाव की तिथि को आगे बढ़ा दिया है। जबकि यूपी में उपचुनाव में होने वाले हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या में ये लोग चुनाव हार गये। फिर से इनको यूपी के उपचुनाव में हार का डर सताने लगा है इसलिए तिथियों का ये खेल चल रहा है। अयोध्या में जनता ने बता दिया कि राजनीति में अगर धर्म को मिलाएंगे तो, ये जनता को बर्दाश्त नहीं होगा।

सुप्रियो ने कहा कि यहां भी बीजेपी नेताओं की ओर से मुसलमानों को लेकर धार्मिक बयान दिये जा रहे हैं। इतना होने पर भी चुनाव आयोग खामोश है। सीएम को खतरे में डाल दिया गया, इस पर भी चुनाव आयोग खामोश है। इनती नीति है, होने दो उग्रावदी हमला। पीएम की सुरक्षा के नाम पर पूरे झारखंड को एरियर अरेस्ट कर लो।

चुनाव आयोग के रवैये पर उठ रहा है गंभीर सवाल

सुप्रियो ने कहा, चुनाव आयोग का जो पूरा रवैया है, ये गंभीर सवाल पैदा करता है। कहा हमारे मामले

चुनाव आयोग का अलग रुख है। बीजेपी के मामले में अलग रुख है। कहा हिंदुओं का महापर्व छठ आज से शुरू हो गया। एक बड़ी आबादी राज्य से बाहर चली गयी। 12-13 नवंबर को उनको लौटना है। कहा कि इस तरह उनको मताधिकार से वंचित किया जा रहा है। आरोप लगाया कि यूपी की तरह ही हरियाण की चुनाव की तिथियों को बदला गया और नतीजों को अपने फेवर में किया गया। कहा कि यही साजिश यूपी में भी रची जा रही है। वहां अगर 10 नवंबर को चुनाव होता, उसका जो ट्रेंड सामने आता, तो झारखंड में तो चुनाव हार ही रहे हैं, महाराष्ट्र में भी इसका असर होता। इनकी दूसरी नीति है किसी तरह हमारे सीएम को चुनाव प्रचार से रोका जाये। उनको डराया जाये। आतंकित किया जाये। कहा, जहां-जहां जंगल में सीएम का हेलीकॉप्टर जायेगा, वहां उनको रोकने की साजिश हो रही है। कहा कि आपने एक आदिवासी को राष्ट्रपति बनाया। लेकिन इसी आदिवासी के एक बेटे हेमंत सोरेन की जान को आप खतरे में डाल रहे हैं। ये गंभीर मुद्दा है।

झारखंड में अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा : शिवराज सिंह चौहान

- *झामुमो की सरकार गरीब जनता की कमाई तक डकार गई*
- *झारखंड में बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं और सोरेन सरकार सो रही है*

नवीन मेल संवाददाता

देवघर। केन्द्रीय कृषि मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के झारखंड विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को सारठ विधानसभा से भाजपा के प्रत्याशी रणधीर कुमार सिंह, दुमका से प्रत्याशी सुनील सोरेन और मधुपुर से भाजपा उम्मीदवार गंगा नारायण सिंह के समर्थन में विशाल जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने जेएमएम और कांग्रेस की गठबंधन सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि राज्य में अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा। शिवराज ने कहा कि जेएमएम सरकार बालू, पत्थर, खनिज और योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए केन्द्र से भेजी गई करोड़ों की राशि डकार गई। प्रदेश की जनता त्राही-त्राही कर रही है और इनके

यह कांग्रेस का ओछापन और छोटापन है

भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को एक्स पर लिखा है कि कांग्रेस की नजरों में झारखंड का कोई सम्मान है या नहीं। कांग्रेस जैसी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आते हैं और मंच से पूछते हैं कि यहां कितनी सीट हैं। ये झारखंड की वैल्यू समझते हैं? इन्हें सीटों का पता नहीं और चुनाव में भाषण करने आए हैं। और बता रहे हैं कि छोटा सा चुनाव है। खड़गे साहब, झारखंड महान राज्य है। यह झारखंड की धरती क्रांतिकारियों की भूमि है, भगवान बिरसा, सिद्धू-कान्हू, तिलका मांझी और नीलांबर पीताम्बर की यह भूमि है। कितने वीर और क्रांतिकारी यहां हुए हैं। तपस्वियों और साधकों की भूमि है। यहां का कण-कण पवित्र है। इस राज्य के चुनाव को छोटा कहना, झारखंड का अपमान है। भारतीय जनता पार्टी झारखंड की जनता का आदर करती है। झारखंड को बचाने के लिए हम पूरी गंभीरता से चुनाव लड़ रहे हैं। क्योंकि यह चुनाव झारखंड के विकास का चुनाव है, यहां की जनता के कल्याण का चुनाव है। इसलिए प्रधानमंत्री जी से लेकर मेरे जैसे कार्यकर्ता यहां आएं हैं।

लोगों की खून-पसीने की कमाई का पैसा है। इसलिए इस बार झारखंड से जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन की सरकार को उखाड़ फैंकना है और झारखंड में सुशासन स्थापित करना है।

शिवराज ने कहा कि हेमंत सोरेन झारखंड पर ग्रहण बनकर लग गए हैं। झामुमो और कांग्रेस गठबंधन ने पूरे झारखंड को बर्बाद करने का पाप किया है। यहां किसी थाने, तहसील, ब्लॉक और सरकारी दफ्तरों में बिना लेन-देन के कोई काम नहीं होता है। यहां हर चीज बिकती है। जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन की ये सरकार देश में सबसे भ्रष्ट सरकार है। जेएमएम सरकार के कुशासन से तंग आकर अब जनता ने भाजपा को जिताने का मन बना लिया है।

शिवराज ने कहा कि झारखंड में कानून व्यवस्था ध्वस्त है। मां, बहन, बेटियों का सम्मान सुरक्षित नहीं है। झारखंड की धरती पर सात हजार 400 से ज्यादा बलात्कार की घटनाएं हुई है। यहां तो ये सरकार सीता सोरेन का भी अपमान करती है, उनके लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किया जा रहा है। ये तो धरती वो धरती है जहां एक सीता और द्रौपदी का अपमान हुआ था तो महाभारत हो गया था और कौरवों का विनाश कर दिया था।

पृष्ठ एक के शेष

झारखंड की जनता को...

गारंटी देती है, उसे पूरा करती है। भरोसा तो मोदी की गारंटी का नहीं रहा। वे कभी अपना वादा पूरा नहीं कर पाए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 लाख देने का वादा किया था, नौकरी देने का वादा किया था, इनमें से कोई भी वादा पूरा नहीं किया।

घोषणा पत्र में वादा किया गया है कि झारखंड में अगर आईएनडीआईए की सरकार बनी, तो 10 लाख नौकरी, प्रति व्यक्ति सात किलो राशन दिया जाएगा। इंडी गठबंधन ने जनता से वादा किया है कि सरकार बनने पर मंईयां सम्मान योजना के अंतर्गत महिलाओं को 2,500 रुपये की सम्मान राशि दी जाएगी। राज्य के हर गरीब परिवार को गैस सिलेंडर 450 रुपये में दिया जाएगा।

शंख नहीं बजने देंगे...

ने जनता से भाजपा सरकार बनाने की अपील की।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि, देश में जहां-जहां भाजपा की सरकार है, वहां पर विकास का एक नया मॉडल दिया है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि, आजादी के बाद से जनता ने कांग्रेस को देश चलाने का मौका दिया। लेकिन आज तक गरीबों के लिए ईमानदारी से एक भी योजना नहीं बनाई। साल 2014 में नरेंद्र मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बने थे, जिसके बाद उन्होने सबका साथ-सबका विकास का नारा दिया था। इसी नारे के साथ किसान, युवा और महिलाओं समेत हर वर्ग का विकास करने का काम किया है।

उन्होने कहा कि, कांग्रेस के कार्यकाल के दौरान चीन हमारे देश में घुस गया था, लेकिन आज चीन की सेना भी पीछे हट रही है और वहां भारत की सेना गश्त कर रही है। पाकिस्तान तो अब भारत का नाम सुनकर कांपने लगता है। कांग्रेस और उनके सहयोगियों ने कश्मीर को एक समस्या दी थी, लेकिन मोदी जी ने 370 हटाकर समस्या का समाधान कर दिया।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि, कांग्रेस ने गरीबों को भूखा मरने और किसानों को आत्महत्या करने के लिए छोड़ दिया था। झामुमो-कांग्रेस और आरजेडी को जब भी मौका मिला, इन्होंने गरीबों के पेट पर लात मारने का काम किया है। इन्होंने झारखंड के युवाओं को पलायन करने के लिए मजबूर किया। किसानों को आत्महत्या के लिए मजबूर किया। झामुमो-कांग्रेस-आरजेडी ने प्राकृतिक संसाधनों पर लूट मचाने का काम किया। एक गरीब आदमी को घर बनाने के लिए बालू नहीं मिलता, लेकिन बालू माफिया सरकार के संरक्षण में फल-फूल रहे है। यहां शराब माफिया, वन माफिया और भू माफिया सरकार के इशारे पर चल रहे है। इन भू माफियाओं का उपचार सिर्फ भाजपा ही है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एनडीए गठबंधन और इंडी गठबंधन दोनों अपनी गारंटियां दे रही हैं, लेकिन भाजपा की गारंटियों से फर्क है। मोदी जी की गारंटी में युवाओं को रोजगार, महिलाओं और किसानों को सम्मान और हर वर्ग का कल्याण शामिल है। भाजपा ने जो अपनी पांच गारंटी दी है, इनमें लक्ष्मी जोहार योजना के तहत आपनी बहनों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जाएगा। साथ ही, एक साल मे दो सिलेंडर मुफ्त में उपलब्ध कराए जाएंगे। गोगो दीदी योजना के तहत हर महीने की 11 तारीख को बहनो के खाते में 2100 रुपये भेजे जाएंगे। 21 लाख लोगों को पक्का घर और सभी परिवारों को घर बनाने के लिए मुफ्त बालू दिया जाएगा। युवा साथी भत्ता योजना के तहत ग्रैजुएट और पोस्ट ग्रैजुएट बेरोजगार युवाओं को दो वर्षों तक हर महीने 2,000 रुपये का भत्ता दिया जाएगा।

उन्होने कहा कि भाजपा देश के स्वाभिमान की गारंटी है, युवाओं के रोजगार की गारंटी है, महिलाओं के सम्मान की गारंटी भाजपा है। झामुमो-कांग्रेस और आरजेडी ने प्रदेश में माफियाओं, अराजकता, सुरक्षा में सेंध को बढावा दिया है। इंडी गठबंधन देश की सुरक्षा और स्वाभिमान के साथ खिलवाड़ कर रहा है।

झामुमो आदिवासी विरोधी...

कई जेल भी गए। लेकिन आज तक भाजपा का कोई भी मुख्यमंत्री जेल नहीं गया है। झामुमो-कांग्रेस-आरजेडी सरकार सिर्फ अपना घर भरने के लिए सत्ता में आती है, लेकिन भाजपा विकास करने के लिए सत्ता में आती है।

रक्षा मंत्री ने कहा भाजपा के तीन मुख्यमंत्री रहे जिनमें बाबूलाल मरांडी, रघुवर दास और अर्जुन मुंडा पर एक भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा है। लेकिन, झामुमो-कांग्रेस-आरजेडी की सरकारों पर लगातार भ्रष्टाचार के आरोप लगते आ रहे है। उन्होंने कहा कि झामुमो का अर्थ है, जेएमएम यानी जमकर मलाई मारो। झामुमो आदिवासी विरोधी पार्टी है। कहा कि इन्होंने आदिवासियों का खून चूसा है। ये आदिवासियों के हितैषी नहीं हैं।

सिंह ने कहा, झारखंड से हमारा आत्मीय रिश्ता है। झामुमो ने अपना घर भरने के लिए आदिवासी भाइयो को धोखा दिया है, इनके मंत्रियों और सांसद के पास करोड़ो रुपये पकड़े जाते है। लेकिन, आदिवासियों को सबसे ज्यादा सम्मान भाजपा सरकार ने दिया है। कहा कि आज देश का नाम मोदी के कारण पूरी दुनिया में गूंज रहा है। कहा कि धनतेरस के दिन हमने विदेश में रखा भारत का 102 टन सोना वापस लाया। अभी भारत विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर है। लेकिन, जल्दी ही ये तीसरे स्थान पर होगा। कहा अमेरिका और चीन के बाद हम तीसरे पर स्थान होंगे।

उन्होंने कहा कि, झामुमो सरकार के राज में लगातार घुसपैठिए बढ़ रहे है। रक्षा मंत्री ने हेमंत सोरेन से सवाल करते हुए कहा कि, बताएं आखिर आदिवासियों की आबादी 28 प्रतिशत कैसे रह गई। घुसपैठियों ने आदिवासी भाइयों की जमीन पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने प्रदेश की जनता से अपील करते हुए कहा कि, झारखंड में भाजपा की सरकार बना दीजिए, कोई आपकी जमीन पर कब्जा नहीं कर पाएगा।

रक्षा मंत्री ने कहा, लगातार दो बार प्रदेश में भाजपा की सरकार बना दीजिए, जिसके बाद झारखंड विकसित राज्यों को टक्कर देने लगेगा। उन्होने वन नेशन-वन इलेक्शन का जिक्र करते हुए कहा कि बार-बार चुनाव होने से जनता का पैसा खर्च होता है। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसके लिए एक बिल लेकर आ रहे है, जिसको संसद में पास किया जाएगा। 62 हजार आदिवासी गांवों के विकास के लिए भाजपा एक योजना लेकर आई है। आदिवासी गरीब परिवारों के लिए जनमन योजना शुरू की गई है। आजाद भारत में वंदे भारत ट्रेन चलाने का काम भाजपा सरकार ने किया है। उन्होने कहा झारखंड की जनता सत्ता परिवर्तन करेगी, उसके बाद भाजपा सरकार व्यवस्था परिवर्तन कर देगी। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को इस बार पूरे देश में गौरव दिवस के रूप में मनाया जाएगा। 400 से ज्यादा एकलव्य आवासीय विद्यालय बनाए जाएंगे।

सीबीआई की छापेमारी में...

शामिल थीं। प्रारंभिक जांच में ऐसे साक्ष्य एकत्र किए गए, जिनसे पता चला कि अवैध खनन गतिविधि को अंजाम देने और इस प्रकार प्राप्त आय को छिपाने के लिए प्रमुख व्यक्तियों और फर्मों की संलिप्तता और साठगांठ थी। सीबीआई ने जिन लोगों के यहां छापेमारी की है, वे सभी पंकज मिश्रा के करीबी बताए जा रहे हैं। छापेमारी उन संदिग्धों के परिसरों में की जा रही है, जिनकी भूमिका आगे की जांच के दौरान सामने आई है। जांच जारी है। सीबीआई ने 20 नवंबर, 2023 को आईपीसी की धारा 120बी के साथ 34, 379, 323, 500, 504 और 506, आर्म्स एक्ट की धारा 27, एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(1)(5) और झारखंड खान एवं खनिज रियायत नियम 2004 की धारा 4/54 के तहत झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश के आधार पर तत्काल मामला दर्ज किया था।

यहां हुई छापेमारी :

- रांची में नेताओं व नौकरशाहों के करीबी प्रेम प्रकाश, सीए जयपुरियार आदि के ठिकानों पर छापेमारी।
- साहिबगंज के बड़हरवा में भगवान भगत के आवास व कार्यालय में छापेमारी। यहां से एक किलोग्राम सोना व नाइन एमएम के 61 कारतूस मिले।
- उधवा में पत्थर कारोबारी महताब आलम के आवास पर छापेमारी। यहां उनके भाई आफताब आलम, मोहम्मद सलाउद्दीन व मोहम्मद अलाउद्दीन से पूछताछ हुई।
- मंडरो, मिर्जा चौकी के चार पत्थर कारोबारियों के यहां छापेमारी। एक कारोबारी रंजन वर्मा के ठिकाने से 47 लाख रुपये नकदी मिले।
- मिर्जा चौकी के पत्थर कारोबारी रंजन वर्मा, संजय जायसवाल, टिंकल भगत व अवध किशोर सिंह उर्फ पतरू सिंह के यहां छापेमारी।
- बड़हरवा बस स्टैंड के समीप स्थित सुब्रोतो पाल के कार्यालय व बड़हरवा मुनिया होटल स्थित कृष्णा साह के घर छापेमारी।
- बड़हरवा प्रखंड के दुगार्पुर मुनिया होटल के पास पत्थर कारोबारी कृष्णा साह के आवास पर छापेमारी।

मुख्यमंत्री हेमंत ने भाजपा पर बोला...

षड्यंत्र को रचकर मुझे और मेरी सरकार को अस्थिर करने के लिए जांच एजेंसियों को आगे लाकर जेल भेजने का काम की है। उन्होंने कहा कि इतने में इनका मन नहीं भरा तो भाजपा के लोग परिवार की लड़ाई करवा रहे हैं। भाजपा रोटी, बेटी, माटी की बात करती है, लेकिन वही भाजपा के गुजरात में एक बेटी को न्याय नहीं दिला पाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के लोग नहीं चाहते कि राज्य के आदिवासी और दलित परिवारों को उनका सम्मान और अधिकार मिले। इसलिए भाजपा के एक दर्जन मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री झारखंड में गिद्ध की तरह मंडरा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि जीत की तरह मंडरा रहे भाजपा के नेताओं को तीर चला कर गिराने का काम करें। उन्होंने जनसमूह को बताया कि महागठबंधन की दोबारा सरकार बनती है तो हर महिलाओं को एक एक लाख रुपए दी जाएगी, जिसकी शुरूआत दिसंबर महीने से हो जाएगी। केंद्र की झारखंड में विस्थापन बड़ी समस्या है। हमने विस्थापन आयोग बना दी है। सरकार बनते ही उसे लागू कर दिया जाएगा। रैयतों को हक अधिकार मिलेगा और कंपनियों में गुजरात, बंगाल,महाराष्ट्र दक्षिण भारत के व्यपारियो को भगाया जाएगा। स्थानीयों को जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस राज्य के गरीब, आदिवासी मूलवासी के दुख दर्द को कम करने का प्रयास किया है। दो ढाई साल तो कोरोना ही खा गया। दो ढाई साल हमलोग विपक्ष से लड़ते रहें। झारखंड अलग होने के बाद कोई इतिहास नहीं है, कि समय से पहले कभी चुनाव हुआ है। कौन सा विपत्ति है। कौन सा आपदा आ गया कि समय से पहले चुनाव करा रहे हैं। वह सिर्फ इसलिए कि चुनाव आयोग के पास अधिकार है। आज केंद्र की एजेंसिया भारतीय जनता पार्टी की कठपुतली बनकर रह गई है। मंइयां सम्मान योजना की राशि दिसंबर से ढाई हजार रुपया होने जा रहा है। विपक्ष के लोग तरह-तरह के षड्यंत्र रचते है। उनके पास विकास को लेकर कुछ नहीं है। सिर्फ हिंदू मुस्लिम घुसपैठीया है। इसी तरह लड़वा-कटवा कर वोट छीनने का प्रयास करते हैं। फूट डालो राज करो कि राजनीति चलता है। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से झारखंड के लिए 1.36 लाख करोड़ रुपये की बकाया राशि की बारे में बताया। कहा कि यह राशि राज्य के विकास और विभिन्न परियोजनाओं के लिए आवश्यक है। सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए कई नई योजनाएं शुरू की गई हैं। सभा के अंत में मुरपा व हेरहंज के भाजपा कार्यकर्ताओं ने जेएमएम पार्टी में सदस्यता ग्रहण की।

हेमंत सरकार से विकास व...

के कार्य को आगे बढ़ाना है। भूषाड़ में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत अध्यक्ष मनोज पाठक ने की। चंदवा में आयोजित सभा की अध्यक्षता धनेश प्रसाद ने की। सभा का संचालन आदर्श रविराज और मनीष गुप्ता ने किया। मौके पर मंडल महामंत्री दीपक निषाद, राजू उरांव, नावाहिर उरांव, राजीव उरांव, निर्मल उरांव, जगेश्वर गंझू, प्रेम उरांव, रतनू गंझू, संदीप उरांव, बबलू सोनी, उमाशंकर चैतन्य, अजय कुमार, सतीश प्रसाद समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

संयुक्त राज्य अमेरिका में आ गई फैसले की घड़ी

हैरिस और ट्रंप का है इम्तिहान

एजेंसी

वाशिंगटन/नई दिल्ली । संयुक्त राज्य अमेरिका में अगले चार साल की दिशा तय करने की बहुप्रतीक्षित घड़ी आ गई। यहां मंगलवार की सुबह अगले राष्ट्रपति के निर्वाचन के लिए मतदान शुरू हो गया। संभावना है देर रात यह भी तय हो जाए कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप में से कौन व्हाइट हाउस पहुंचेगा। अब देखना यह बाकी है कि अमेरिकी मतदाता अपना अगला पथ प्रदर्शक किसे चुनते हैं। कुल आठ उम्मीदवारों में मुख्य मुकाबला भारतीय मूल की डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस और रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रंप के बीच है।

चुनाव की पूर्व संध्या पर डोनाल्ड ट्रंप ने आगाह किया कि हैरिस जीतीं, तो तीसरे विश्वयुद्ध का खतरा है। प्रचार के अंतिम क्षणों में हैरिस ने अश्वेत और अरब मूल के मतदाताओं का दिल जीतने की कोशिश की। संयुक्त राज्य अमेरिका में हुए ओपिनियन पोल के अनुसार, 60 वर्षीय कमला और 78 वर्षीय ट्रंप के बीच कांटे की टक्कर है। मतदान की निर्धारित तिथि से पहले 7.7 करोड़ वोटर वैकल्पिक तरीकों से मतदान कर चुके हैं।

कमला और डोनाल्ड के बीच है कांटे की टक्कर

तमिलनाडु के थुलसेंद्रपुरम में कमला के लिए हो रही प्रार्थना

इस चुनाव पर 'नई दिल्ली' की भी नजर है। मगर भारत के दक्षिणी राज्य तमिलनाडु के गांव थुलसेंद्रपुरम में खास उत्साह है। कमला हैरिस के परिवार से गहरे जुड़ाव वाला यह गांव जश्न के माहौल में डूबा हुआ है। गांव को कमला हैरिस के पोस्टरों से सजाया है। उनकी जीत के लिए मंदिर में विशेष प्रार्थना की गई है। कमला हैरिस अगर जीतती हैं, तो वह भारत और भारतीय मूल के लोगों के लिए गर्व का बड़ा विषय होगा। करीब 235 वर्ष के राष्ट्रपति चुनाव के इतिहास में पहला मौका होगा, जब कोई महिला अमेरिका की राष्ट्रपति बनेगी।

235 साल में 15 उपराष्ट्रपति बने राष्ट्रपति, एक भी महिला नहीं

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव का 235 वर्षों का इतिहास कई दिलचस्प तथ्यों से भरा है। इस बार डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से कमला हैरिस की दावेदारी ने इस चुनाव को बेहद खास बना दिया है। अगर वह चुनाव जीतती हैं, तो कई नए एतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम कर सकती हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के 235 वर्षों के इतिहास में कभी कोई महिला विजेता नहीं बन सकी है। अधिसंख्य इतिहासकार और लेखक मानते हैं कि विक्टोरिया वुडहुल 1872 में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने वाली पहली महिला थीं। हालांकि, कुछ लोग इस दावे पर सवाल भी उठाते हैं। आखिरी बार 2016 में हिलेरी क्लिंटन पद के काफी नजदीक पहुंच कर भी हार गए। उन्हें ट्रंप से करीब 28 लाख अधिक पापुलर वोट मिले। लेकिन, चुनाव ट्रंप ने जीता, क्योंकि उन्होंने इलेक्टोरल कॉलेज का बहुमत प्राप्त कर लिया।

इस बार कमला हैरिस अगर चुनाव जीतती हैं, तो वह पहली महिला राष्ट्रपति होने का गौरव हासिल कर सकती हैं। इसके अलावा, वह दूसरी ब्लैक शख्स और पहली ब्लैक महिला होंगी, जो इस पद पर बैठेंगी। साथ ही, वह पहली एशियन अमेरिकन और भारतीय अमेरिकन होंगी, जो व्हाइट हाउस में पहुंचेंगी।

अब तक पंद्रह राष्ट्रपति ऐसे रहे हैं, जो कि उपराष्ट्रपति के रूप में देश को अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इनमें से छह - जॉन एडम्स (1796), थॉमस जेफरसन (1800), मार्टिन वैन ब्यूरन (1836), रिचर्ड निक्सन (1968), जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश (1988), और जो बिडेन (2020) - ने चुनाव जीतने के बाद अपना पहला कार्यकाल शुरू किया। जबकि, बाकी नौ ने, अपने पूर्ववर्ती की कार्यकाल के दौरान मृत्यु या इस्तीफे के बाद (उत्तराधिकार नियमों के अनुसार) प्रेसिडेंट के रूप में अपना पहला कार्यकाल शुरू किया। इनमें से थियोडोर रूजवेल्ट, केल्विन कूलिज, हैरी एस. ट्रूमैन और लिंडन बी. जॉनसन बाद में राष्ट्रपति चुने गए, जबकि जॉन टायलर, मिलार्ड फिलमोर, एंड्रयू जॉनसन, चेस्टर ए. आर्थर और गेराल्ड फोर्ड नहीं चुने गए।

निवेशक हो जाएं सावधान

बीते 5 वर्षों में जो रिटर्न मिला, वह अगले 5 वर्ष मिलने की संभावना नहीं

ब्यूरो

नई दिल्ली। कोटक एएमसी के एमडी निलेश शाह ने निवेशकों को आगाह किया है। उनका मानना है कि पिछले तीन से पांच सालों में जो रिटर्न मिला है, वह अगले तीन से पांच सालों में मिलने की संभावना नहीं है। जनवरी 2020 से सितंबर 2024 तक पांच वर्षों में बाजार में लगभग 21% रिटर्न मिला। वहीं, स्मॉल और मिडकैप में यह लगभग 30% रहा। अगले तीन या पांच वर्षों में यह रिटर्न दोहराए जाने की संभावना नहीं है। यदि भारत विकास करता रहा और दूसरे समकक्ष देश खुद ही अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारते रहे, तो भी

रिटर्न निचले दोहरे अंकों में ही रह सकता है। निलेश शाह ने कहा है कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स के पास निवेश करने के लिए बहुत व्यापक विकल्प हैं। स्थानीय निवेशक भारत में निवेश करने के लिए बाध्य हैं। वैश्विक निवेशक अक्सर कम या ज्यादा आते-जाते रहते हैं। इस सवाल पर कि बीते तीन वर्षों में डबल डिजिट में रिटर्न मिला है, क्या अगले तीन साल में दोहरे अंकों में रिटर्न मिलेगा? निलेश शाह ने कहा, 'मेरे मन में भ्रम है। मुझे पूरा यकीन है कि पिछले तीन से पांच सालों में हमें जो रिटर्न मिला है, वो अगले तीन से पांच सालों में मिलने की संभावना नहीं है।

निलेश शाह ने कहा कि जनवरी 2020 से सितंबर 2024 तक पांच सालों में व्यापक बाजार में लगभग 21% और स्मॉल और मिडकैप में लगभग 30% से अधिक का रिटर्न मिला है। अगले तीन या पांच वर्षों में इन रिटर्न के दोहराए जाने की संभावना नहीं है।

बांग्लादेश में 180 प्रभावशाली लोग जांच के घेरे में

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शेख हसीना सरकार के पतन के बाद 180 प्रभावशाली व्यक्तियों पर शिकंजा कसा है। भ्रष्टाचार निरोधक आयोग ने पांच अगस्त से 15 अक्टूबर के बीच इनके दस्तावेज खंगाले है। जांच में खुलासा हुआ है कि इन लोगों में से 24 लोग दूसरे देशों की नागरिकता ले चुके हैं। आयोग की इनके खिलाफ अवैध धन अधिग्रहण और मनी लांड्रिंग की जांच जारी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव पर बोले विदेश मंत्री

चुनाव परिणाम का भारत से संबंधों पर नहीं पड़ेगा असर

कैनबरा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को उम्मीद जताई कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव का परिणाम चाहे जो भी हो, भारत-अमेरिका संबंध लगातार बढ़ते रहेंगे। कैनबरा में संसद भवन में ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ एक संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में बोलते हुए, जयशंकर ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 2017 में क्वॉड गठबंधन को पुनर्जीवित करने का क्रेडिट दिया, जो भारत-पैसिफिक सहयोग में एक महत्वपूर्ण डेवलपमेंट था। जयशंकर ने यह पूछे जाने पर कि यूएस प्रेसिडेंशियल इलेक्शन के बाद भारत-अमेरिका संबंध किस प्रकार विकसित होंगे, उन्होंने कहा, 'हमने पिछले पांच राष्ट्रपतियों के कार्यकाल में अमेरिका के साथ अपने संबंधों में स्थिर प्रगति देखी है, जिसमें ट्रंप का पिछला कार्यकाल भी शामिल है।

एशिया को मजबूत बनाने में बौद्ध धर्म की भूमिका पर चर्चा की आवश्यकता : मुर्मू

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एशिया को मजबूत बनाने में बौद्ध धर्म की भूमिका को लेकर कहा कि हमें इस बात पर चर्चा की आवश्यकता है कि बौद्ध धर्म एशिया और दुनिया में वास्तविक शांति कैसे ला सकता है। एक ऐसी शांति जो न केवल शारीरिक हिंसा से मुक्त हो, बल्कि सभी प्रकार के लालच और घृणा से भी मुक्त हो। राष्ट्रपति ने मंगलवार को नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) के सहयोग से

- राष्ट्रपति ने प्रथम एशियाई बौद्ध शिखर सम्मेलन को किया संबोधित

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित प्रथम एशियाई बौद्ध शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि शिखर सम्मेलन बुद्ध की शिक्षाओं की हमारी साझा विरासत के आधार पर हमारे सहयोग को मजबूत करने में एक लंबा रास्ता तय करेगा। उन्होंने कहा कि भारत धर्म की पवित्र भूमि है। हर युग में भारत में महान गुरु और रहस्यवादी, द्रष्टा और साधक हुए हैं, जिन्होंने मानवता को अंदर शांति और बाहर सद्भाव खोजने का मार्ग दिखाया है। इन पथ प्रदर्शकों में बुद्ध का अद्वितीय स्थान है। बोधगया में बोधि वृक्ष के नीचे सिद्धार्थ गौतम का ज्ञान प्राप्त करना इतिहास में अद्वितीय घटना है। उन्होंने न केवल मानव मन के कामकाज के बारे में अतुलनीय समृद्ध अंतर्दृष्टि प्राप्त की, बल्कि उन्होंने बहुजन सुखाय बहुजन हिताय की भावना से सभी लोगों के साथ इसे साझा किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि सदियों से यह स्वाभाविक ही रहा है कि अलग-अलग साधकों ने बुद्ध के प्रवचनों में अलग-अलग अर्थ निकाले और इस तरह कई तरह के संप्रदाय उभरे। व्यापक वर्गीकरण में, आज हमारे पास थेरवाद, महायान और वज्रयान परंपराएं हैं।

संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक

ब्यूरो

नई दिल्ली। 18वीं लोकसभा का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होकर 20 दिसंबर तक चलेगा। इसके बारे में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने ट्वीट किया, संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू हो रहा है और 20 दिसंबर 2024 तक चलेगा। रिजिजू ने लिखा, माननीय राष्ट्रपति ने भारत सरकार की सिफारिश पर, 25 नवंबर से 20 दिसंबर, 2024 तक शीतकालीन सत्र, 2024 के लिए संसद के दोनों सदनों को बुलाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। 26 नवंबर, 2024 (संविधान दिवस) पर संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में कार्यक्रम मनाया जाएगा। महाराष्ट्र व झारखंड विधानसभा चुनाव परिणाम 23 दिसंबर को आने के बाद हो रहे संसद के इस शीतकालीन सत्र में नेता विशेष के लिए 'देखो, देखो कौन आया', जैसे प्रशंसात्मक जयकारे लगने की भी संभावना है।

- वन नेशन-वन इलेक्शन व वक्फ विधेयक सहित कई बिल पेश होने की संभावना
- पुराने संसद के सेंट्रल हाल में 26 नवंबर को मनेगी संविधान अपनाने की 75वीं वर्षगांठ

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान वन नेशन-वन इलेक्शन और वक्फ विधेयक समेत कई बिल पेश होने की उम्मीद है। मोदी कैबिनेट ने इन दोनों के प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का प्रस्ताव भी पास किया जा सकता है।

सरकार की योजना संविधान दिवस पर पुराने संसद भवन जिसे संविधान सदन का नाम दिया गया है, उसके केंद्रीय कक्ष में विशेष संयुक्त बैठक बुलाने की है। 26 नवंबर को संविधान की 75वीं वर्षगांठ पर पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में विशेष संयुक्त बैठक का आयोजन किया जाएगा। संविधान के महत्व को रेखांकित करने के लिए सरकार ने व्यापक योजना बनाई है। इसके तहत ग्रैफिटी का निर्माण, संविधान सभा की बहसों का लगभग दो दर्जन भाषाओं में अनुवाद करना और सार्वजनिक मार्च का आयोजन जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। बीते दिनों पीएम ने इस बात पर जोर डाला कि उनकी सरकार एक राष्ट्र एक चुनाव की दिशा में काम कर रही है, जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव सुनिश्चित करेगी।

एजुकेशन/करियर

बायोमेडिकल इंजीनियर दरअसल बायोमेडिकल इंजीनियर अस्पतालों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्रयोग के लिए या इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की देखरेख करने व मानव शरीर का अध्यन करके उन पर रिसर्च करने का काम करते है।

बायोमेडिकल इंजीनियर

बायोमेडिकल इंजीनियर क्यों बना जाए या इसके लिए कोर्सेज़ क्यों किये जाए इसके बारे में निम्नलिखित बिंदुओं को पढ़कर आप जानकारी प्राप्त कर सकते हैं-

- चिकित्सा क्षेत्र एक ऐसा क्षेत्र है जो भविष्य में कभी आपको निराश नहीं होने देगा।
- यदि आप चाहते है किसी ऐसे क्षेत्र में रोजगार पाना जहाँ आपको बेहतर अवसर प्रदान हो सके और आपके पास आपकी ग्रोथ क लिए बेहतर विकल्प हो, तो यह आपको इस कोर्स में सीखने को मिल सकता है।
- बायोमेडिकल इंजीनियर कोर्स आपकी स्किल्स का विस्तार करता है इत्यादि।

बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में बना सकते हैं अपना करियर

विदेशी संस्थान

- डार्ट माउथ कॉलेज
- फ्लाइंडर्स यूनिवर्सिटी
- ट्रॉय यूनिवर्सिटी
- द यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न
- द यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स
- ब्राउन यूनिवर्सिटी
- यूनिवर्सिटी ऑफ एबेरडीन
- टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी
- यूनिवर्सिटी ऑफ अल्बर्टा
- यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया
- कॉर्नेल यूनिवर्सिटी
- यूनिवर्सिटी ऑफ मैने
- वेस्टर्न यूनिवर्सिटी
- किंग्सटन यूनिवर्सिटी लंदन
- न्यूकैसल यूनिवर्सिटी

बायोमेडिकल इंजीनियर का काम

बायोमेडिकल इंजीनियर की जिम्मेदारियां निम्नलिखित है, जिसके बारे में जानकर आप बायोमेडिकल इंजीनियर क्षेत्र के बारे में गहनता से जान सकते हैं-

- अस्पतालों में बीमारियों को डाइनोसिस करने के लिए अनेकों प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग किया जाता है, इन उपकरणों का प्रयोग करने का काम बायोमेडिकल इंजीनियर करते हैं।
- चिकित्सा में उपयोग होने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का मानव शरीर पर कोई दुष्प्रभाव न हो इस बात का विशेष ध्यान रखना पड़ता है, यह काम भी बायोमेडिकल इंजीनियर ही करते हैं।
- रिसर्च के माध्यम से मेडिकल जगत को तकनीक का लाभ पहुंचना होता है, यह काम भी बायोमेडिकल इंजीनियर ही करते हैं।
- रोगियों के लिए हेल्पिंग हैंड का काम करना पड़ता है, यह काम भी बायोमेडिकल इंजीनियर ही करते हैं।
- क्लिनिक मैनेजमेंट का काम भी बायोमेडिकल इंजीनियर ही करते हैं।

भारतीय संस्थान

- बीवीडीयू पुणे
- वीआईटी वेल्लोर
- कारुण्य इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज कोयंबटूर
- एनआईटी रोउरकेला
- एसआरएम इंजीनियरिंग कॉलेज कांचीपुरम
- एमआईटी उडुपी
- सत्यभामा इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज, चेन्नई
- जेएनटीयू हैदराबाद
- एनआईटी रायपुर
- थापर इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पटियाला